



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 3, 1973 (कार्तिक 12, 1895)

No. 44]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3, 1973 (KARTIA 12, 1895)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

गृह मन्त्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

2. दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० स्वेन ने दिनांक 5 सितम्बर 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, की 12वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय भिलाई में होगा।

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 सितम्बर 1973

एस० एस० बिष्ट

महानिरीक्षक

सं० ई०-38013(2)/16/73-प्रशासन-1—विशाखा-पट्टनम को स्थानान्तरित होने पर, श्री सी० पी० रामाकृष्णन् ने दिनांक 15 सितम्बर 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल नेवेली, की 14वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रक्षा मन्त्रालय

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1973

सं० ई०-38013(3)/29/73-प्रशासन-1—दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर, श्री एन० एन० डी० कौल, ने दिनांक 5 सितम्बर 1973, के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भिलाई की 12वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 40011(2)/73-प्रशा०-ए—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम

के सामने लिखी तारीख के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायगा।

क्रम	नाम रोस्टर सं०	ग्रेड सं० सहित	58 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख	संगठन
1.	एस० राजा-गोपालन-II (पी०/155)	स्थायी लेखा अधिकारी	16-12-73	मद्रास सैपर भूत-पूर्व सैनिक पुन-वसि संघ, बंगलौर में प्रतिनियुक्ति पर और रक्षा लेखा नियंत्रक () कलकत्ता की प्रोफोर्मा नफरी पर विद्यमान
2.	चित्तरंजन राय (ओ/306)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	1-12-73	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज कलकत्ता)

दिनांक 21 सितम्बर 1973

सं० 40011(2)/73-प्रशा० ए०—सिविल सेवा विनियमावली जिल्दा के अनुच्छेद 459 (i) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिये जाने पर और उसे रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा मंजूर कर लिये जाने पर, श्री एच० एस० बस्सालवी स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी० 1474) राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय इंदौर (म० प्र०) में प्रतिनियुक्ति पर सेवा रत एवं रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ की प्रोफोर्मा नफरी पर विद्यमान, को 9 अक्टूबर 1973 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायगा।

इस कार्यालय की सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 3 जुलाई 1973 की क्रम सं० 4 संबंधित प्रविष्टियों सहित जो कि भारत के राज पत्र भाग III खण्ड I दिनांक 28 जुलाई, 1973 के पृष्ठ 1878 पर मुद्रित हुई हैं, एतद्वारा रद्द की जाती है।

एस० के० सुन्दरम,

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेम्स फैक्टरियां सेवा
महानिदेशालय, आईनेम्स फैक्टरियां
आईनेम्स इन्विज्मन्ट फैक्टरियां ग्रुप
कलकत्ता, दिनांक 17 सितम्बर 1973

सं० 8/73/जी०/ओ०/ई० एफ०—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री एस० एम० एल० रोहतगी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक, दिनांक 4 जुलाई, 1973 से सेवा निवृत्त हुए।

बी० एम० तर्नेजा
सहायक महानिदेशक,
आईनेम्स फैक्टरियां।

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1973

सं० 45/73/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक, ग्रेड-1 के पद पर, उनके सामने दी गई तारीख से, आगामी आदेश तक, नियुक्त करते हैं।

सर्व श्री

1. श्री एस० पी० सिन्हा, 4 जुलाई, 1973
स्थायी उप-महाप्रबन्धक
2. ए० सौन्दरराज, स्थायी उप-महाप्रबन्धक 4 जुलाई, 1973
3. एल० सी० कोतवाल, 4 जुलाई, 1973
स्थायी उप-प्रबन्धक

सं० 46/73/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक/ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-2 के पद पर, उनके सामने दी गई तारीख से, आगामी आदेश तक, नियुक्त करते हैं।

1. श्री बी० एल० खुराना, 4 जुलाई, 1973
स्थायी प्रबन्धक
2. ए० एन० राय, 4 जुलाई, 1973
स्थायी प्रबन्धक
3. ए० बी० मजुमदार, 4 जुलाई, 1973
स्थायी सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०
4. जी० एस० आयर, 4 जुलाई, 1973
स्थायी प्रबन्धक

सं० 47/73/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दी गई तारीख से, आगामी आदेश तक, नियुक्त करते हैं।

सर्व श्री

1. आर० एम० त्रिपाठी, 4 जुलाई, 1973
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक
2. जी० के० राय, 4 जुलाई, 1973
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक
3. जी० एस० नारंग, 4 जुलाई, 1973
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक
4. पी० एन० होताम, 4 जुलाई, 1973
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक

5. टी० बी० एस० राव, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	4 जुलाई, 1973	9. टी० के० श्रीनिवासन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
6. एफ० ई० जाली, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	4 जुलाई, 1973	10. बी० के० दत्ता, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
7. बी० डी० विश्वास, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	4 जुलाई, 1973	11. जी० एफ० मेसकेरेनहाम, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
8. डी० के० बन्दोपध्याय, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	4 जुलाई, 1973	12. एन० सी० मुखर्जी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
9. के० के० ग्रोवर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	4 जुलाई, 1973	13. जे० एस० सैनी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970
10. सी० आर० गुप्ता, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	4 जुलाई, 1973	14. टी० एन० सेन, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	1 मार्च, 1970
11. एन० एन० सिन्हा, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	4 जुलाई, 1973	15. सी० एस० नारायण स्वामी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
12. एस० मुखर्जी, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	4 जुलाई, 1973		

दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० 43/73/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को टी० एस० ओ०/सहायक प्रबन्धक की श्रेणी में, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से, पृष्ठ करते हैं।

सर्वे श्री

1. के० ए० एन० चैम्बर्स, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	3 दिसम्बर, 1965	19. आर० बी० सक्सेना, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970
2. बी० एन० वरत, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 अक्टूबर, 1968	20. जी० एन० कुण्डु, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
3. एम० जी० जोशी, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 मार्च, 1970	21. सुधीर कुमार घोष, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
4. सी० पी० मेहता, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970	22. पी० डी० जे० सोलोमन, स्थानापन्न प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
5. एच० बी० भट्टाचार्य, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970	23. बी० सी० नियोगी, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	1 मार्च, 1970
6. ए० पी० वागची, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970	24. एल० आई० एस० हेनरी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970
7. ए० डब्ल्यू० भारती, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970	25. एन० एन० मण्डल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970
8. एफ० डब्ल्यू० मैक्काय, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1 मार्च, 1970	26. एस० आर० चक्रवर्ती, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1 मार्च, 1970

सर्व श्री			सर्व श्री		
27. एच० बी० सिंह, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970	45. जी० पी० बक्षी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
28. टी० एम० कोहली, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	46. बी० के० पिल्लाय, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
29. एस० एन० धीर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	47. एम० एम० बोस, स्थानापन्न टी० एम० ओ०	1	मार्च, 1970
30. एच० थामस, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970	48. एम० शर्मा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
31. डी० एन० सरकार, स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी०- जी० ओ० एफ०	1	मार्च, 1970	49. एम० जे० मोरिस, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
32. बी० एन० ठाकुर, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	50. गी० पी० के० मेनन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
33. के० एम० मोहिले, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	51. थार० रामानाथन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
34. एम० पी० कुलकर्णी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	52. एम० जी० भाटे, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
35. बी० बी० चटर्जी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	53. के० एस० रत्नास्वामी, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970
36. जीत सिंह, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	54. डी० सन्थानम्, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
37. ए० के० घोष, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (दिवंगत)	1	मार्च, 1970	55. बी० जी० विद्वांस, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
38. आर० सिंह, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	56. पी० एच० कामा, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
39. एस० के० दलाल, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970	57. पी० एस० आर० चारी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
40. एन० सी० पाल, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	1	मार्च, 1970	58. बी० एच० जोशी, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
41. टी० पी० सुन्दरम्, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970	59. के० एन० बोस, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
42. टी० के० राव, स्थानापन्न टी० एस० ओ० (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970	60. के० पी० एस० मेनन, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	1	मार्च, 1970
43. पी० आर० एस० राघवन्, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970			
44. बी० के० बसु, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	1	मार्च, 1970			

सं० 42/73/जी०--राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को टी० एस० ओ०/सहायक प्रबन्धक की श्रेणी में, प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से, पुष्ट करते हैं :--

सर्व श्री

1. एम० मित्रा,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
2. एम० के० नायर,	3	जून,	1965
स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०			
3. एम० नारायण स्वामी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
4. आर० के० कालरा,	3	जून,	1965
अस्थायी सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)			
5. आर० कृष्णामूर्थी,	3	जून,	1965
अस्थायी सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)			
6. जे० एस० घोरेवाल,	3	जून,	1965
अस्थायी सहायक प्रबन्धक			
7. ए० रामामूर्थी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
8. ए० के० नियोगी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
9. टी० एम० स्वामीनाथन्,	3	जून,	1965
स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० ओ० एफ०			
10. एस० कृष्णामूर्थी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०			
11. पी० बासुदेवन्,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
12. बी० एन० मजुमदार,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
13. बी० कृष्णमूर्थी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
14. समीरन मित्रा,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
15. ए० सन्याल,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
16. समरेश राय,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
17. एस० के० वधावन,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			

18. एस० के० दास,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
19. एन० आर० बनर्जी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
20. जोध सिंह,	3	जून,	1965
अस्थायी सहायक प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)			
21. एस० आर० दास,	3	जून,	1965
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०			
22. एम० पी० सिंह,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
23. एस० के० राय,	3	जून,	1965
स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०			
24. डी० के० बसु,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
25. डी० डी० मिश्रा,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
26. पी० के० बसाक,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
27. ए० बी० लाल,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
28. के० एस० धार्द,	3	जून,	1965
स्थानापन्न एस० ओ० ग्रेड-1			
29. बी० सुन्दरमूर्थी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
30. बी० आर० शिवकुमार,	3	जून,	1965
स्थानापन्न प्रबन्धक			
31. ए० के० मिश्रा,	3	जून,	1965
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०			
32. बी० कृष्णामूर्थी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
33. बी० एस० दक्षिणामूर्थी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०			
34. टी० जी० शिवस्वामी,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)			
35. टी० बी० एस० राव,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
36. पी० के० गुप्ता,	3	जून,	1965
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			

मर्च श्री				56. के० जे० सिंह,	1 जून, 1967
37. बी० बी० मोहिन्द्रा,	3 जून, 1965			स्थानापन्न प्रबन्धक (अवकाश प्राप्त)	
38. एम० एस० सक्सेना,	3 जून, 1965			57. एन० एस० थींग,	1 जून, 1967
स्थानापन्न प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
39. एच० पी० अस्थाना,	3 जून, 1965			58. पी० के० गुण,	1 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
40. ओ० पी० सिधल,	1 जनवरी, 1966			59. डी० के० दासगुप्ता,	1 जून, 1967
अस्थायी सहायक प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
41. एन० एल० दुबै,	1 अप्रैल, 1966			60. एस० के० राय,	1 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न प्रबन्धक	
42. आई० एस० अहलुवालिया,	1 अप्रैल, 1966			61. यू० के० श्रीवास्तवा,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
43. आर० सी० गुप्ता,	1 अप्रैल, 1966			62. के० सी० पाल,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न प्रबन्धक	
44. एन० एस० शर्मा,	1 अप्रैल, 1966			63. सी० एस० राजन्,	12 जून, 1967
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०				स्थानापन्न प्रबन्धक	
45. पी० एन० होतप,	23 अगस्त, 1966			64. के० एन० चटर्जी,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०	
46. एस० के० बन्दोपाध्याय,	9 मितम्बर, 1966			65. पी० एम० देशपाण्डे,	12 जून, 1967
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
47. एस० वैद्यनाथन्,	10 जनवरी, 1967			66. डी० पी० गोमल,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
48. दीपक चौधुरी,	1 अप्रैल, 1967			67. बी० लाल,	12 जून, 1967
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
49. आर० पी० जौहरी,	1 अप्रैल, 1967			68. एस० एन० तिवारी,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
50. सी० आर० गुप्ता,	1 अप्रैल, 1967			69. एम० पी० गुप्ता,	12 जून, 1967
स्थानापन्न सी० डी० ए० डी०- जी० ओ० एफ०				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
51. वी० मी० पाल,	1 अप्रैल, 1967			70. एस० पी० मिश्रा,	12 जून, 1967
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०				स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०	
52. डी० पी० दास,	1 अप्रैल, 1967			71. सी० एस० रनपिसे,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
53. एम० एल० मक्षा,	1 अप्रैल, 1967			72. जे० सी० दूरेजा,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
54. आर० एस० साहनी,	1 अप्रैल, 1967			73. के० एम० एल० भटनागर,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (दिवंगत)	
55. एम० एम० मेनन,	1 जून, 1967			74. दया प्रकाश,	12 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
				75. बी० के० शर्मा,	12 जून, 1967
				स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	

सर्व श्री		97	श्री० पी० मिश्रा,	12	जून,	1967
76. श्री० पी० कालरा,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
77. बी० एम० जैकब,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
78. शेर सिंह,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
79. सी० वैष्णोपाल,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
80. एन० एल० एस० मूर्ती,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
81. एम० आर० कुरे,	12	जून,	1967	अस्थायी सहायक प्रबन्धक		
82. बी० पार्थसारथी,	12	जून,	1967	स्थानापन्न प्रबन्धक		
83. बी० जी० जाधव,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त)		
84. ए० एम० चक्रवर्ती,	12	जून,	1967	स्थानापन्न प्रबन्धक		
85. रामजी राय,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
86. एस० के० सूरि,	12	जून,	1967	स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०		
87. बी० ई० पी० नायर,	12	जून,	1967	स्थानापन्न प्रबन्धक		
88. प्यारे लाल,	12	जून,	1967	स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०		
89. बी० के० शर्मा,	12	जून,	1967	स्थानापन्न प्रबन्धक		
90. एस० एच० खां,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
91. एस० बनर्जी,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
92. एस० बी० पाल,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
93. बी० डी० विश्वास,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
94. डी० के० बन्धोपाध्याय,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
95. एस० एन० श्रीरामन्,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
96. एस० एन० सिंह,	12	जून,	1967	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		
		98.	एम० मरूप,	12	जून,	1967
		99.	एम० बी० जी० जी० वाटछा,	12	जून,	1967
		100.	एच० एल० शर्मा,	12	जून,	1967
		101.	टी० एस० ग्रेवाल	12	जून,	1967
		102.	जी० एन० बनर्जी,	12	जून,	1967
		103.	जे० एन० अमरलाल,	12	जून,	1967
		104.	के० आर० पद्मनाभन्,	12	जून,	1967
		105.	आर० के० अगरवाला,	12	जून,	1967
		106.	आर० गोविन्दराजन्,	12	जून,	1967
		107.	डी० एस० प्रसाद,	12	जून,	1967
		108.	स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०			
		109.	ए०के० बनर्जी,	12	जून,	1967
		110.	सी० मोड्डू,	12	जून,	1967
		111.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
		112.	आर० शंकर रमन्,	12	जून,	1967
		113.	स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०			
		114.	के० आर० चौधुरी,	12	जून,	1967
		115.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
		116.	एस० के० पी० विश्वनाथन्	12	जून,	1967
		117.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
		118.	ए० के० मजुमदार,	12	जून,	1967
		119.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
		120.	पी० रामयया,	12	जून,	1967
		121.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
		122.	पी० एन० क्षिगरन्,	12	जून,	1967
		123.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			
		124.	ए० आर० बसु,	12	जून,	1967
		125.	स्थानापन्न उप-प्रबन्धक			

सर्व श्री

117. डी० ए० श्रीनिवासन्,	17 जून 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
118. आर० एस० यादव,	29 जून, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
119. वाई० पी० अरोरा,	5 अगस्त, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
120. जी० सुब्रह्मनियम,	24 सितम्बर, 1967
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०	
121. ए० सी० पिल्लाय,	1 अक्टूबर, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
122. के० सी० श्रीकण्ठे,	1 अक्टूबर, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
123. एस० वी० दत्ता,	28 अक्टूबर, 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
124. एन० सी० सरकार,	11 नवम्बर 1967
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
125. जी० आई० बेलिगटन,	18 जनवरी, 1968
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
126. एस० डी० द्विवेदी,	18 जनवरी, 1968
अस्थायी सहायक प्रबन्धक	
127. के० आर० शंकरन्,	12 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
128. एन० आर० मोहन्ती,	26 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
129. एस० पी० अग्रवाल,	16 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
130. एस० मुखर्जी,	5 जनवरी, 1970
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०	
131. आर० के० बाषोय,	16 जून, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
132. ए० के० राजपाल,	24 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
133. श्री एस० बालचन्द्रन्,	7 मार्च 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
134. एस० एन० हलदर,	9 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
135. एस० जयपाल,	9 फरवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
136. बी० एस० पृथ्वीराज,	13 फरवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
137. एस० पी० जैन,	10 मई, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	

सर्व श्री

138. जी० एस० चाहिल,	31 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
139. के० शन्सुगम्,	2 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
140. एस० एस० गदगला,	3 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
141. डी० परदासनी,	5 जनवरी, 1970
सहायक प्रबन्धक (प० प०)	
142. बी० शहदावपुरी,	24 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
143. के० के० भगती,	25 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
144. सी० बी० एस० राव,	24 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
145. डी० के० भगत,	23 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
146. के० एल० सपरा,	1 मई, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
147. ए० नागपाल,	26 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
148. जी० लक्ष्मीनारायणन्	1 फरवरी, 1970
सहायक प्रबन्धक (प० प०)	
149. एम० माडप्पन,	25 जनवरी, 1970
सहायक प्रबन्धक (प० प०)	
150. बी० एल० शर्मा,	4 फरवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
151. डी० शर्मा,	24 दिसम्बर, 1969
सहायक प्रबन्धक (प० प०)	
152. आर० एम० के० पिल्लाय,	26 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
153. एस० एम० अस्मथुल्ला,	25 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
154. जी० पी० सिन्हा,	26 दिसम्बर, 1969
सहायक प्रबन्धक (प० प०)	
155. ए० के० गोहिलिया,	16 जनवरी, 1970
सहायक प्रबन्धक (प० प०)	
156. बी० आर० राव,	5 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
157. जे० एस० रस्तोगी,	26 दिसम्बर, 1969
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
158. वीर० सिंह,	9 फरवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	
159. जी० एस० काश्यप,	9 जनवरी, 1970
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक	

सर्व श्री				
160. एम० चन्द्रन्,	4 जनवरी, 1970	182. एस० सी० अग्रवाल,	25 नवम्बर, 1970	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
161. एल० सी० चौधुरी	27 दिसम्बर, 1969	183. बी० पद्मनाभन्,	6 फरवरी, 1971	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
162. आर० के० सरनायक,	15 जुलाई, 1968	184. पी० सी० खुराना,	20 नवम्बर, 1970	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
163. बी० बी० वर्मा,	18 नवम्बर, 1968	185. टी० पी० गोपालकृष्णन्,	18 नवम्बर, 1970	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
164. बी० पी० चन्दना,	9 फरवरी, 1970	186. एस० डी० पट्टेकर,	6 नवम्बर, 1970	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
165. एच० सेनगुप्ता,	9 फरवरी, 1970	187. एल० एम० भारद्वाज,	31 जनवरी, 1971	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
166. जी० पी० भार्गव,	9 फरवरी, 1970	188. एस० राजषेखरन्,	22 नवम्बर, 1970	
स्थानापन्न उप-प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
167. एच० एल० खन्ना,	9 फरवरी, 1970	189. बी० के० कार,	18 दिसम्बर, 1970	
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०- ओ० एफ०		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
168. एस० के० सिन्हा,	9 फरवरी, 1970	190. पी० एल० शर्मा,	6 नवम्बर, 1970	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
169. ए० के० गोस्वामी	9 फरवरी, 1970	191. बी० के० भल्ला,	3 जनवरी, 1971	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
170. जे० के० पाण्डे,	9 फरवरी, 1970	192. आर० एस० शाह,	23 जनवरी, 1971	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
171. बी० एल० गोगीआ,	9 फरवरी, 1970	193. सुशील गुप्ता,	7 दिसम्बर, 1970	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
172. ओ० पी० खुराना,	9 फरवरी, 1970	194. आर० एस० मखीजा,	9 फरवरी, 1971	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
173. पी० भक्तवत्सल,	9 फरवरी, 1970	195. एन० पद्मनाभन्	27 नवम्बर, 1970	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
174. आर० संथानम्,	9 फरवरी, 1970	196. एम० एम० गुप्ता,	20 नवम्बर, 1970	
अस्थायी सहायक प्रबन्धक		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
175. बी० शंकर,	5 फरवरी, 1970	197. आर० के० सिंह,	20 नवम्बर, 1970	
सहायक प्रबन्धक (प० प०)		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
176. के० बी० कृष्णामूर्थी,	16 नवम्बर, 1970	198. के० एम० गांगुली,	20 नवम्बर, 1970	
सहायक प्रबन्धक (प० प०)		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
177. ए० ओ० अश्वत्थाम,	20 नवम्बर, 1970	199. वी० के० सिन्हा,	7 मार्च, 1971	
सहायक प्रबन्धक (प० प०)		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
178. एन० के० सहाय,	29 दिसम्बर, 1970	200. आर० के० आनन्द,	17 नवम्बर, 1970	
सहायक प्रबन्धक (प० प०)		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
179. सी० बी० सिंह, राव	20 नवम्बर, 1970	201. एस० के० राय,	8 दिसम्बर, 1970	
सहायक प्रबन्धक (प० प०)		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
180. एस० आर० कृष्णामूर्थी,	15 नवम्बर, 1970	202. एस० बी० मोरे,	19 दिसम्बर, 1970	
सहायक प्रबन्धक (प० प०)		सहायक प्रबन्धक (प० प०)		
181. ए० के० विनायक,	14 नवम्बर, 1970			एम० पी० आर० पिल्लाम,
सहायक प्रबन्धक (प० प०)				सहायक महानिदेशक, आइनेन्स फैक्टरियां

**भारतीय लेखा परीक्षा
एवं लेखा विभाग**

श्रीनगर, दिनांक नवम्बर 1973

सं० न० —महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री राधा कृष्ण साबनी को 29 सितम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० न० —महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री मनोहर नाथ रैना को 29 सितम्बर, 1972 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एस० जे० एस० अहलूवालिया,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन तथा अधिकरण)

**वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय, देवास**

देवास, दिनांक 27 सितम्बर 1973

नस्ती क्रमांक बी० एन०/पी०/विशेष 37/विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) के कार्यालय में दिनांक 29-1-73 से प्रभारी स्थानापन्न अधिकारी श्री एस० एन० कुर्डी को दिनांक 29-9-73 अपराह्न उनके कर्तव्यों से मुक्त किया जाता है।

आर० रामास्वामी,
विशेष कर्तव्य अधिकारी

**(अर्थ कार्य-विभाग)
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड
नासिक, दिनांक 13 अगस्त 1973**

सं० 2124/(एम)—डा० (कुमारी) पी० वी० धोपावकर, अवर चिकित्सा अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय औषधालय, नासिकरोड, जो तदर्थरूप में दिनांक 17 सितम्बर 1973 तक नियुक्त की गई थी, अधिसूचना सं० 4884/ए०, दिनांक 6-6-73 को देखिये; को उपरोक्त औषधालय से अवर चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय से 13 अगस्त 1973 की अपराह्न राह्ल से उन्हीं के निवेदन पर कार्यभार मुक्त किया जाता है।

वि० ज० जोशी,
महाप्रबंधक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

**अम एवं पुनर्वास मंत्रालय
(पुनर्वास विभाग)**

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

जयपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1973

सं० पी० 3/1—पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन के पर्यवेक्षक श्री एस० एन० पाटक को 20 सितम्बर 1973 के पूर्वाह्न से सहायक अभियंता (वर्ग-2 राजपत्रित) के पद पर स्थानापन्न रूप से 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में तदर्थ रूप में तीन महीने की अवधि या नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो नियुक्त किया जाता है और उन्हें यूनिट-नं० 11 आर०आर० ओ० के सहायक अभियंता के रूप में मुख्यालय जेंपुर जिला-कोरापुट (उड़ीसा) में तैनात किया जाता है।

ब्र० प्र० सक्सेना,

प्रशासन अधिकारी

वास्ते मुख्य यांत्रिक अभियंता

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

पत्र सूचना कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1973

सं० 12026/4/73-एस्ट-मुख्य सूचना अधिकारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चतुर्थ श्रेणी के स्थायी अधिकारी श्री बी० एस० सूद जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय में कार्य कर रहे हैं, पत्र सूचना कार्यालय (उत्तरी क्षेत्र) में प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करते हैं। इस प्रतिनियुक्ति की अवधि 15 सितम्बर, 1973 से अगले आदेश तक होगी।

रघुवीर चन्द,

सहायक मुख्य सूचना अधिकारी

हेतु मुख्य सूचना अधिकारी

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली-1 दिनांक 25 सितम्बर 1973

सं० ए/2026/7/73-प्रशासन-1—निदेशक प्रकाशन विभाग, श्री सी० बी० गुप्ता, व्यापार कार्यकारी को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर 24 सितम्बर के पूर्वाह्न से श्री आर० एन० त्यागी, स्थायी सहायक व्यापार व्यवस्थापक, जिनको व्यापार

व्यवस्थापक (विक्रय केन्द्र, नई दिल्ली) नियुक्त किया गया है, के स्थान पर अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

मदन लाल टंडन,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 26 सितम्बर 1973

सं० 5 (36)/67-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० एन० बनर्जी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता को 30 अगस्त, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12/3/70-सतर्कता—श्री ए० पी० सिन्हा ने अपने पद से त्यागपत्र दे देने के फलस्वरूप 3 सितम्बर, 1973 के अपराह्न में आकाशवाणी, भागलपुर में कुवि रेडियो अधिकारी के अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 6 (114)/65-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० अरूणपन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम को 3 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6 (106)/68-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० उरुमूगम्, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी को 7 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (34)/67-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० एन० दास, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी कलकत्ता को 30 अगस्त से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (35)/67-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० एन० चट्टोपाध्याय, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता को 30 अगस्त, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 सितम्बर 1973

सं० 5 (82)/67-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री रोमेश चन्द्र, प्रसारण निष्पादक, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली को 11 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1973

सं० 6 (8)/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० सी० मजूमदार, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता को 19 सितम्बर, 1973 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, सिलचर में, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1973

सं० 1-5/72-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के श्रव्य-दृश्य अधिकारी श्री ए० सी० जोहरी को 26 जुलाई, 1973 अपराह्न से और आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में स्वास्थ्य शिक्षा के सहायक प्राध्यापक (केन्द्रीय सेवा प्रथम श्रेणी) के पद पर नियुक्त किया है।

श्री ए० सी० जोहरी ने स्वास्थ्य शिक्षा के सहायक प्राध्यापक के पद पर अपनी नियुक्ति होने के फलस्वरूप 26 जुलाई, 1973 अपराह्न को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में श्रव्य-दृश्य अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

राजेन्द्र नारायण सक्सेना,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1973

सं० 29-74/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक एतद्द्वारा डा० (श्रीमती) बीणा विनय बैकार को 8 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना, नागपुर में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 29-57/73-सी० एच० एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतद्द्वारा डा० जीवन प्रकाश को 12 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 सितम्बर 1973

सं० 13-5/73-सी० एच० एस०-1—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० प्रथम ग्रेड के अधिकारी डा० एस० डी० बोहरा ने पहली अगस्त, 1973 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो में उप-सहायक महानिदेशक के पद का कार्यभार त्याग दिया और उसी दिन पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप-सहायक निदेशक (पुस्तकालय) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापकेशन
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1973

सं० 11-13/73-एडमिन-1—श्री विद्या सागर तलवाड़ ने, जो केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी प्रथम ग्रेड अधिकारी हैं तथा इस सेवा के सेलेक्शन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, परिवार नियोजन विभाग से अपने स्थानांतरण पर 15 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रशासन और सतर्कता निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं० 15-3/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने मानसिक रोग अस्पताल, रांची की सहायक मेंट्रन श्रीमती जी० स्टीफन को 26 दिसम्बर, 1972 (पूर्वाह्न) से 2 मार्च, 1973 (अपराह्न) तक उसी अस्पताल में मेंट्रन के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है ।

सं० 26-22/70-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली के अनुसंधान अधिकारी डी० एच० सी० गुडनानी का 5 जुलाई, 1973 पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार कर लिया है ।

सं० 1-23/69-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता के जन-स्वास्थ्य नसिग पर्यवेक्षक श्रीमती सी० जोसेफ को 20 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में मिडवाइफरी नसिग के सहायक प्राध्यापक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है ।

दिनांक 1 अक्तूबर 1973

सं० 19-17/72-एडमिन-1—श्री एन० त्यागराजन ने अपने मूल विभाग में परावर्तित होने पर पहली सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

अ० सुरीन,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1973

सं० 29-9/73-सी०जी०एच०एस०-1—डा० आर० के० जैन, ने अपने-त्याग पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 30 अप्रैल, 1973 अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

के० वेनुगोपाल,
उप-निदेशक, प्रशासन

विदेश व्यापार मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1973

सं० 6/405/56-प्रशा०(जी)/—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात, केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र के कार्यालय नई दिल्ली में श्री एम० जी० गोम्बर, नियन्त्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को 3, सितम्बर, 1973 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उपयुक्त कार्यालय में स्थानापन्न उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के रूप में नियुक्त करते हैं ।

सं० 6/913/प्रशा० (राज)/—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 4 के एक स्थायी अधिकारी और स्थानापन्न नियन्त्रक श्री प्रधान सिंह ने सेवा निवर्तन आयु होने पर, 31 अगस्त, 1973 के अपराह्न से नियन्त्रक (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) के पद का कार्यभार इस कार्यालय में त्याग दिया ।

एस० जी० बोंस मल्लिक,
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1973

सं० 3(9)/73-सि० प्रथम—श्री कृष्ण लाल इस्सर, अधीक्षक (कोटि प्रथम) तथा आजकल तदर्थ रूप से स्थानापन्न व्यवसाय प्रबन्धक की विस्तार निदेशालय कृषि मंत्रालय, (कृषि विभाग) में, श्री राज कुमार मल्होत्रा, सहायक प्रशासन अधिकारी के छुट्टी चले जाने पर, सहायक प्रशासन अधिकारी, श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (लिपिक वर्गीय) के पद पर, 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में, दिनांक 10 सितम्बर, 1973 से 9 नवम्बर, 1973 तक स्थानापन्न तदर्थ पदोन्नति कर दी गयी है ।

दिनांक 13 सितम्बर 1973

सं० 2(3)/69-सि० प्रथम—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के फलस्वरूप श्री जान नाँग की विस्तार निदेशालय कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) में व्यवसाय प्रबन्धक, श्रेणी द्वितीय (राजपत्रित) (अलिपिकवर्गीय) के पद पर 590-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 10 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न नियुक्ति कर दी गयी है ।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग**भारी पानी परियोजना**

बम्बई-400008, दिनांक 13 सितम्बर 1973

सं० 05000/एन/25/7899(645)—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी, रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के अस्थायी भंडारी श्री गोपाल नरेन्द्रनाथ नायर को 30 जुलाई, 1973 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तलचर) में अस्थायी रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 13 सितम्बर 1973

सं० पी०पी० ई० डी०/3(53)/73-प्रशासन-11688(648)
—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०पी० ई० डी०/3(53)/65-प्रशासन-42, दिनांक 1 जनवरी, 1972 के क्रम में विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, श्री टी० पी० जोसफ को 18 मई, 1973 से आगामी आदेश होने तक के लिये नियमित आधार पर सहायक त्रय-अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम-603102, दिनांक 17 सितम्बर, 1973

सं० एम० ए० पी० पी०/3(828)/73-भर्ती.पी 10712/652
विद्युतपरियोजना इंजीनियरी प्रभाग के उप-निदेशक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के प्रशासन अधिकारी-II श्री के० बालकृष्णन को, उनका स्थानान्तरण तारापुर बिजली घर से होने पर, 25 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक के लिए, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपक्कम में अस्थायी रूप से प्रशासन अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

एस० बी० राघवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग**महासर्वेक्षक का कार्यालय**

देहरादून, दिनांक 26 सितम्बर 1973

सं० सी० 4714/718-ए—श्री एच० बनर्जी, स्थानापन्न अधीक्षक, कार्यालय महासर्वेक्षक भारत, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० सी० 4698/718-ए, दिनांक 17 अगस्त, 1973 के अधीन महासर्वेक्षक के कार्यालय में रजिस्ट्रार के

पद पर (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, को श्री एच० एल० नन्दा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, मानचित्र अभिलेख एवं निर्गम कार्यालय, जो कि अवकाश पर चले गये हैं, के स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी, के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में मानचित्र अभिलेख एवं निर्गम कार्यालय में 590 रु० प्रतिमाह वेतन पर 590-30-800 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 15 सितम्बर, 1973 अपराह्न से स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी० 4390/718-ए—श्री एम० एम० चक्रवर्ती स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, को भारतीय फोटो-निर्वाचन संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) 590 रु० मासिक वेतन पर 590-30-800 रु० के संशोधित वेतनमान में श्री बी० आर० पंत स्थापना एवं लेखा अधिकारी, भारतीय फोटो-निर्वाचन संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग जो कि अवकाश पर हैं, के स्थान पर तदर्थ आधार पर दिनांक 20 अगस्त, 1973 से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० सी० 4716/718-ए—महासर्वेक्षक कार्यालय के स्थापना अधीक्षक, श्री के० सी० भट्टाचार्य को सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान (सं० प्र० एवं मा० उ० के०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में रजिस्ट्रार (सा० के० से० श्रेणी-II) के पद पर स्थानापन्न रूप में 590 रु० मासिक वेतन पर 590-30-800 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 13 अगस्त, 1973 से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०-1/4717/724-एस० ओ० एस०—श्री नारायण पुनियाकोटी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II में एक अस्थाई पद के प्रति 350 रु० मासिक वेतन पर 350-25-575 रु० के वेतनमान में दिनांक 1 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०-1-4718/594-प्रबन्धक—श्री धीरेन्द्र कुमार को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II में एक स्थाई पद के प्रति 350 रु० प्रतिमाह वेतन पर 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 के संशोधित वेतनमान में दिनांक 3 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त आधार पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 सितम्बर 1973

सं० सी० 4416/718-ए—श्री एम० पी० जैन, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षण का कार्यालय, जिन्हें इस कार्यालय की

की अधिसूचना सं० सी० 1960/718-ए, दिनांक 23 अप्रैल, 1973 के अधीन महासर्वेक्षण के कार्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II में स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, को दिनांक 18 अगस्त 1973 से महासर्वेक्षक के कार्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है। यह पद अगले आदेश दिये जाने तक निदेशक, उत्तरी सर्किल के प्रशासनिक नियन्त्रण में ही रहेगा।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक, भारत नियुक्ति प्राधिकारी

**पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)**

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1973

सं० प्र०-6/247 (402)/62-भाग II—निरीक्षण निदेशक, जमशेदपुर के कार्यालय के अधीन राउरकेला में नियुक्त सर्वश्री एस० डी० एस० रावत तथा एस० एस० शर्मा सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) अणु शक्ति विभाग, बम्बई में प्रतिनियुक्ति पर चुने जाने पर क्रमशः 19 जुलाई, 1973 तथा 31 जुलाई, 1973 के अपराह्न से कार्य मुक्त कर दिये गये।

एस० के० जोशी
उप-निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1973

सं० ए० 32013/5/71-ई० सी०—राष्ट्रपति ने 31-12-1973 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि बढ़ाने का अनुमोदन किया है :—

क्रम सं०	नाम
----------	-----

1. श्री ओ० सी० अलैकजेंडर
2. श्री सी० वी० वेंकटेशन
3. श्री एस० वी० अय्यर
4. श्री आर० सी० रायचौधुरी
5. श्री एस० रामाचन्द्रन

उपर्युक्त अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नतियां इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/5/71-ई० सी०, तारीख 11 और 12 अक्तूबर, 1972 द्वारा अधिसूचित की गई थी।

दिनांक 17 सितम्बर 1973

सं० ए० 31014/1/72-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ओ० पी० आहूजा को 1 जनवरी, 1964 से नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद में कनिष्ठ अनुदेशक, लिंक प्रशिक्षक के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 22 सितम्बर 1973

सं० ए 32013/5/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने 31 दिसम्बर, 1973 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के ग्रेड की तदर्थ पदोन्नति बढ़ाने का अनुमोदन किया है :

1. श्री आर० के वर्मा
2. श्री वी० अलागिरी
3. श्री पी० सी० बनर्जी

2. उपर्युक्त अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 32013/3/70-ई० सी०, तारीख 12-4-1973 द्वारा अधिसूचित की गई थी।

स्वामिनाथन एकाम्बरम,
उप-निदेशक, प्रशासन

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 सितम्बर 1973

सं० ई(1)03985—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद-द्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक, के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री एम० सी० मेनन, व्यावसायिक सहायक को 5 सितम्बर, 1973 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एम सी० मेनन, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सी० जी० बालासुब्रानियन,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 सितम्बर 1973

सं० ई(1)04202—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद-द्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री जी० अप्पा राव, व्यावसायिक सहायक को 5 सितम्बर, 1973 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री जी० अणा राव, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1)04122—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र कार्यालय, नागपुर के श्री के० डी० थनपे, व्यावसायिक सहायक को 6 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री के० डी० थनपे, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 22 सितम्बर 1973

सं० ई(1)04194—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री ए० एल० भट्टाचार्य, व्यावसायिक सहायक को जो इस विभाग के अधिसूचना सं० ई(1)04194—दिनांक 27 जुलाई, 1973 के अनुसार 20-8-1973 तक स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किये गये थे, 21 अगस्त, 1973 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० एल० भट्टाचार्य, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 25 सितम्बर 1973

सं० ई(1)05830—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली के कार्यालय के श्री डी० पी० पांडे, व्यावसायिक सहायक को 8 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री डी० पी० पांडे, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किये गये हैं।

सं० ई(1)04231—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता कार्यालय के श्री बी० आर० सुशील, व्यावसायिक सहायक को 13 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री बी० आर० सुशील, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 26 सितम्बर 1973

सं० ई(1)04228—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, पटना के श्री एच० एन० जोरदार, व्यावसायिक सहायक को 27 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक, स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एच० एन० जोरदार, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, पटना में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1)04190—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय के श्री ए० सी० बसु व्यावसायिक सहायक को 6 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ए० सी० बसु स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1)06420—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबारी के श्री एस० एन० डेका, व्यावसायिक सहायक को 6 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एन० डेका, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबारी में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(1)06676—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के श्री जे० एन० कनौजिया, व्यावसायिक सहायक को 21 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री जे० एन० कनौजिया, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबारी में तैनात किये गये हैं।

दिनांक सितम्बर 1973

सं० ई(1)06693—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली कार्यालय के श्री पी० डी० सेडी, को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II), में पहली सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री सेन्नी, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

नूतन दास,
मौसम विशेषज्ञ,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1973

सं० 1/281/73-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा बम्बई, शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री ब्रह्मानन्द राव को एक अल्पकालिक रिक्ति के विपरीत 2 जून, 1973 से लेकर 13 जुलाई, 1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए मुख्य कार्यालय, बम्बई, में स्थानापन्न रूप में सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 सितम्बर, 1973

सं० 1/265/73-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद् द्वारा कलकत्ता शाखा के स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, श्री कान्स्टैण्टाइन डी सूक्षा को एक अल्पकालिक रिक्ति के विपरीत 3-7-1973 से लेकर 20-8-1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर, नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
कृते महानिदेशक,

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

तृती कोरिन

बन्दरगाह

परियोजना

तृतीकोरिन, दिनांक 24 अगस्त 1973

सं० ए 22013/1-73/प्रशासन/3246—तमिलनाडू विद्युत बोर्ड में सहायक इंजीनियर (विद्युत) श्री आर० चिदाम्बरनाथन, तृतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना में प्रति नियुक्ति की वर्तमान अवधि की समाप्ति पर, 14 अगस्त, 1973 के अपराह्न से अपने मूल विभाग को प्रत्यावर्तित हो गये।

दिनांक 28 अगस्त, 1973

सं० ए-22013/1/73/एड/3921—तृतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना के मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक डा० एस० रामाकृष्णन को 21 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से तृतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना औषधालय में 325-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रुपये के वेतनमान में अस्थायी तौर पर सहायक सर्जन नियुक्त करते हैं।

डी० आई० पाल,
मुख्य इंजीनियर तथा प्रशासक

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

जल स्कंध

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1973

सं० 14/64/62-प्रशासन पाँच—श्री बी० श्रीरामल्लु का त्यागपत्र स्वीकार कर लिये जाने के फलस्वरूप उन्होंने

दिनांक 1-1-1969 के अपराह्न से केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक का पदभार त्याग दिया है।

दिनांक सितम्बर 1973

सं० क-32012/6/70-प्रशासन-पाँच—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-दो) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० एन० दीवानजी को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 350-25-500 30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपये के वेतनमान में दिनांक 21-5-1973 से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री दीवानजी, सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर उपर्युक्त तिथि तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन होंगे।

के० पी० बी० मेनन,
अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(विद्युत स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक 30 जुलाई, 1973

सं० 6/34/73-प्रशासन-3(वि० स्क०)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग, एतद्द्वारा श्री बी० पी० जुयाल, सहायक सुरक्षा अधिकारी को केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (विद्युत स्कंध) बदरपुर ताप विद्युत परियोजना, नई दिल्ली में सुरक्षा अधिकारी के पद पर अस्थायी क्षमता में 21 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक सितम्बर 1973

सं० 6(1)73-प्रशासन-2(विद्युत स्कंध)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग, एतद्द्वारा सर्वश्री बी० वैक्कटेशन तकनीकी सहायक और रमेश चन्द्र-2 पर्यवेक्षक (स्नातक अभियन्ता) को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर क्रमशः 17 जुलाई, 1973 तथा 11 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1973

सं० 30/6/73-ई० सी०-1(के० लो० नि० विभाग)—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय लोक निर्माण

विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में मुख्य इंजीनियर (सिविल) के पद पर स्थायी घोषित करते हैं।

क्रम सं०	नाम	स्थायी की तिथि	रिक्त पदों का ब्यौरा
1.	श्री श्रीकृष्ण	27-6-1971	श्री ओ० मुत्ताचन, के प्रमुख इंजीनियर पद पर स्थायी होने से पद रिक्त होने पर।
2.	श्री ओ० पी० मित्तल	17-2-1973	स्थायी मुख्य इंजीनियर श्री बी० कन्डास्वामी के सरकारी सेवा से त्याग-पत्र देने के कारण।

दिनांक सितम्बर 1973

सं० 30/10/73-ई० सी०-1—राष्ट्रपति संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1967 के आधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी विद्युत सेवा-1 में परीक्षाधीन नियुक्त हुए श्री जे० के० चौधरी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) को 21-7-1971 (पूर्वाह्न) से सहायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) के वेतनमान में स्थायी घोषित करते हैं।

ए० एन० मल्होत्रा,
प्रशासन उप-निदेशक

9.	श्री सुरिन्दर सिंह सचदेव	14-2-71
10.	श्री सी० एल० मंशी	1-2-71
11.	श्री आर० सम्बशिव राव	3-4-71
12.	श्री एम० के० वेंकटरामन	14-9-71
13.	श्री बिहारी लाल	19-3-71
14.	श्री ए० आर० विश्वनाथन्	4-3-71
15.	श्री एस० तिरुजानसम्बन्धन्	24-2-71
16.	श्री गौड़ा रामकृष्ण	26-2-71
17.	श्री एस० पी० श्रीवास्तव	20-2-71
18.	श्री जी० रामसुब्रह्मा	4-3-71
19.	श्री के० बी० विश्वनाथन्	3-2-71
20.	श्री एस० नारायणन्	14-9-71
21.	श्री एस० डब्ल्यू० करुणाकरन्	3-4-71
22.	श्री के० आर० लक्ष्मीनारायणन्	14-9-71
23.	श्री पी० एल० एम० लक्ष्मणन्	1-2-71
24.	श्री आई० बी० भसीन	13-2-71
25.	श्री एस० रंगास्वामी	20-2-71
26.	श्री एस० वेणुगोपालन	5-3-71
27.	श्री एम० बी० सुब्रमणियन्	1-2-71
28.	श्री सुरिन्दर कुमार	26-10-72
29.	श्री एस० डी० खन्ना	26-10-72

ओ० बी० कुरुविल्ला,
आयकर आयुक्त

आयकर आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 17 सितम्बर 1973

आयकर स्थापना

सं० 876—निम्नलिखित अधिकारी एतद्वारा मूल रूप से 2री श्रेणी के आयकर अधिकारियों के पदों पर उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीखों से नियुक्त किये जाते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	मौलिक नियुक्ति की तारीख
1.	श्री एस० गोपालकृष्णन	3-4-71
2.	श्री ए० ए० बी० जमादार	26-2-71
3.	श्री आर० के० महाजन	24-2-71
4.	श्री आर० सी० मेहरा	21-2-71
5.	श्री पी० एस० देवराजन्	21-2-71
6.	श्री डी० पी० सुन्दरम्	24-2-71
7.	श्री के० लक्ष्मीनरसिंहन्	14-2-71
8.	श्री जी० एस० तुंग	3-2-71

कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1973

आयकर स्थापना

सं० 185—केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग से स्थानान्तरण होने पर श्री एच० के० सचदेवा ने दिनांक 27 जुलाई, 1973 के पूर्वाह्न में, आयकर विभाग लखनऊ में, मूल्यांकन अधिकारी के पद का भार ग्रहण कर लिया है।

सं० 186—केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग से स्थानान्तरण होने पर श्री आर० सी० गोबिल ने दिनांक 29 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न में, आयकर विभाग, लखनऊ में मूल्यांकन अधिकारी (इकाई-1) का पद भार ग्रहण कर लिया है।

सं० 187—केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग से स्थानान्तरण के पश्चात् श्री डी० मो० गोयल ने दिनांक 18 जून, 1973 पूर्वाह्न में आयकर विभाग, इलाहाबाद में मूल्यांकन अधिकारी का पद भार ग्रहण कर लिया है।

सं० 188—केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग से स्थानान्तरण के पश्चात् श्री एल० आर० मुप्ता ने दिनांक

27 अगस्त, 1973 पूर्वाह्न में, आयकर विभाग इलाहाबाद में सहायक मूल्यांकन अधिकारी का पद भार ग्रहण कर लिया है।

ई० के० लायल,
आयकर आयुक्त

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समाहर्तालय, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 सितम्बर 1973

सं० बी०/73—निम्न कार्यालय अधीक्षकों ने पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समाहर्तालय में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रेणी-द्वितीय के रूप में अपने नामों के आगे अंकित तिथियों को कार्यभार संभाल लिया है।

क्र० सं०	नाम	कार्यभार संभालने की तिथि
1.	श्री डी० एस० जेनोलीकर	2-8-1973 (अपराह्न)
2.	श्री एन० गीनमालविम	3-8-1973 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एन० डी० पटेल	3-8-1973 (पूर्वाह्न)
4.	श्री एन० एस० मावत	4-8-1973 (पूर्वाह्न)

बलदेव सहाय चावला,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता-कार्यालय, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त 1973

सं० 11/3/65/72-संस्थापन—निम्नलिखित अधिकारियों को, जो हाल ही में मद्रास तथा मदुरै केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर तैनात थे, उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीख से अगला आदेश होने तक प्रत्येक के नाम के सम्मुख दिये गये कार्यालय में, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क के प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है :

क्र० सं०	नाम	तैनाती का स्थान	कार्यभार संभालने की तारीख	विशेष
1.	श्री सी० पोन्नूस्वामी	मूल्यांकन सेल मुख्यालय कार्यालय, बंगलौर	11-6-73 अपराह्न	---
2.	श्री बी० एम० पाटिल	आई० डी० ओ० बेलारी	9-7-73	श्री एम० बी० रेड्डो के स्थान पर जिनका बम्बई सीमा शुल्क गृह में स्था नान्तरण हो गया है।
3.	श्री बी० बी० पंडित	आई० डी० ओ० केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, बंगलौर	16-7-73 अपराह्न	श्री आर० के० तिवारी के स्थान पर, जिनका गाजीपुर में स्थानान्तरण हो गया है आर० बी० मिन्हा, समाहर्ता

क्र० सं०	नाम	स्थान जहाँ प्रशासन अधिकारी के रूप में तैनात किया गया	प्रशासन अधिकारी के कार्यभार संभालने की तारीख
सर्व श्री :			
1.	आर० ध्यागराजन्	प्रशासन अधिकारी, बैलूर प्रभाग	12-3-73 पूर्वाह्न
2.	टी०एस० राजगोपाल शास्त्री	प्रशासन अधिकारी, सेलम प्रभाग	23-4-73 (अपराह्न)
3.	जे० सैमसन	प्रशासन अधिकारी, मद्रास-II प्रभाग	10-5-73 (पूर्वाह्न)
4.	मौ० जईनुल्लाबुद्दीन	प्रशासन अधिकारी, कोयम्बटूर 1 प्रभाग	11-6-73 (पूर्वाह्न)
5.	जी० अब्दुस्सुबन	प्रशासन अधिकारी, ईरोड प्रभाग	28-5-73 (अपराह्न)
6.	ए० जयरामन	प्रशासन अधिकारी, मुख्यालय-कार्यालय, मद्रास	7-6-73 (पूर्वाह्न)
7.	बी० लक्ष्मीनरसिहन्	प्रशासन अधिकारी, पांडेचेरी प्रभाग	3-8-73 (अपराह्न)
8.	पी० बालारमण	प्रशासन अधिकारी, कोयम्बटूर-II प्रभाग	17-8-73 (पूर्वाह्न)

सी० चिदम्बरम्,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 1973

सं० 6/73—विन मंत्रालय के आदेश सं० 78/73 (फा० सं० ए-32012/1/73-प्रशा०-II, दिनांक 5-6-73) के अनुसरण में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित श्रेणी-I के अधीक्षकों ने प्रत्येक के सामने बताये गये स्थान और तारीख से केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के सहायक समाहर्ता का कार्यभार संभाल लिया :—

सीमा-शुल्क सिम्बंदी

मद्रास, दिनांक 19 सितम्बर 1973 .

सं० 6—श्री भारतलोमियुव गैबरियल संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार को डायरेक्ट रेकॉर्ड एक्स्पर्ट मूल्य निरूपक के पद पर, तारीख 15-9-73 प्रातः से, और अगले आदेश तक, मद्रास सीमा-शुल्क भवन में अस्थायी रूप में नियुक्त किया जाता है।

ये आरम्भ में दो वर्ष तक के लिए परीक्षण के तौर पर रहेंगे।

सि० सिद्धभरम,
सीमाशुल्क समाहर्ता

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनीज एक्ट 1956 के विषय में और सलेन्ट चिटफन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। धारा 445 (2) कम्पनीज एक्ट 1956 के अंतर्गत

बैंगलूर, दिनांक 18 सितम्बर 1973

सं० लि०/धारा 445(2) कम्पनीज अधिनियम, 1956 के अंतर्गत सूचना दी जाती है कि मैसर्स सलेन्ट चिट फन्ड्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी पैटिशनन नं० 18/1972 में उच्च न्यायालय मैसूर बैंगलूर के दिनांक 18-8-1972 के आदेश द्वारा समापन कर दिया गया है और उपरोक्त उच्च न्यायालय के संलग्न राजकीय समापक को इस कम्पनी का राजकीय नियुक्त किया गया है।

के० के० दार,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
मैसूर, बंगलूर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सरस्वती मोटर ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 19 सितम्बर 1973

सं० 2754/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सरस्वती मोटर ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेलम श्री कन्निक्कापरमेस्वरी भैंक लिमिटेड के विषय में।

सं० 2793/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सेलम श्री कन्निक्कापरमेस्वरी भैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

य० सत्यनारायण,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और चामुन्डेस्वरी टेरेस एस्टेट्स लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 24 सितम्बर, 1973

सं० 3888/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चामुन्डेस्वरी टेरेस एस्टेट्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पन्नापकेसन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और वैद्यनाथ आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 26 सितम्बर 1973

सं० 2(570)73-74/42-33—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वैद्यनाथ आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सं० प्र० तायल,
कम्पनी निबन्धक

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज कानपुर
कार्यालय

दिनांक 16 अक्तूबर, 1973

निर्देश सं० 43 एक्ज्यूजीशन (देहरादून-I) 73-74/1768—
यतः, मुझे वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो उन्दर रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सन्तोष थापर पत्नी श्री राधामोहन थापर
निवासी फला ही बाजार लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री एस० राजेन्द्रसिंह राजन पुत्र जसवन्त सिंह 73 गांधी
रोड, देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए, तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थित सम्पत्ति न 4 डी/1 (नया 4/6) उन्दर रोड, देहरादून
एक मन्जिला मकान 1 बीघा 17 बिस्वा, 138 वर्गफीट लगभग
ठका एरिया 2752 वर्गफीट

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज कानपुर कार्यालय

दिनांक 16-10-73

निर्देश सं० 46 (देहरादून)/एक्यू/ 73-74 1767, यतः, मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो 177 ए राजपुर रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-10-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री यूनस अक्ती 177 ए० राजपुर रोड देहरादून
(अन्तरक)

2. श्री किशन बहादुर सिंह लोहन 60 ई० सी० रोड
देहरादून
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मन्जिला मकान मय नौकर मकान के नं० 177 'ए' राजपुर रोड देहरादून (ठका) कब्रिंग एरिया 23160 वर्ग फिट।

बाई० खोखर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

1. श्री शान्ती सागर सहलग, 79 राजपुर रोड देहरादून
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना2. श्री राम प्रकाश वागी पुत्र डा० सी० एल० वाशी निवासी
11/9 पुशा रोड नई दिल्ली । (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० 47(ए०सी०क्यू०) (डी० दून)/73-74 1718—
यतः मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो 28 बी० राजपुर रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वह समस्त सम्पत्ति जो कि 28 बी राजपुर देहरादून जो कि पूर्ण स्वामित्व का है । एरिया भूमि की नापें 50 फीट प्रत्येक साउथ और नार्थसाइड ईस्ट और वेस्ट में 100 फीट प्रत्येक वाउडरी की दीवाल ईस्ट 3146 वर्गफीट एक मंजिला मकान निर्माण वर्ष 1947 ।

बाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 15-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) का कार्यालय
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० 63 (ए० सी० क्यू०)/देहरादून/73-74—
यतः, मुझे वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची में है जो 55 चकराता रोड देहरादून में स्थित है (और इससे उगायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-9-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री बी० डी० सिंह निवासी 27ए (नया नं० 55) चकराता रोड देहरादून (अन्तरक)

2. श्री खिलोक नाथ पुत्र श्री देशराज 57 चकराता रोड देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूव रागी सम्पत्ति 27-ए अतः 55 चकराता रोड देहरादून में राय वाटर और इलेक्ट्रिक फिटिंग एरिया 5225 वर्गगज ढका एरिया 1311 राय 4 कगेर रसोईघर और स्नानगृह अन्य निर्माण एक मंजिला है

वाई० खोखर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 16-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) का कार्यालय
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक, 15 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० 64(देहरादून)/एक्यूजीशन/73-74/1717--यतः,
मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा सूची
में है जो 46 न्यू केनाल रोड देहरादून में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-73 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरोजनी देवी त्रिधवा भाई रामदास और रवीन्द्र-
नाथ पुत्र भाई रामदास निवासी हरिद्वार रोड देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री प्रेम कुमार पुत्र श्री गुरुमुख दाम निवासी 27 न्यू रोड
देहरादून (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 46 करीब 25-30 साल पुराना है। एरिया 26186
वर्गफीट स्थित ईस्ट केनाल रोड देहरादून।

बाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 15-10-73

मोहर :

प्रसूत आदि० पी० एन० एन०

1. जे० डी० एन० एन० एन० एन० 40 64, नमोद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/73-74/4781
यत्, मुझे च० वि० गुप्ते। आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी
सं० ज-13/18 है जो ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादक
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अतः, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्
4—306G1 73

पैनेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. इकशाल सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह निवासी जे-II, राजेंद्री
गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमोन का प्लॉट जिसका नं० जे-13/18 क्षेत्रफल 347 जो
कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहादुरपुर दिल्ली में
स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० जे-13/17

पश्चिम—कम्पनी की भूमि

उत्तर—सर्विस लैन

वक्षिण—कालोनी की बाउन्ड्री

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1, नई दिल्ली।

तारीख : 24 अक्टूबर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

निरीक्षण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०II/73-74/4781-यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एम-217 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटिड लि०, 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. ठाकुर भाई पटेल पुत्र श्री मनी लाल, 7 भेंगल बिल्डिंग, चान्दनी चौक, दिल्ली-110006 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जा एंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० 217 क्षेत्रफल 482 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व —सर्विस लैन

पश्चिम —सड़क

उत्तर—प्लॉट नं० एम/215

पश्चिम—सड़क

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली-1, नई दिल्ली।

तारीख : 24 अक्टूबर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे एट दीजिए।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं०आई० ए० सी०एक्यू०/II/73-74/4781-यतः,
मुझे च० वि० गुप्ते सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
और जिसकी सं० एस-505 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यसे कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
सेकथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मँ० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट
पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती अनिता कनल पुत्री श्री एन० एच० कानल,
सिविल लाईन, झांसी (यू० पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 505 ब्लॉक नं० एन
क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II
के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्वः—प्लॉट नं० एस/507

पश्चिम—प्लॉट नं० एस/503

उत्तर—सड़क

दक्षिण—सर्विस बैन

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 अक्टूबर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/4781 —
यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम
अधीन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है और जिसकी सं०एस-63 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1971 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ कनाट
पलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. बाई० पी० मेहता पुत्र श्री मोहर चन्द मेहता जे-9/51
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो
तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका नं० 63 ब्लाक नं० एस क्षेत्रफल
300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव
बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सर्विस लैन

उत्तर—प्लॉट नं० एस/61

दक्षिण—प्लॉट नं० एस/65

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1, नई दिल्ली।

तारीख : 24 अक्टूबर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/73-74/4781—
यतः, मुझे, सी० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० एस-230 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर (अधि-
नियम) 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ कनाट
पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री एच० सी० ठुकराल पुत्र श्री लाल चन्द और धीमती
पुष्पा ठुकराल पत्नी श्री एच० सी० ठुकराल, निवासी बी-1/366
जनकपुरी, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य
व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान तिरन किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका न० 238 ब्लॉक न० एस
क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II
के गांव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मॉक्स लैन

पश्चिम—सड़क

उत्तर—प्लॉट न० एस/236

दक्षिण—प्लॉट न० एस/240

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली-1, नई दिल्ली।

तारीख : 12 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/73-74/4781—

यतः, मुझे च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी-72 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-गके अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रानी सुमती कौल पत्नी श्री राजू उपिन्द्रा किशन कौल निवासी प्रताप विला, श्रीनगर, काश्मीर (अन्तरक)

2. श्री (1) परशीत्तर दास डालमिया पुत्र श्री बसन्ती लाल डालमिया (2) श्रीमती मन्जु देवी डालमिया पत्नी श्री नटवर लाल डालमिया निवासी पी-4 सी आई टी रोड, फूल बाजार, कलकत्ता-54 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1000 वर्गगज नं० 72 ब्लॉक बी० जो कि निवासी कालानी ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली-48 के गाँव यगुतपुर में है ।

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 अक्टूबर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II/73-74/4781—यतः, मुझे च० बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू-145 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या न्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाटटिड लि० 40 एक कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरिक)

2. मै० लक्ष्मी नारायण राधाकिशन, 5755 गांधी मार्केट, सदर बाजार, दिल्ली (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) उक्त सम्पत्ति के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज नं० डब्ल्यू 145 जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश II के गाँव बहारपुर में है।

च० बी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 12 अक्टूबर 1973

मोहर :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1/2 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एयु०/II/73-74/4781—
यतः, मुझे, च० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-326 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
:—306G1/73

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. दीदार सिंह और श्री सेवा सिंह पुत्रगण श्री गुरुमुख सिंह निवासी बी/3/12 माडल टाउन, दिल्ली 110009 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट जिसका नं० एस-326 क्षेत्रफल 476 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गाँव बहारपुर दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—सर्विस लैन

पश्चिम—सड़क

उत्तर—सड़क

दक्षिण—प्लॉट नं० एस/328

च० बी० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 12 अक्टूबर 1973

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/1/73--74/4781—
यतः, भूख चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जे 9/53 है, जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनार्डिटिड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री कुलभूषण कुमार साहनी पुत्र स्व० श्री दीवान मूल राज साहनी, निवासी जे० 9/53 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट नं० जे 9/53 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 320 वर्गगज है तथा जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर —जे० 9/54
दक्षिण —जे० 9/52
पूर्व —जे० 9/17 मी
पश्चिम —सड़क

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/1/73-74/4781—

यतः, मुझ, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-261 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस,
नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती दर्शन खन्ना पत्नी श्री पी० के० खन्ना निवासी ई० 339
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० 261 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व —सड़क

पश्चिम —सड़क

उत्तर —प्लॉट नं० एम०/259

दक्षिण —प्लॉट नं० एम०/263

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू/11/73-74/4781—
यतः, मुझे च०बी० गुप्ते, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक
है और जिसकी सं० एस०-71 है जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 40 एफ० कनाट
पलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती रेनु ग्रोवर पत्नी श्री के० के० ग्रोवर, निवासी
137 डबल स्टोरी राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० एस०-71 क्षेत्रफल 300 क्षेत्रगज
है तथा जो निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व —सड़क
पश्चिम —सर्विस लैन
उत्तर —प्लॉट नं० एस०/68
दक्षिण —प्लॉट नं० एस०/73

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा

269 घ-1 के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/73-74/4781—
यतः, भुझे चं० वि० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०-509 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह है कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री शीतल प्रसाद जैन पुत्र श्री निरंजन लाल जैन, निवासी 368 लाजपत राय मार्केट, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड जमीन का टुकड़ा जिसका सं० एस०-509 क्षत्रफल 550 वर्ग गज है तथा जो निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर में स्थित है :—

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24 अक्तूबर, 1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/73-74/4781—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू-22 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1973 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटड लि० 40 एफ कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र मोहन साहनी पुत्र कर्नल चन्द्र मोहन साहनी निवासी 593 माडल टाऊन, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० डब्ल्यू-22 क्षेत्रफल 964 वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर में स्थित है :-

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 अक्टूबर, 1973।

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली-1

केंद्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक, 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/73-74/4781—
यतः, मुझे चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-187 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 40 एक कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार डाबर पुत्र श्री ए० आर० डाबर आई० टी० पी० भगवान दास हाउस, चौक गुरुद्वारा मार्ग, करोल बाग नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका नं० 187 क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार स्थित है :—

पूर्व —सर्विस लैन
पश्चिम —सड़क
उत्तर —प्लॉट नं० एम/185
दक्षिण —प्लॉट नं० एम/189

चं० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24 अक्टूबर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 22 अक्तूबर 1973

सं० आर० ए० सी०-87/73-74:—यतः, मुझे एस० बाल-सुब्रमन्यम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 40/866-बी० कर्नूल पेटा है, जो कर्नूल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रजि-रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० मुस्तका अलीखान वल्द जे० अब्दुल मजीद खान पेटा कर्नूल, कर्नूल (अन्तरक)

2. श्रीमती सय्यद मुनीरु न्निसाबी आलियास बी० पाशा पत्नी सय्यद मोहम्मद पीर, कर्नूल

2. सय्यद जीलानी बी० पत्नी एम० ए० करीम, पेटा कर्नूल, कर्नूल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने की लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद—मं० नं० 40/866-बी०, डाक्टर गुप्ता साब के मकान के मजीक, कर्नूल पेटा, कर्नूल।

एस० बालसुब्रमन्यम्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख 22-10-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं० एक्यू 23-16/6-1/73-74:—यतः, मुझे पी०एन० मीत्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० नं० 586 और 609 है, जो जेतलपुर बडौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रिन्सिपल ओफीसर सयाजी मिल्स लि० कथपाडा 3 मजला बैंक आफ बडादा वील्डींग फुवारा, अहमदाबाद।

(2) प्रिन्सिपल ओफीसर श्री केशशीचा ईन्वेस्टमेंट लि० 31, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली-21 (अन्तरिती)
26—306GI/73

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजे जेतलपुर बडौदा की जमीन जीस का सर्वे नं० 586 और 609 है और जिसका माप 22 एकड़ और 5 गुंडा है (1070-85 सम चौ० बार) और उस पर का मकान, मशीनरी की साथ वाली मिलकत जो ब्लाक आफ सायाजी मिल्स नं० 1 से पहचानी जाती है।

पी० एन० मीत्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 10 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० एफ० 542/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० सं० 3901/1, (भाग) आर्च विषाप मनिवास अवेन्यु, अडयार क्लब रोड आलवारपेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी एम० मुल्गेम नायकर, मैलापूर, मद्रास-4 (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी ऐ० एल० आर० एम० राम-नातन चौट्टियार अडयार, मद्रास-20 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तीन ग्राउण्डस और 1770 स्क्वयर फीट भूमि, आर्च बीशप मनिवास अवेन्यु, अडयार क्लब रोड, आलवारपेट, मद्रास, जिसका एल० ए० सं० 200/60 और जिसका आर० एस० सं० 3901/1, (भाग) —प्लॉट सं० 13

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 16 अक्तूबर, 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० एफ० 693/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 26, डाक्टर खेगडे रोड नुंगम्भाक्कम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी सुशीला बी० खेगडे और कामिनि आर० खेगडे मद्रास-7 (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी राधामि केच परेक और शेकर केच परेक, मद्रास-31 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, नुंगम्भाक्कम, डाक्टर खेगडे रोड प्लॉट सं० 26, तीन ग़ज़ण्डस और 2112 स्कवायर फीट जिसका आर० एस० सं० 539/2, 540/14 और 559/51

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 16 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर 1973

निर्देश संख्या एफ० 712-ए०/73-74—यतः,
मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 9/1,
विजय रागवाचारि रोड मद्रास-17 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, टी० नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 27 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी बी० के० वन्जुला बी० के० श्री-
निवासन बी० के० विजयरागवन और बी० के० नरसिंहन, मद्रास
(अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी एन० बी० एस० मनीयन, मद्रास-17
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास- 17, विजयरागवाचारि रोड में डोर सं० 9/1, घर-
सम्पत्ति में ग्राउण्ड फ्लोर और दो ग्राउण्ड और 780 स्क्वयर
फीट भूमि में 1/3, अनन्य कौतुक।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 16 अक्तूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० एफ० 712 ए०/73-74 -- यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9/1, विजय रागवाचारि रोड, मद्रास-17 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी बी० के० वन्जुला, बी० के० श्री-निवासाय, बी० के० विजयरामन् और बी० के० नरसिंहन मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी एन० रादाकृष्णन्, मद्रास-17

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, विजय रागवाचारि रोड में डोर सं० 9/1 घर-सम्पत्ति में सैकन्ड प्लोर और दो ग्राउण्ड और 780 स्क्वयर फीट भूमि में 1/3 अनन्य कोटुक।

ए० रागवेन्द्र राव,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16 अक्टूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी एन० वेनुगोपालन मद्रास- 17।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० एफ० 712-ए०/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9/1 विजयरामवाचारि रोड, मद्रास-17 है, जो—में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 अगस्त, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी बी० के० वन्जुला, बी० के० श्रीनिवासन, बी० के० विजय रागवन और बी० के० नरसिंहन, मद्रास। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास -17, विजय रागवाचारि रोड में डोर सं० 9/1, घर सम्पत्ति में प्रथम फ्लोर, और दो ग्राउण्ड और 780 स्क्वियर फीट भूमि में 1/3 अनन्य कौतुक।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

तारीख : 16 अक्तूबर, 1973

मोहर :

प्रभु आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०/ 23-II/1-6. 1/73-74—यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रातपुरा है, जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कटौत करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल नारायण आचार्य श्री गुरुदास वडमी
नारायण आचार्य माफत कर्फ कर्णाटक
आनंशपुरा बड़ौदा (अन्तरक)

(2) श्री में० रेफ्रीजेशन एण्ड एम्प्लायन्सी
भागीदार श्री रमेशभाई हिमत लाल ठकर
मल्यनारायण बंगाली प्रताप नगर बड़ौदा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आपनों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समीर बिल्डींग, गवर्नमेंट प्रेस की बिल्डींग जिसका भाग तलीयाका पश्चिम तरफ का भाग जिसका कुल 1350 वर्ग फीट का बाधकाम है।

पी० एल० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

तारीख : 16-10-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-II/3/6.1/73-74—यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रेवन्यू सर्वे नं० 503 है, जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पंड्या नगीन प्रसाद प्रभाशंकर मार्फत पंड्या बर्दस एण्ड क० न्यू लहरीपुरा रोड बड़ौदा (अन्तरक)

(2) श्री सोनी कान्ति लाल जठा लाल गोनी होमत लाल जेठालाल बी०/22 गंतोप सोभायनी तेंजपाल *मोड बम्बई-57 ए० एस०

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेरेन्यु सर्वे नं० 503 प्लॉट नं० 74 की जमीन 4800 वर्ग फीट संपतराव कालोनी अलकापुरी रोड बड़ौदा

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद

तारीख : 16-10-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-II/2/6-1/73-74—यतः मुझे पी० एन० मिस्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक और जिसकी सं० 568/-1 है, जो रेंस कोर्स रोड बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हीशबेन चतूरभाई पटेल 30, अलकापुरी बड़ौदा (अन्तरक)

(2) श्री धीरज लाल सुखलाल तूरखीआ अमदाबादी पोल बड़ौदा।

(अन्तरिती)

(3) श्री सी० एम० पटेल 568/-1 रेंस कोर्स रोड 'दत्तपीला' बड़ौदा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4356 स्क० फीट मकान 2600 स्क० फीट जो 'दत्तपीला' नाम से पहचाना जाता है और नं० 568/1 है जो रेंस कोर्स रोड बड़ौदा में स्थित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II

अहमदाबाद

तारीख : 16-10-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय अर्जन रेज, II
अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-II /5/6-1/73-74—यतः
मुझे पी. एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० बी० टीका 12/2 सं० नं० 27/5 है, जो बड़ौदा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 18-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
के अध्याय 20-क शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायण दत्ताशव मजमूदार श्रीमती लक्ष्मि बाई
दत्ताशव मजमूदार, मजमूदार पाडा शवपुरा बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) डा० भास्कर कालीदास व्यास श्रीमती रजनीबेन
भास्कर व्यास जी० पी० ओ० के पीछे शवपुरा बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नं० बी० टीका 12/2 सं० नं०
27/5 और माप 2700 स्क० फीट है जो मजमूदार पाडा,
शवपुरा में स्थित है।

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

अहमदाबाद

तारीख : 16-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II का कार्यालय
अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 अक्टूबर 1973

निदेश सं० ए० सी० न्यू० 23- II/4/6-1/73-74—यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बंगला नं० 59 है, जो कुंज सोसाइटी बड़ौदा में स्थित है (और इससे अनुसूची उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरसोत्तम बकोरभाई पटेल श्रीमती जालीबेन पुरसोत्तम पटेल श्री नरेश कुमार पुरसोत्तम पटेल श्रीमती वृजांगना देवी गोस्वामी वीहक नाथ जी गोपाल नाथ जी की धर्ममति 59, कुंज सोसाइटी अलकापुरी बड़ौदा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वाचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 59 की खुली जमीन 4000 स्क० फीट कुंज सोसाइटी अलकापुरी बड़ौदा।

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
अहमदाबाद

तारीख 16-10-1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II
अहमदाबाद का कार्यालय

अहमदाबाद विनांक 20 अक्टूबर 1973

सं० ए० सी० क्यू० 23-16/19-7/73-74—यतः
मुख्य, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/1394 है, जो रिंग रोड, नानपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पार्वती बेन कल्याणजी देसाई
ललिता बेन कल्या जी देसाई (अन्तरक)

(2) श्री धुला भाई भीम भाई पूनम भाई भीम भाई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/1394, रिंग रोड, नानपुरा सूरत (पूर्व तरफ का) 400 वर्ग गज जमीन और प्लान्थ तक निर्माण।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II

अहमदाबाद,

तारीख : 20-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 20 अक्टूबर 1973

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-17/19-8/73-74—यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० घ० न० 8/1214 ब से 1219 तक है, जो काजी मैदान, गोपीपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारताय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अजित कुमार रतनचंद जवेरी (अन्तरक)

(1) श्रीमती पुष्पावती शांतीचंद जवेरी, रतन चंद शांतीचंद जवेरी, रमेशचंद शांतीचंद जवेरी, प्रफुल्लचंद शांतीचंद जवेरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा धर नं० 8/1214 ब से 1219 तक काजी मैदान, गोपीपुरा, सूरत 312 वर्ग गज जमीन तथा मकान

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II

अहमदाबाद।

तारीख : 20-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 20 अक्टूबर 1973

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-18/19-7/73-74—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या 8/1214 ब से 1219 तक है,
जो काजी मैदान, गोपीपुरा सूरत में स्थित है
और इससे उपलब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8/5/73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, अर्थात्:—

(1) श्रीमती/ उषा अजितकुमार झवेरी (अन्तरक)

(2) श्रीमती/ पुष्पावती शांतीचंद झवेरी रतनचंद,
शांतीचन्द्र झवेरी, रमेशचन्द्र शांतिचंद झवेरी, प्रफुलचन्द्र शांतीचंद
झवेरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा घ० नं० 8/1214 ब से 1219 तक काजी मैदान,
गोपीपुरा सूरत 312 वर्ग गज जमीन तथा मकान

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अहमदाबाद।

तारीख : 20-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1973

निर्देश स० ए० सी० क्यू० 23-19/19-8/73-74—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० घ० नं० 6/395 अ है, जो खरादी शेरी, मंछार
पुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 28-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
त्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर
बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारणभाई छगनभाई पटेल, मणिबेन नारण भाई
पटेल (अन्तरक)

(2) श्री विठल भाई नारणभाई, लक्ष्मीबेन विठल भाई
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकारी होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घ० नं० 6/395 अ० 89 वर्ग गज जमीन तथा मकान खरादी
शेरी, मंछारपुरा, सूरत

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
अहमदाबाद ।

तारीख : 20-10-1973

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अक्टूबर 1973

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-20/19-1/73-74—यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 384 (पूर्व तरफ) है, जो गाँव-तेन, ता-बारडोली डि० सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारडोली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना; या

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री धनसुखलाल दामोदरदास सोनावाला, मुकुन्द धनसुखलाल सोनावाला, भरत धनसुखलाल सोनावाला, जयमनगौरी धनसुखलाल सोनावाला सरला अतुल दौलत जादा (अन्तरक)

(2) श्री बारडोली एगो इंडस्ट्रीस के सहकारी—चुनिलाल भिखा भाई पटेल, डाटहाभाई सीताराम भक्त, मन्हरे भाई झवेर भाई छोटालाल धरमसी जोशी, राजेन्द्र प्रसाद मदनलाल सिंगल, चिमनलाल सिद्धामल सिंगल, जयप्रकाश सिद्धामल सिंगल, सिद्धामल झंडुमल सिंगल, अवयस्क—आरतीबेन कमलाकान्त जोशी, सिल्पाबेन कमलाकान्त जोशी और मीनक्षीबेन कमलाकान्त जोशी (अन्तरिती)

(3) प्रिन्सिपल आफिसर बारडोली एगो इंडस्ट्रीस, प्रा० लि०, (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 384 पूर्वतरफका क्षेत्रफल 1.30 एकड़ (7836.75 वर्ग गज) जमीन, निर्माण इलेक्ट्रीक मोटर, फिटिंग्स ट्यूब वेल, गेट तथा वायर फेन्स और सभी पेड़ गाँव-तेन, ता-बारडोली, जि० सुरत।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II
अहमदाबाद।

तारीख : 20-10-1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भारत सरकार

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 20 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-21/19-1/73-74—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 384 (पश्चिम तरफ) है, जो गांव तेन, तह० बारडोली, जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारडोली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धनमुख लाल दामोदर दाम सोनावाला,
मुकुद धनमुख लाल सोनावाला,
भरत धनमुख लाल सोनावाला,
जयसनगरी धनमुख लाल सोनावाला,
सरला अतुल दौलतजादा ।

(अन्तरक)

2. श्री मणीलाल अमभाभाई पटेल,
जगुबेन मणीलाल पटेल ।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सं० नं० 384 (पश्चिम तरफ का), क्षेत्रफल 1.30 एकड़ (7836.75 वर्ग गज), जमीन, निर्माण, इलैक्ट्रिक फिटिंग्स तथा सभी पेड़ गांव तेन, तह० बारडोली, डि० सूरत ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 20-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नागपुर, दिनांक 29 मितम्बर, 1973

निर्देश सं० आय० ए० सी०/ए०सी०क्यू०/20/73-74—
यतः, मुझे एस० एम० राय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 एकड़ भूमि जिसका सर्वे नं० 5/2 है जो सतूरना एरिया बडनेरा अमरावती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरावती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उभरे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीधर पुंडलिकराव तिरथकार
- (2) संजय श्रीधर तिरथकार सुपुत्र श्रीधर पुंडलिकराव तिरथकार ।
- (3) नरेन्द्र श्रीधर तिरथकार सुपुत्र श्रीधर पुंडलिकराव तिरथकार ।
- (4) अतुल श्रीधर तिरथकार सुपुत्र श्रीधर पुंडलिकराव तिरथकार ।

(5) विनायक पुंडलिकराव तिरथकार ।

(6) अरुण विनायक तिरथकार ।

(7) बंड विनायक तिरथकार ।

(8) हरीभाऊ बापराव तिरथकार ।

(9) मिलीन्द हरीभाऊ तिरथकार अ० पा० क० पिता हरीभाऊ तिरथकार ।

(10) सौ० कुसुम नारायणराव हिमाणे पाटिल,

(11) श्रीमती शान्ताबाई बापुराव तिरथकार

(12) कु० शोभा बापुराव तिरथकार अ० पा० क० श्रीमती शान्ता बाई बापुराव तिरथकार ।

(13) सौ० ताराबाई, दादारावजी बासडे (अन्तरक)

2. वामनराव गुलाबराव जाधव

शंकरराव गुलाबराव जाधव

मनोहरराव गुलाबराव जाधव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

9 एकड़ भूमि जिसका सर्वे नं० 5/2 है और जो सतूरना एरिया, बडनेरा रोड, इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, अमरावती में स्थित है ।

एस० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 29-8-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 26 सितम्बर, 1973

निर्देश सं० अर्जन सं० 3/37/73-74—यतः, मुझे श्री आर० जी० नेहरुकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सी० एस० सं० 905 जो मलबार और कबालाहिल डिवीजन में है, जो नेपोयन सी० रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पेसी अडी ऊनवाला (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद उस्मानमिया अहमद (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा, जो मेपियन सी रोड पर समुद्री किनारे पर स्थित है, और बम्बई नगर व रजिस्ट्री उप जिला, बम्बई में आता है, माप से 340.3 वर्गमीटर (यानी 407.06 वर्ग गज) या उसके लगभग है, जिसकी केडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 905 मलबार और कम्बाला हिल संभाग है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व में या ओर सी० एस० सं० 2/591, मलबार हिल संभाग पश्चिम में किनारे की भूमि जो सरकारी है, उत्तर में या ओर सी० एस० सं० 904 एवं दक्षिण में या ओर सी० एस० सं० 2/590 तथा जो कथित भूमि का टुकड़ा बम्बई के कलक्टर की बहियों में किराया अनुक्रमांक सं० 8581 पर दर्ज है।

आर० जी० नेहरुकर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 26-9-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 23 अक्तूबर, 1973

निदेश सं० 566/73-74—यतः, मुझे ए० राघवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 523, पूनमलि हार्ड रोड, पुरसवाक्कम, है, जो मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० प्रकासा और पी० एस० कमला भाय,
523, पूनमलि हार्ड रोड, मद्रास-84।

(अन्तरक)

2. प्रबन्ध डाइरेक्टर काकाडे कृष्णा के द्वारा होटल
स्टेलंगर प्राइवेट लिमिटेड, बंगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूनमलि डिविजन री० सर्वे सं० 1/4 में एक एकड़ और 1052 स्क्वायर फीट खाली भूमि (प्लॉट सं० डी०) जिसका ओर सं० 523, पूनमलि हार्ड रोड, पुरसवाक्कम, मद्रास-84।

ए० राघवेन्द्रा राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 23-10-73

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 23 अक्टूबर, 1973

निदेश सं० 566/73 - 74 — यतः, मुझे,
ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और
जिसकी सं० 523, पुनमलि हार्ड रोड, पुरसवाक्कम, मद्रास-84
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, पुरसवाक्कम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० प्रकामा और पी० एस० हमला भाय,
523, पुनमलि हार्ड रोड, मद्रास-84।

(अन्तरक)

2. प्रबन्ध डाइरेक्टर काकाडे कृष्णा के द्वारा होटला
स्टेलंगर, प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुनमलि डिक्कीजन री० सर्वे सं० 1/4 में एक एकड़ और
817 स्क्वायर फीट खाली भूमि (प्लॉट सं० डी०-1) जिसका
डोर सं० 523, पुनमलि हार्ड रोड, पुरसवाक्कम, मद्रास-84।

ए० रागवेन्द्रा राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 23-10-73

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 23 अक्तूबर 1973

निदेश सं० 566/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और और जिसकी सं० 523, पूनमलि हाई रोड, पुरसवाक्कम, मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरसवाक्कम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व यें कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० प्रकासा और पी० एस० कमला, भाय, 523, पूनमलि हाई रोड, मद्रास-84।

(अन्तरक)

2. प्रबन्ध डाइरेक्टर काकाडे कृष्णा के द्वारा होटल, स्टेलांगर प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूनमलि डिवीजन री० सर्वे सं० 1/4 में एक एकड़ और 2311 स्क्वायर फीट खाली भूमि (प्लॉट सं० एफ), जिसका डोर सं० 523, पूनमलि हाई रोड, पुरसवाक्कम, मद्रास-84।

ए० रागवेन्द्र राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 23-10-73

मोहर :

*जो लागू न हों उसे काट दीजिए।)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक 23 अक्टूबर 1973

निदेश सं० 566/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 523, पूनमलि हाई रोड, पुरसवाक्कम मद्रास-84 में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, 5-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० प्रकामा, और पी० एम० कमला भाय 523 पूनमलि हाई रोड, मद्रास-84। (अन्तरक)

(2) श्री प्रबन्ध डिरेक्टर कावाडे कृष्णा के द्वारा होटल म्पेलांगर प्रिवेट लिमिटेड वेग्नूर-1। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पूनमलि डिविजाण टी० सर्वे सं० 1/4 में एवः ग्रउण्ड और 1502 स्क्वयर फीट खाली भूमि जिसका डोर सं० 523, पूनमलि हाई रोड, पुरसवाक्कम, मद्रास सं० 841 (प्लॉट सं० आई०)

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक: 23-10-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर:

अर्जन रेंज-II, मद्रास

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 दिल्ली 1
केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली
दिनांक 24 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4819—
यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 288 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. म० डी. एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ० कनादा
पेलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द खन्ना पत्नी श्री एच पी० खन्ना निवासी
33/1 पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका न० 288 क्षेत्रफल 350 वर्ग गज
है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-11, के गंव बहारपुर में
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सविस् लैन पश्चिम : सड़क
उत्तर : प्लॉट न० एस०/286 दक्षिण : प्लॉट न० एस०/290

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 24 अक्टूबर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली 1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

दिनांक 26 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4818—

यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० 228 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ० कनाट पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

9-306GI/73

2. श्री विरेन्द्रा कुमार गिरधर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री० राम गोपाल एच०-15/6 मालविया नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्यव्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी प्लॉट सं० 228, ब्लॉक न० एस०, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट न० एस०/226

दक्षिण : प्लॉट न० एस० 230

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26 अक्टूबर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

चेन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली-1

दिनांक 26 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4818—
यतः मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस०-349 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ० कनाट पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार कोहली, सुपुत्र श्री कुनवनलाल कोहली 10-29, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008 (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसको प्लॉट सं० 349; ब्लॉक न० एस०, क्षेत्रफल 296 वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व : सड़क
पश्चिम सर्विस लेन
उत्तर : प्लॉट न० एस०/347
दक्षिण प्लॉट न० एस०/351

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक : 26 अक्टूबर 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई०टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/11/73-74/4818
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० एस०-39 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1973
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये
हैं ।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ०, कनाट
पैलेस नई दिल्ली (अन्तरक)

2. सर्व श्री जगदीश राय गोयल (2) विनोद गोयल (3)
विजय कुमार गोयल, सुपुत्र श्री चारुती लाल 4/7, रूप नगर,
दिल्ली-110007 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में, से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० प्लॉट सं० 89, ब्लाक नं०
एस०, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो की निवासी कालोनी ग्रेटर
कैलाश, नई दिल्ली-11, के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० एस०/87

दक्षिण : प्लॉट नं० एस०/91

(सी० वी० गुप्ते),

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 26 अक्तूबर, 1973

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4218—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई०-198 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन के 8 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक) ।

2. श्रीमती इन्द्रा सेठी, पत्नी श्री बी० एस० सेठी 8/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसका प्लॉट सं० 198 ब्लॉक नं०, ई० क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ई०/196

पश्चिम : प्लॉट नं० ई०/200

उत्तर : सड़क

दक्षिण : सर्विस लेन

(च० वि० गुप्ते);

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली -1

तारीख 26 अक्टूबर 1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/11/73-74/4818:--
यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू०-109 है, जो ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन 11 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों 'अर्थात्':--

1. मे० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40 एफ०, कनाट पलैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री तिरथ राम जैयन्थ, सुपुत्र श्री खराबती लाल जैयन्थ 336, लाजपत राय नगर, जलन्धर, पंजाब (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० 109, ब्लॉक, नं० डब्ल्यू० क्षेत्रफल वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश- II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : सड़क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० डब्ल्यू/107

दक्षिण : प्लॉट नं० डब्ल्यू०/111

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 26 अक्टूबर 1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, का कार्यालय
अर्जन रेंज-1/2 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4818—
यतः, मुझे, निर्देश सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० एस-87 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाह्वान अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-73
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 40-एफ, एल०
कनाट पलेस नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मदन लाल गुप्ता, सुपुत्र श्री निहाल चन्द, ई-53,
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के
अर्जनके प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० 87, ब्लाक नं० एम क्षेत्रफल
300 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है।:

पूर्व	सड़क
पश्चिम	सड़क
उत्तर	प्लॉट नं० एम/85
दक्षिण	प्लॉट नं० एम/89

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 26 अक्टूबर, 1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

26 अक्टूबर, 1973

तारीख:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2 अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अक्टूबर 1973

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4818-यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस-101 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लि०, 43-एफ, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक) ।

2. श्री प्राण नाथ सोहनी, सुपुत्र श्री मोहन लाल सोहनी 81/4, शिवाजी पार्क, डाकघर पंजाबी बाग, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० 101, ब्लॉक नं० एस क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	ड्रेक
पश्चिम	सबिस लेन
उत्तर	प्लॉट नं० एस/99
दक्षिण	प्लॉट नं० एस/103

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

दिनांक 27 अक्टूबर, 1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मोहर:

अर्जन रेंज-2

अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2 दिल्ली-1

दिल्ली 1, दिनांक 26 अक्तूबर, 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4818 यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस-360 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :-

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. म० डी० एल० एफ० युनाईटेड लि०, 40-एफ, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-1 अन्तरक

2. श्रीमती शशि गोपाल, पति श्री गोपाल कृष्ण गोपाला एस 412, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-110048 । अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० 360, ब्लॉक नं० एस है क्षेत्रफल 310 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व	सचिस लेन
पश्चिम	सड़क
उत्तर	प्लॉट नं० एस/358
दक्षिण	प्लॉट नं० एस/362

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 2 दिल्ली-1

तारीख : 16-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए० सी० 54/आर० II/कैल/73-74—यतः, मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है, जो 2डी जजेज कोर्ट रोड अलीपुर में स्थित है और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐस्योरेन्सेज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908—(1908 का 16) के अधीन 15-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) महाराजाधिराज उदय चंद महताब
- (2) महाराज कुमार सदय चंद महताब
- (3) महाराज कुमारी वरुणा राठी
- (4) महाराजकुमार मलय चंद महताब
- (5) महाराज कुमारी ज्योत्स्ना दत्त

10—306GI/73

(6) महाराज कुमार प्रणय चंद महताब

(7) महाराज कुमारी कर्णा महताब (ग्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती गीता देवी अग्रवाल
- (2) श्री हरिराम अग्रवाल
- (3) श्री विजय कुमार अग्रवाल
- (4) श्री अजय कुमार अग्रवाल
- (5) श्री संजय कुमार अग्रवाल
- (6) श्री धनंजय कुमार अग्रवाल

नाबालिक मंगक्षक तथा
पिता श्री हरि राम
अग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2 डी जजेज कोर्ट रोड अलीपुर कलकत्ता जिला 21-परगना का प्लॉट नं० 3 जिसमें 5 कट्टा 14 छटाक जमीन है।

एम० एन० तिवारी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-1 कलकत्ता, पी० 13,

चौरंगी स्क्वायर, कलकत्ता-1

तारीख : 30-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II

कलकत्ता का कार्यालय

दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० ए० सी० 55 आर० II/कैल/73-74—
यतः, मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है, जो 2 डी० अजेज कोर्ट रोड,
अलीपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार
आफ एस्सोरेन्सेज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908—1908 का 16 के अधीन 15-5-1973
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्य-
मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) महाराजाधिराज उदय चंद महताब
- (2) महाराजकुमार सदन चंद महताब

- (3) महाराजकुमारी वरुणा राठी
- (4) महाराजकुमार मलय चंद महताब
- (5) महाराजकुमारी ज्योत्सना दत्त
- (6) महाराजकुमार प्रणय चंद महताब
- (7) महाराजकुमारी करुणा महताब
- (1) श्री कालीचरण अग्रवाल
- (2) श्री राधेश्याम अग्रवाल
- (3) श्री ख्याली राम अग्रवाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो,
तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न० 2डी अजेज कोर्ट रोड अलीपुर कलकत्ता, जिला
परगना के प्लॉट नं० 4 की 5 कट्टा 14 छटाक भूमि।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, पी० 13 चौरंगी स्क्वायर,

कलकत्ता।

तारीख 30-10-73

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

सं० ए० सी०-56/ आर०-II/ कैल/73-74—

यतः मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है, जो 2डी० जजेज कोर्ट रोड, अलीपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐसोसिएज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- | | |
|--|----------|
| (1) महाराजाधिराज उदय चंद महताब | |
| (2) महाराज कुमार सदन चंद महताब | |
| (3) महाराजकुमारी वरुणा राठौड़ | |
| (4) महाराजकुमार मलय चंद महताब | अन्तरक |
| (5) महाराजकुमारी ज्योत्स्ना दत्त | |
| (6) महाराजकुमार प्रणय चंद महताब | |
| (7) महाराजकुमारी करुणा महताब | |
| (1) श्री बनवारी लाल अग्रवाल | |
| (2) श्री मदन लाल अग्रवाल | |
| (3) श्री संतोष कुमार अग्रवाल | अन्तरिति |
| (4) श्री मुरारी लाल अग्रवाल | |
| (5) श्री मोहन लाल अग्रवाल, नाबालिक संरक्षक पिता प्रभुदयाल अग्रवाल। | |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2 डी० जजेज कोर्ट रोड, अलीपुर, कलकत्ता जिला 24-परगना के प्लॉट नं० 2 की 5 कट्टा 14 छटांक जमीन।

एम० एन० तिवारी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-II, पी-13, चौरंगी स्वधायर,

तारीख 30-10-73

कलकत्ता

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता तारीख 30 अक्टूबर 1973

सं० ए० सी० 57/आर०-II/कैल/73-74—यतः, मुझे एम० एन० तिवारी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है, जो 2 डी, जजेज कोर्ट रोड अलीपुर स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐसोसिएज कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908—1908 का 16 के अधीन 14-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. (1) महाराजधिराज उदय चंद महताब

(2) महाराजकुमार सदन चंद महताब
(3) महाराजकुमारी वरुणा राठी
(4) महाराजकुमार मलय चंद महताब (अन्तरक)
(5) महाराजकुमारी ज्योत्स्ना दत्त
(6) महाराजकुमार प्रणय चंद महताब
(7) महाराजकुमारी करुणा महताब

(1) श्री बनवारी लाल अग्रवाल
(2) श्री मदन लाल अग्रवाल
(3) श्री संतोष कुमार अग्रवाल (अन्तरित)
(4) श्री मुरारि लाल अग्रवाल
(5) श्री मोहन लाल अग्रवाल—नाबालिक संरक्षक—पिता प्रभु दयाल अग्रवाल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 2 जजेज कोर्ट रोड अलीपुर कलकत्ता जिला 24 परगना के प्लॉट नं० 1 की 5 कट्टा 14 छटाक 14 वर्ग फीट जमीन।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, पी-13, चौरंगी स्क्वायर
कलकत्ता-1।

तारीख 30-10-73।

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, 1/2 दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/II/73-74/4859-यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई० 615 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गाजिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री नारायण सिंह 53/80 डब्लू० ई० ए० कारोल बाग नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाश कपूर, पत्नी श्री० के० के० कपूर के०-62 जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति* आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्री होल्ड जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० 615, प्लॉक नं० ई०, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में स्थित है?

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज—12, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 30 अक्टूबर 1973।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/73/74/4856—
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एस०-441 है, जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं

अतः, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ० कनाट
पलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. कु० मंजु चड्ढा, सुपुत्री श्री जे० डी० चड्ढा जे०-395
शंकर रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिस पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है—

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसे प्लॉट सं० 441, ब्लॉक न० एस०,
क्षेत्रफल 294 वर्ग गज है जो कि निवासी कालीनी ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली के गांव बहारपुर में स्थित है।

सी० वी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 अक्टूबर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-1

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73/74/4853---
यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 316
और जिसकी सं० एस०-438 है, जो ग्रेटर कैलाश-22, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 26-5-1973 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मं० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ०, कनाट
पार्क, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मैजर वलबीर सिंह खुराना, (हैड क्वार्टर्स) 15,
इनफैन्टरी डिवाजन, संरक्षक 56, ए० पी० ओ० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड जमीन का एक टुकड़ा जिसकी सं० 438,
ब्लाक नं० एस० है, क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है जो कि निवासी
कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव ब्रह्मपुर में स्थित
है ।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 अक्टूबर 1973 ।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

दिल्ली-1 दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4879—
यतः, मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० -539 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ०, कनाट पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री कामवीर तिल मोतल, सुपुत्र श्री स्वर्णाय श्री सूरज भान मीतल (2) नावीन मितल, सुपुत्र श्री करमवीर मितल एम० 103, ग्रेटर कैलाश -1, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी प्लॉट सं० 539 ब्लॉक न० एस०, क्षेत्रफल 1140 वर्ग गज है जो कि निवासी कालानी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट न० एस०/542

पश्चिम : प्लॉट न० एस०/537

उत्तर : सड़क

दक्षिण : कालौनी सीमा

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30 अक्टूबर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

केन्द्रीय राजस्व भवन नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 1973

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/73-74/4846---

यतः, मुझे, सी०वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० एस०-370 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लि० 40-एफ, कनाट पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

11-306GJ/73

2. श्री हंस राज पुरी, सुपुत्र श्री दिवान चन्द पुरी एक०-80, योन पार्क, (मुख्य), नई दिल्ली-110016 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा जिसकी प्लॉट सं० 370 ब्लाक न० एस०, क्षेत्रफल 303 वर्ग गज है जो कि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गांव बहारपुर में निम्न प्रकार से स्थित है:-

पुर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० एस०/368

दक्षिण : ल० नं० सड़क

सी० वी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30 अक्तूबर, 1973

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 नवम्बर 1973

निर्देश सं० 16-के०/अर्जन—यतः, मुझे, एस० सी० बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या 5682252 इत्यादि है जो परसा गौडरी में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची के और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1973 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रघुबर दयाल (अन्तरक)

2. श्री केदारनाथ आदि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 63 बिघा और इसमें लगा हुआ इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर बेल।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-11-73

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० 22 बी० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 48 है जो ग्राम कुदेना बुलन्दशहर में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-5-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीकार सिंह (अन्तरक)

2. बुलन्दस्टील (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला जमीन जो तीन बिघा छ बिसवा और पाँच बिस्वनस है ग्राम कुदेना परगना बरन जिला बुलन्द शहर में स्थित है।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-10-1973

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० 17 जी० /अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 93 है जो बलुवा ककरा में स्थित है। (श्रीर इससे उपाय अन्तःसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामाकान्त इत्यादि (अन्तरक)
2. श्री गंगा राम महात्मा इत्यादि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला कृषि भूमि जिसका रकबा 29 एकड़ 58 डिसिमिल है।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 31-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़ 16, सैक्टर 9-बी०

चन्डीगढ़, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/226/73-74—यतः, मुझे
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
चन्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या
मकान नं० 142 सैक्टर 15-ए है जो चन्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-5-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजिन्द्र मोहन, 1064, सैक्टर 18, चन्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) (i) श्री गुरुवचन लाल (ii) श्रीमती मखन कान्ता
88-ए०, मुहल्ला गुरु नानक नगरी जलन्धर। (अन्तरिती)

(3) श्री (i) आर० एस० गराचा (ii) श्री सुरिन्द्र नागम
(iii) श्री गुरुबखण सिंह, मार्फत 142, सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 142 सैक्टर 15-ए, चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चन्डीगढ़।

तारीख : 30-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रैंज, चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-बी
चण्डीगढ़, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/228/73-74—यतः: मुझे
जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या मकान नं० 557 सैक्टर 8-बी, है जो चण्डीगढ़
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ए० एन० तनेजा, सुपरिन्टेंडेंट इन्जीनियर हरियाणा
स्टेट बिजली बोर्ड, करनाल। (अन्तरक)

(2) श्री सेवा सिंह, पुत्र श्री देवल सिंह, (ii) श्री तरलोक
सिंह पुत्र श्री सेवा सिंह, मकान नं० 1636, सैक्टर 7-सी०,
चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 557, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 30-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० सी० एच० डी०/229/73-74-यतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या मकान नं० 8, सैक्टर 27-ए, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 'मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मलकीयत सिंह, मकान नं० 257 सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

(2) श्री तारा सिंह, पुत्र श्री तथा सिंह, थक हजि फादर जरतल अटौरनी, सरदार तथा सिंह रूहाई का कोठे मेर गंज, डाकखाना गेरपुर कला, तटसील जगराश्री जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

(3) एम-एस कृष्ण टरेडिंग कम्पनी (i) श्री एम० आर० जोशी (ii) श्री आर० डी० पाठिक, (iii) श्री एस० आर० सिधू मकान नं० 8, सैक्टर 27 ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति जिसके अधिग्रहण में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8, सैक्टर 27 ए०, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 30-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269

घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चंडीगढ़

चंडीगढ़, दिनांक 30 सितम्बर 1973

सं० सी०एच०/271/73-74—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 1195, सैक्टर 18-सी, है जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती धान देवी, विधवा पत्नी ठाकर बलवन्त सिंह, 1195, सैक्टर 18-सी, चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री भगवान दास, 1567, सैक्टर 22-बी, चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1195, सैक्टर 18-सी, चंडीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चंडीगढ़

दिनांक 30-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चंडीगढ़
156, सैक्टर 9-बी

चंडीगढ़, दिनांक 31-10-1973

सं० सी०एच०डी०/685/73-74-यतः, मुझे श्री जी०पी०सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० 2067 सैक्टर 21-सी है जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
12—306GI/73

1. श्री करमजीत सिंह पुत्र लेट मेजर हिम्मत सिंह, मकान नं० 2067, सैक्टर 21-सी, चंडीगढ़।

2. श्री मुहिन्द्र पाल सूद पुत्र श्री दुर्गा दास सूद मकान नं० 19, सैक्टर 19-ए, चंडीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा, मकान नं० 2067, सैक्टर 21-सी, चंडीगढ़।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

तारीख: 31-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चंडीगढ़

156, सैक्टर 9-बी

चंडीगढ़, दिनांक 31-10-1973

सं०सी०एच०डी०/686/73-74-यतः, मुझे श्री जी०पी०सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान नं० 2067 सैक्टर 21-सी है जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रेमजीत सिंह पुत्र लेट मेजर श्री हिम्मत सिंह, होडसन होरस, केयर आफ 56 ए० पी० ओ०। (अन्तरक)

2. श्री मुहिन्द्र पाल सूद पुत्र श्री दुर्गा दास सूद, मकान नं० 19, सैक्टर 19-ए, चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान नं० 2067, सैक्टर 21-सी, चंडीगढ़।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

तारीख : 31-10-73

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 31-10-1973

सं० बी०जी०आर०/742/73-74-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अमरात, मेन दिल्ली, मथुरा रोड़, 19 किलोमीटर स्टोन पर है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मनोहर भाटिया पुत्र ठाकर दास भाटिया 3-बी/2, गंगा राम हस्पताल रोड़, नई दिल्ली।

2. दी प्रिन्सिपल आफिसर, अम/अस महाराजा प्रिन्टिंग प्राई-वेट लिमिटेड, कतरा राठी, नई सड़क, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और इमारत मेन दिल्ली, मथुरा रोड़, 19 किलोमीटर स्टोन पर फरीदाबाद में स्थित जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 686 मई, 1973 को सब रजिस्ट्रार बल्लबगढ़ में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-73

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज चण्डीगढ़

156 सैंक्टर 9-बी

चंडीगढ़, दिनांक 31-10-1973

निर्देश सं० एल०डी०एच०/784/73-74-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चंडीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 83 मुहल्ला राख, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जतिन्दरनाथ पुत्र श्री केदारनाथ, चौड़ी सड़क, लुधियाना
2. (i) श्री रमेश कुमार गुप्ता, (अन्तरक)
- (ii) श्री विनोद कुमार,
- (iii) श्री यश पाल,
- (iv) श्री जतिन्दर कुमार,
- (v) श्री अवनाश कुमार,

पुत्र श्री आनन्द स्वरूप, बी०-बी०-312 वनजमान रोड़, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिये तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 83, मुहल्ला राख, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

दिनांक 31-10-73

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 31-10-1973

निर्देश सं० एल०डी०एच०/800/73-74-यतः, मुझे श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट मुहल्ला राख है जो लुधियाना में स्थित में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जतिन्दर नाथ पुत्र श्री केदार नाथ चौड़ी सड़क, लुधियाना। (अन्तरक)

(2) श्री रमेशकुमार गुप्ता
श्री विनोद कुमार
श्री यश पाल
श्री जतिन्दर कुमार
श्री अविनाशकुमार

पुत्र श्री आनन्दस्वरूप

बी-बी-312, वनजमान रोड, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित ती तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट मुहल्ला राख लुधियाना, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1640, मई, 1973 को सब रजिस्ट्रार लुधियाना में लिखा है।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 31-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156 सैंक्टर 9-बी

दिनांक 31 अक्टूबर, 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/790/73/74:—यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 35/100 हिस्सा प्लॉट नं० 20-सी० सोराबा नगर है जो लुधियाना में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती उपदेण कौर, पत्नी श्री तेजा सिंह, मुहल्ला हरगोविन्द पुरा, जगरोऊ ।

(अन्तरक)

(2) (i) अस/अस लछमन दास धर्म वीर,

(ii) धर्म वीर और पुत्र,

(iii) अस/अस बनारसी दास रमेश कुमार

(iv) अस/अस रमेश कुमार और पुत्र लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

35/100 में प्लॉट नं० 20-सी०, सोराबा नगर लुधियाना ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-73

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय,

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 31 अक्टूबर, 1973

निदेश सं० एल० डी० एच०/791/73-74:-यतः, मुझे, श्री जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 30/100 हिस्सा प्लॉट नं० 20-सी० है, जो सोराबहा नगर लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- 1 (i) श्रीमती हरजीत कौर, पत्नी हरनेक सिंह,
- (ii) श्री जसविन्दर सिंह पुत्र श्री हरचन्द सिंह, मुहल्ला, हरगोविन्द पुरा, जगराओं।

(अन्तरक)

- 2 (i) अम/अस, लछमन दास भर्मे वीर,
- (ii) अम/अस धर्म वीर और सन्ज,
- (iii) अम/अस बनारसी दास रमेश कुमार,
- (iv) अम/अस रमेश कुमार एण्ड सन्ज, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

30/100 हिस्सा प्लॉट नं० 20-सी० सरोबाहा नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जुन रेंज चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-बी

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/792/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 35/100 हिस्सा प्लॉट नं० 20-सी है जो सराबा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वचन कौर, पत्नी श्री हरचन्द सिंह, मुहल्ला हरगोबिन्द पुरा, जगराग्रो, जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) (i) अम/अस लछमन दास धर्म वीर,
(ii) अम/अस धर्मवीर और सन्ज,
(iii) अम/अस बनारसी दास हमेश कुमार,
(iv) अम/अस हमेश कुमार और सन्ज,
लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति का अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

35/100 हिस्सा प्लॉट नं० 20-सी, सराबा नगर, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-बी

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/807/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 1/2 हिस्सा, कोठी नं० 489, माडल टाऊन है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—306GI/73

(1) श्री मदन लाल बलदेव कृष्ण, पुत्र श्री गरधारी लाल,
124-माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह, पुत्र सरदार तेजा सिंह, 490-
माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा, कोठी नं० 489, माडल टाऊन, लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-बी

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० एल०डी० एच०/808/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 1/2 हिस्सा, कोठी नं० 489, माडल टाऊन, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6 के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री मदन लाल बलदेव कृष्ण, पुत्र श्री गरधारी लाल, 124-माडल टाऊन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह, पुत्र सरदार तेजा सिंह, 490-माडल टाऊन, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा, कोठी नं० 489, माडल टाऊन, लुधियाना ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-1973

मोहर:

प्ररूप आई०डी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, 156, सक्टर 9-बी

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० एल० डी० एच०/811/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 41, आत्म नगर सामने माडल टाऊन है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बलबन्त सिंह पुत्र श्री मित्त सिंह, 6—शाह जहान रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरववायाया भाल, पुत्र श्री हरबन्स लाल, 56—आर, माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 41, आत्म नगर, सामने माडल टाऊन, लुधियाना।

जी. पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 31-10-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, 156, सैक्टर 9-बी

दिनांक 31 अक्टूबर 1973

निर्देश सं० बी० जी० आर०/907/73-74—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट ग्राफ लैंड सोहाना रोड, है जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्रीलेख राज, पुत्र श्री जय राम, 163-ए, न्यू कालोनी, गुरगाँवाँ,

(अन्तरक)

(2) ग्राम/ग्रस हिन्दोस्तान स्ट्रकच्यूरल सैक्टर नं० 24, प्लॉट नं० 115, फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट ग्राफ लैंड, सोहाना रोड, फरीदाबाद, तहसील बल्लबगढ़, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 671, के मई 1973 को सब रजिस्ट्रार, बल्लबगढ़ में लिखा है ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 31-10-1973

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अल्पकालीन सेवा कमीशन (अप्राविधिक) परीक्षा, मई, 1974

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1973

सं० एफ० 28/2/73 ई० I (बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 3 नवम्बर, 1973 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना 38, दिनांक 15-10-73 के अनुसार नियमित सेना में अल्पकालीन सेवा कमीशन की प्राप्ति हेतु मई, 1975 से आरंभ होने वाले अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास के 21वें कोर्स में प्रवेश के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, विल्ली, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 28 मई, 1974 को एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उपाबन्ध II, पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 200 होगी।

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार को पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 मई, 1952, से पूर्व का नहीं होना चाहिए तथा 1 मई, 1956 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण एक रुपया देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम, बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। एक रुपये की यह राशि किसी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबंध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं।

- (i) मुख्यालय बंगाल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैंट/पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश एरिया, अम्बाला कैंट/उत्तर प्रदेश एरिया, बरेली/मध्य प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बम्बई/तमिलनाडु, मैसूर तथा केरल एरिया, मेंट टामस माउंट।

- (ii) मुख्यालय, बम्बई सब-एरिया, बम्बई/लखनऊ सब-एरिया, लखनऊ/मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पूना सब-एरिया, पूना/कलकत्ता सब-एरिया, कलकत्ता/मध्यप्रदेश सब-एरिया, भोपाल/जालंधर सब-एरिया, जलंधर/मैसूर सब-एरिया, बंगलौर/आन्ध्र (स्वतंत्र) सब-एरिया, सिकंदराबाद/बिहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, चीना-पुर/अम्बाला सब-एरिया, अम्बाला/देहरादून सब-एरिया, देहरादून/तमिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, मद्रास/उत्तरी बंगाल सब-एरिया, 21, 31, 41 और 51 कमान सब-एरिया तथा 61 स्वतंत्र कमान जैड (Z) सब-एरिया, इलाहाबाद सब-एरिया, इलाहाबाद।

(iii) क्षेत्रीय भर्ती अधिकारी :

जलंधर/अम्बाला/लखनऊ/कलकत्ता/शिलांग/अजमेर/पूना/बंगलौर, कुनारघाट।

(iv) सभी नेशनल कैंडिडेट कोर यूनिटें।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र अल्पकालीन सेवा कमीशन (अप्राविधिक) परीक्षा, मई, 1974 के लिये निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। अल्पकालीन सेवा कमीशन (अप्राविधिक) परीक्षा, मई, 1974 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर आवेदनों-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 31 दिसम्बर, 1973 को या उससे पहले (31 दिसम्बर, 1973 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अण्डमान एवं निकोबार और लाकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिन-विधि द्वीप समूहों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 14 जनवरी, 1974 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अशुभ तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट :—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप-पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबंध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या बेरी हो तो उन्हें पूर्वोक्त पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित क्रियाविधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, से प्राप्त करने के लिए समय पर कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक बम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उम उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपाबन्ध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल में प्रवेश के लिए दिसम्बर, 1973 में ली जाने वाली परीक्षा में बैठ रहा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह दिसम्बर, 1973 के परीक्षाफल के आधार पर अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल, मद्रास में प्रवेश के लिए अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबन्ध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

एम० एस० प्रुथी,
उप-सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि सम्बद्ध भारतीय मिशनो में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है, जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो

उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि अधिसूचना के नोट I के नीचे के पैरा 8 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त तथा नोटिस के पैरा 9 में उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबन्ध II

उम्मीदवारों को अनुदेश:

1. इस नोटिस के पैरा 4 के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं आवेदन प्रपत्र भरने से पहले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे नोटिस तथा नियमों को ध्यान से देख लें, कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जाएगी।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केषों में से किसी एक को, अर्थात् वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिंदु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 31 दिसम्बर, 1973 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार तथा लकादिव, मिनिक्वाय एवं अमिनदिव द्वीपसमूहों में रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी या अस्थायी रूप से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर कार्य-प्रभारी कर्मचारी की हैसियत से सरकारी नौकरी में हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सेक्शन "सी") को भर कर आयोग को भेज देगा।

सशस्त्र सेनाओं में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग ऑफिसर की मार्फत भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सेक्शन "सी") को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में डेर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो,

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबन्ध 1)।
- (ii) आयु के प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की प्रति (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (vi) जहां लागू हो वहां शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की प्रति (देखिए नीचे पैरा 6)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा ध्यान बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के मार्च, 1975 के महीने में घोषित किये जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय मांगे जाने पर आयोग को प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए।

सब (i) से (vi) तक उल्लिखित प्रमाण-पत्रों के विवरण नीचे दिए गए हैं :

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तथा इस प्रकार भरा जाए :—

"PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE."

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय लिखे हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रह हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहें कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "XXI Miscellaneous Departments Examination Fees—Receipts of the Union Public Service Commission." में जमा करा दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रेक्ट) में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2 :— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि अधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) को होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे किसी प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि न भेजी गई तो उम्मीदवारों को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के प्रमाण में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रति भेजनी चाहिए। आयोग प्रमाण की मान्यता पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो अथवा वह इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है, किन्तु उसे संबंध कालेज/संस्था के प्रिंसिपल से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर एक प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए। यदि ऐसे उम्मीदवार, अन्य

शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु उनके परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 1 अप्रैल, 1975 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है। ऐसे उम्मीदवारों को उपर्युक्त तारीख तक अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण अवश्य प्रस्तुत कर देना चाहिए, चाहे वे इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हों अथवा नहीं। यदि वे इस अनुदेश का पालन नहीं करते तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वे अपना परीक्षा-परिणाम जानने के अधिकारी नहीं होंगे।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री—
सुपुत्र श्री—मास—19 में
द्वारा संचालित—

परीक्षा में बैठने वाले हैं/*बैठ चुके हैं।

तारीख— (प्रिंसिपल के हस्ताक्षर)

स्थान— (कालेज/संस्था का नाम)

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

(iv) फोटों की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नरबी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii) तथा 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में [उपर्युक्त पैरा 3 (iii) के नोट में दी गई व्यवस्था के अतिरिक्त] आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख के एक महीने के भीतर अवश्य पहुंचाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों से सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के समय उन प्रमाण-पत्रों आदि में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियाँ उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करता है तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे मध्य प्रदेश सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन में आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पत्रों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री-----
-----सुपुत्र श्री-----
जो गांव/कस्बा *-----
जिला/मण्डल *----- राज्य/
संघ राज्य क्षेत्र*-----के निवासी है,-----
जाति/आदिम जाति* के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनु-
सूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के रूप में मान्यता
दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956*

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित, आदिम जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970*

2 श्री-----
और/या *उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा*-----
-----जिला/मण्डल*-----
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*-----में
रहते हैं।
स्थान-----हस्ताक्षर-----
तारीख-----**पदनाम-----
(कार्यालय की मोहर)

राज्य
संघ राज्य क्षेत्र*
*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट :—यहां "आमतौर से रहते हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रिजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी :

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर ऐडमिनिस्ट्रेशन/डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का वृत्तिक मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्सीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एग्ज्यूटिव असिस्टेंट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के वृत्तिक मैजिस्ट्रेट में कम ओहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडमिनिस्ट्रेशन चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का मचिव/डेवलपमेन्ट अफसर (लकादिव, मिनिकबाय और अमिनदिव द्वीपसमूह)।

6. (i) उपबन्ध-1 के पैरा 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से

लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को, अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भारत आया है :—

- (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प बसाउट ।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है ।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभागी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।
- (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) उपबन्ध-I के पैरा 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रयावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है । उसका किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iii) उपबन्ध-I के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा दिये गये मूल पहिचान प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है । उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रति-

लिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अधिकारी प्रशिक्षण-शाला, मद्रास में प्रशिक्षण के लिए अपना चयन हो जाने के बाद, अभीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय को आवेदन करना चाहिए ।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपाएं ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें या उसमें परिवर्तन करें अथवा न ही कोई फेर-बदल करें और न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें । यदि ऐसे दो या दो से अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए ।

9. यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए ।

10. इस परीक्षा के लिए प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा । परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिली तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए । यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा ।

11. रक्षा मंत्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसंधान निदेशालय) ने दो विनिबंध (MONOGRAPHS) प्रकाशित किए हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है । इन विनिबंधों को प्रकाशित करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उन बुद्धि परिक्षणों से परिचित कराना है जो सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं ।

- (1) पी० आर० डब्ल्यू०-I तथा पी० आर० डब्ल्यू०-II वाले बुद्धि परीक्षण बी० टी० आई० का फालांक ।
- (2) पी० आर० डब्ल्यू० 24 तथा आई० एस० पी० 45 वाले बुद्धि परीक्षण बी० टी० आई० का फालांक ।

ये विनिबंध समुल्य प्रकाशन हैं । इनकी बिक्री मैनेजर आफ पब्लिकेशन्स, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006 के द्वारा की जाती है और इन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधे या

नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ, बैरक्स 'ए' नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

12. आवेदन-पत्र से सम्बंध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजा जाए तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) रोल नंबर (यदि उम्मीदवार को सूचित कर दिया गया हो)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में उपर्युक्त व्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए।

यदि आयोग द्वारा सेवा चयन को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों ने परीक्षण के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद पते में परिवर्तन किया है तो उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद बदले हुए पते के बारे में सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ए), बैस्ट ब्लॉक-3, विंग 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भी सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इस अनुदेश का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त न होने पर अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते।

14. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुशंसा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए कर दी गई हो उन्हें अपने साक्षात्कार से संबंध पूछताछ या अनुरोध, यदि कोई हो, सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ए०), बैस्ट ब्लॉक-3 विंग-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठना हो उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद, विश्वविद्यालय की परीक्षा की

तारीखों के बारे में सेना मुख्यालय को सूचित कर देना चाहिए, जो, यदि संभव हुआ तो, साक्षात्कार की तारीख निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है।

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 44

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1973 को निर्धारित आयु सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूत-पूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रजन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुयोग्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़ कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम विज्ञापन सं० एवं पद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें०मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मांगा मांगा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उस के बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पाकिस्तान से प्रव्रजन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक के पद के अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-पत्र न मिलने पर, सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख 3 दिसम्बर, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिकबाय एवं अमिन-दिवी द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 17 दिसम्बर, 1973 है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 12 और 15 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 3 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी हो जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 13, और 14 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चितकाल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 7 का पद अस्थायी है किन्तु उसके चलते रहने की संभावना है।

क्रम संख्या 1 की 6 स्पष्ट रिक्तियों में से एक पद अनुसूचित जातियों और 2 पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और क्रम संख्या 1 की 14 प्रत्याशित रिक्तियों में से 2 पद अनुसूचित जातियों और एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। क्रम-संख्या 10 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 11 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और दोनों के न मिलने पर अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 3 के 2 पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और उन के न मिलने पर अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे। क्रम-संख्या 3 का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उनके न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा। क्रम संख्या 2 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उसके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

क्रम-संख्या 1 की 6 स्पष्ट रिक्तियों में से एक पद और 14 प्रत्याशित रिक्तियों में से 4 पद यदि ऐसे उम्मीदवार मिलते हैं तो, उन आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं जिन्हें 1-11-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त था या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फल-स्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों अन्यथा उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा।

1. बीस (बीस प्रत्याशित सहित) आयात व तथा निर्यात, नियंत्रक, आयात तथा निर्यात के मुख्य नियंत्रक का कार्यालय, वाणिज्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-25-500-30-590-द० रो०-30-800। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सरकारी सेवा या व्यावसायिक प्रतिष्ठान में किसी दायित्वपूर्ण पर्यवेक्षकीय हैसियत से लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

2. एक वरिष्ठ विपणन अधिकारी, विपणन तथा निरीक्षण निदेशालय, कृषि मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से पशुचिकित्सा विज्ञान में डिग्री

अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) सहकारी विपणन साथ-साथ पशुधन और पशुधन उत्पादों के विपणन के क्षेत्र में लगभग 5 वर्ष का अनुभव।

3. भौतिकी के आठ आख्याता, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, छड़कवासला, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950- तथा साथ में रु० 150/- प्रतिमास विशेष भत्ता। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) उत्तम शैक्षिक वृत्त के साथ किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अध्यापन/अनुसंधान का लगभग दो वर्ष का अनुभव।

4. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II, निरीक्षण महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु-सीमा :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्रयुक्त भौतिकी में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) विभिन्न यंत्रों के अनुरक्षण तथा परीक्षण के क्षेत्र में दो वर्ष का अनुभव।

5. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्रयुक्त रसायन विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) प्लास्टिक सामग्री के उत्पादन तथा निरीक्षण के क्षेत्र में लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

6. तीन वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, अनुसंधान एवं विकास संगठन रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—सभी पदों के लिए :—(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। पहले पद के लिए :—(ii) किसी विख्यात रंग उत्पादन प्रतिष्ठान में लगभग 2 वर्ष का अनुभव। दूसरे पद के लिए :—(ii) पेट्रोलियम, तेल तथा स्नेहक (Lubricants) पदार्थों के उत्पादन, परीक्षण तथा निरीक्षण के क्षेत्र में लगभग 2 वर्ष का अनुभव। तीसरे पद के लिए :—(ii) रबड़ सामान के उत्पादन में व्यस्त किसी बृहत एकक में लगभग 2 वर्ष का अनुभव अथवा रबड़ के क्षेत्र में भंडार की सामग्री के परीक्षण तथा निरीक्षण का 2 वर्ष का अनुभव।

7. एक वनस्पति रक्षण अधिकारी, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि में बी० एस० सी० या प्राणि-विज्ञान या कृषि प्राणि-विज्ञान विषय के साथ बी० एस० एस० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) उक्त क्षेत्र में वनस्पति रक्षण कार्य का लगभग तीन वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। (iii) कृषि महत्व के कीट पतंगों का, उनकी पहचान सहित, कार्य साधक

ज्ञान तथा कीट-नाशक दावओं, वनस्पति मशीनों एवं उनके उपभोग का व्यावहारिक ज्ञान।

8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु:—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) वैमानिक इंजीनियरी से संबद्ध भांडार के निरीक्षण/उत्पादन का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

9. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु:—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वस्त्र प्रौद्योगिकी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी ऊनीमिल में कताई, बुनाई, परिसज्जन अथवा संकयन (Knitting) में से किसी विभाग में दायित्वपूर्ण हैसियत से कार्य करने का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

10. दो कनिष्ठ अभिकल्पन अधिकारी (इंजीनियरी), नौ सेना मुख्यालय रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु०-350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक या नौ इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से यांत्रिक या नौ इंजीनियरी में डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में अभिकल्पन कार्य का लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

11. एक सहायक इंजीनियर (बैद्युत) विद्युत विभाग, गोआ, वमन तथा बिजु सरकार। वेतन :—रु०-350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 द० रो०-30-830-35-900। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बैद्युत इंजीनियरी में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता।

12. एक आफसेट उत्पादन अधिकारी, कृषि मंत्रालय, (कृषि विभाग), वेतन :—रु०-400-40-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा किसी मान्यताप्राप्त प्राविधिक संस्था से मुद्रण तथा समवर्गी व्यवसायों में डिप्लोमा (ii) किसी सरकारी या प्रतिष्ठित निजी मुद्रणालय में व्यवहृत सभी प्राविधिक प्रक्रियाओं सहित आफ सेट मुद्रण में लगभग 5 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।

13. एक अधीक्षक (हालरिथ) कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग (सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान), मंत्रिमंडल सचिवालय। वेतन :—रु० 620-30-830-35-900। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी हालरिथ संगठन में कार्य करने का लगभग 7 वर्ष का अनुभव जिसमें लगभग 3 वर्ष का अनुभव किसी पर्यवेक्षकीय हैसियत से हो।

14. एक प्रधानाचार्य, राक्षीय अन्ध बाल विद्यालय, सराज कल्याण निवेशालय, दिल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 425-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-30-830 35-900। आयु-सीमा :—40 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त अंध प्रशिक्षण संस्थान से डिप्लोमा। (iii) अंधों की किसी सरकारी अथवा स्वयंसेवी संस्था में लगभग 7 वर्ष का अध्यापन अनुभव।

15. एक कनिष्ठ कलाविद् उत्कर्णक, सरकारी टकसाल, बम्बई, वित्त मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-25-500-30-800। आयु-सीमा :—35 वर्ष। योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से वाणिज्यिक कला में डिग्री या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) मूर्तियों अथवा धातु शिल्प के प्रतिरूपण का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

शुद्धि-पत्र

डाक्टरों की 757 रिक्तियों के लिए सम्मिलित भर्ती।
सन्दर्भ :—29-9-1973 को प्रकाशित आयोग के विज्ञापन संख्या 39 का भाग 'ख'। सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि वे उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं जो 31 दिसम्बर, 1973 तक अनिवार्य रोटेटिंग इंटर्नशिप का समापन कर लें। आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 3-12-1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार, लकादिव, मिनिक्वाय तथा अभिनविदी द्वीपसमूहों में रहने वाले आवेदकों के लिए 17-12-1973) तक बढ़ा दी गई है। जो व्यक्ति आयोग के विज्ञापन संख्या 39 के भाग 'ख' के आधार पर पहले ही आवेदन कर चुके हैं उन्हें फिर से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

अल्पकालीन सेवा कमीशन (अप्राविधिक) परीक्षा, मई, 1974 संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियमित सेना में अल्पकालीन सेवा कमीशन (अप्राविधिक) की प्राप्ति हेतु अधिकारी प्रशिक्षण-शाला, मद्रास में प्रवेश के लिए 28 मई, 1974 को एक परीक्षा ली जाएगी। आयु-सीमाएं :—उम्मीदवार का जन्म 2 मई, 1952 से पूर्व का तथा 1 मई, 1956 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थित में छूट नहीं दी जाए योग्यताएं :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। डिग्री या समकक्ष परीक्षा में सम्मिलित हुए या सम्मिलित होने वाले उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र अंतिम रूप से स्वीकार किए जाएंगे। परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण तथा आवेदन-प्रपत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से रु० 1.00 के मनीआर्डर द्वारा अथवा आयोग के काउंटर पर एक रुपया नकद दे कर प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को मनीआर्डर कूपन पर "अल्पकालीन सेवा कमीशन (अप्राविधिक) परीक्षा, मई, 1974, स्पष्ट रूप से अवश्य लिखना चाहिए तथा अपना नाम और पत्र-व्यवहार का पूरा पता भी बड़े अक्षरों में लिखना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण

तथा आवेदन-प्रपत्र निकट के किसी भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्यालयों अथवा नेशनल कैडेट कोर यूनिटों से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1973 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार और लकादिव, मिनिस्बाय एवं

अमिनदिवी द्वीप समूहों में रहने वाले उम्मीदवारों द्वारा 14 जनवरी 1974) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,
सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Office of the Inspector General

Central Industrial Security Force

New Delhi-110003, the 22nd September 1973

No. E-38013(2)/16/73-Ad.I.—On transfer to Vishakhapatnam, Shri C. P. Ramakrishnan, Commandant No. 14 Battalion, Central Industrial Security Force, Neyveli, relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 15th September, 1973.

No. E-38013(3)/29/73-Ad.I.—On transfer to Durgapur, Shri N. N. D. Kaul, Assistant Commandant No. 12 Battalion, Central Industrial Security Force, Bhilai relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 5th September, 1973.

2. On transfer from Durgapur, Shri S. Swain assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 12 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Bhilai with effect from the Forenoon of 5th September, 1973.

L. S. BISHT,
Inspector General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of the Controller General of Defence Accounts

New Delhi, the 20th September 1973

No. 40011(2)/73/AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the date shown against each on their attaining the age of 58 years :

Sl. No.	Name with roster number	Grade	Date of attaining the age of 58 years.	Organisation
1.	S. Rajagopalan-II (P/155)	Permanent Accounts Officer	16-12-73	On deputation with Madras Sapper Ex-servicemens Rehabilitation, Association, Bangalore, and borne on the proforma strength of Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
2.	Chittaranjan Roy (O/306)	Officiating Accounts Officer	1-12-73	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.

The 21st September 1973

No. 40011(2)/73/AN-A.—Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) Civil Service Regulation, Volume I and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri H. S. Bassalvi permanent Accounts officer

(Roster No. P/474) serving on deputation with the NCC Directorate, Indore (MP) and borne on the proforma strength of the Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of the 9th October 1973.

2. Sl. No. 4 with connected entries in this office notification of even number dated 3rd July 1973 published at page 2223 in the Gazette of India, Part III, Section I dated 28th July 1973 is hereby cancelled.

S. K. SUNDARAM,
Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Directorate General, Ordnance Factories

Calcutta-1b, the 28th August 1973

No. 43/73/G.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of T.S.O./Asstt. Manager with effect from the date mentioned against each :

1.	Shri K.A.N. Chambers, Offg. Asstt. Manager (Retd.)	3rd. Dec. 1965
2.	Shri B.N. Barat, Offg. Dy. Manager	1st. Oct. 1968
3.	Shri M.G. Joshi, Offg. Manager	1st. March, 1970
4.	Shri C.P. Mehta, Offg. Dy. Manager (Retd.)	1st. March, 1970
5.	Shri H.B. Bhattacharjee, Offg. Dy. Manager, (Retd.)	1st. March, 1970
6.	Shri A.P. Bagchi, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
7.	Shri A.W. Bharti, Offg. Dy. Manager (Retd.)	1st. March, 1970
8.	Shri F.W. Mckoy, Offg. Dy. Manager (Retd.)	1st. March, 1970
9.	Shri T.K. Srinivasan, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
10.	Shri B.K. Dutta, Offg. Manager	1st. March, 1970
11.	Shri G.F. Mascarenhas, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
12.	Shri N.C. Mukherjee, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
13.	Shri J.S. Saini, Offg. Asstt. Manager (Retd.)	1st. March, 1970
14.	Shri T.N. Sen, Offg. DADGOF	1st. March, 1970
15.	Shri C.S. Narayanaswamy, Offg. Asstt. Manager	1st. March, 1970
16.	Shri P. Roy, Offg. DADGOF	1st. March, 1970
17.	Shri F.E. Jolly, Offg. Manager	1st. March, 1970
18.	Shri R.S. Gupta, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
19.	Shri R.B. Saxena, Offg. Asstt. Manager (Retd.)	1st. March, 1970
20.	Shri G.N. Kundu, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
21.	Shri Sudhir Kumar Ghosh, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
22.	Shri P.D.J. Solomon, Offg. Manager	1st. March, 1970
23.	Shri B.C. Neogi, Offg. DADGOF	1st. March, 1970
24.	Shri L.T.S. Henry, Offg. Dy. Manager	1st. March, 1970
25.	Shri N.N. Mondal, Offg. Dy. Manager (Retd.)	1st. March, 1970

1	2	3
26. Shri S.R. Chakraborty, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
27. Shri H.B. Singh, Offg. Asstt. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
28. Shri T.S. Kohli, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
29. Shri S.N. Dhir, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
30. Shri H. Thomas, Offg. Dy. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
31. Shri D.N. Sarkar, Offg. Sr. DADGOF		1st. March, 1970
32. Shri B.N. Thakur, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
33. Shri K.M. Mohile, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
34. Shri S.P. Kulkarni, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
35. Shri B.B. Chatterjee, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
36. Shri Jit Singh, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
37. Shri A.K. Ghosh, Offg. Dy. Manager (Expired)		1st. March, 1970
38. Shri R.S. Singh, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
39. Shri S.K. Dalal, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
40. Shri N.C. Paul, Offg. DADGOF		1st. March, 1970
41. Shri T.P. Sundaram, Offg. Dy. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
42. Shri T.K. Rao, Offg. T.S.O. (Retd.)		1st. March, 1970
43. Shri P.R.S. Raghavan, Offg. Dy. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
44. Shri B.K. Basu, Offg. Asstt. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
45. Shri G.P. Bakshi, Offg. Asstt. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
46. Shri B.K. Pillai, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
47. Shri M.M. Bose, Offg. T.S.O.		1st. March, 1970
48. Shri M. Sharma, Offg. Asstt. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
49. Shri M.J. Moris, Offg. Asstt. Manager, (Retd.)		1st. March, 1970
50. Shri C.P. K. Menon, Offg. Dy., Manager (Retd.)		1st. March, 1970
51. Shri R. Ramanathan, Offg. Dy. Manager, (Retd.)		1st. March, 1970
52. Shri M.G. Bhate, Offg. Dy. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
53. Shri K. S. Ratnaswamy, Offg. Dy. Manager (Retd.)		1st. March, 1970
54. Shri D. Santhanam, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970
55. Shri B.G. Vidwans, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
56. Shri P.H. Cama, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
57. Shri P.S.R. Chari, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
58. Shri V.H. Joshi, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
59. Shri K.N. Bose, Offg. Asstt. Manager		1st. March, 1970
60. Shri K.P.S. Menon, Offg. Dy. Manager		1st. March, 1970

No. 42/73/G—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of T.S.O./Asstt. Manager with effect from the date mentioned against each:

1. Shri M. Mitra, Offg. Dy. Manager 3rd. June, 1965
2. Shri M.K. Nair, Offg. Sr. DADGOF 3rd. June, 1965
3. Shri M. Narayanaswami, Offg. Manager 3rd. June, 1965

1	2	3
4. Shri R.K. Kalra, Ty. Asstt. Manager (Retd.)		3rd. June, 1965
5. Shri R. Krishnamurthy, Ty. Asstt. Manager (Retd.)		3rd. June, 1965
6. Shri J.S. Gharewal, Ty. Asstt. Manager		3rd. June, 1965
7. Shri A. Ramamurthy, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
8. Shri A.K. Neogi, Offg. Manager		3rd. June, 1965
9. Shri T.M. Swaminathan, Offg. Sr. DADGOF		3rd. June, 1965
10. Shri S. Krishnamoorthy, Offg. DADGOF		3rd. June, 1965
11. Shri P. Vasudevan, Offg. Manager		3rd. June, 1965
12. Shri B.N. Majumdar, Offg. Manager		3rd. June, 1965
13. Shri V. Krishnamurthy, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
14. Shri Samiran Mitra Offg. Manager		3rd. June, 1965
15. Shri A. Sanyal, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
16. Shri Samresh Roy, Offg. Manager		3rd. June, 1965
17. Shri S.K. Wadhawan, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
18. Shri S. K. Das, Offg. Manager		3rd. June, 1965
19. Shri N.R. Banerjee, Offg. Manager		3rd. June, 1965
20. Shri Jodh Singh, Ty. Asstt. Manager (Retd.)		3rd. June, 1965
21. Shri S.R. Das, Offg. DADGOF		3rd. June, 1965
22. Shri M.P. Singh, Offg. Manager		3rd. June, 1965
23. Shri S.K. Roy, Offg. Sr. DADGOF		3rd. June, 1965
24. Shri D.K. Basu, Offg. Manager		3rd. June, 1965
25. Shri D.D. Misra, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
26. Shri P.K. Basak, Offg. Manager		3rd. June, 1965
27. Shri A.B. Lal, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
28. Shri K.S. Ghai, Offg. S.O. Gr. I		3rd. June, 1965
29. Shri V. Sundaramurthy, Offg. Manager		3rd. June, 1965
30. Shri V.R. Shivkumar, Offg. Manager		3rd. June, 1965
31. Shri A.K. Misra, Offg. DADGOF		3rd. June, 1965
32. Shri V. Krishnamoorthy, Offg. Manager		3rd. June, 1965
33. Shri V. S. Dakshinamurthy, Offg. DADGOF		3rd. June, 1965
34. Shri T.G. Shivaswami, Offg. Dy. Manager (Retd.)		3rd. June, 1965
35. Shri T.V.S. Rao, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
36. Shri P.K. Gupta, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
37. Shri B.B. Mohindra, Offg. Manager		3rd. June, 1965
38. Shri M.S. Saxena, Offg. Manager		3rd. June, 1965
39. Shri H.P. Asthana, Offg. Dy. Manager		3rd. June, 1965
40. Shri O.P. Singhal, Ty. Asstt. Manager		1st. Jan. 1966
41. Shri N. L. Dube, Offg. Dy. Manager		1st. April, 1966
42. Shri I.S. Ahluwalia, Offg. Dy. Manager		1st. April, 1966
43. Shri R.C. Gupta, Offg. Dy. Manager		1st. April, 1966
44. Shri N.S. Sharma, Offg. DADGOF		1st. April, 1966
45. Shri P. N. Honap, Offg. Manager		23rd. Aug. 1966
46. Shri S.K. Bandyapadhyaya, Offg. DADGOF		9th Sept. 1966
47. Shri S. Vaidyanathan, Offg. Dy. Manager		10th Jan. 1967
48. Shri Dipak Chowdhury, Offg. DADGOF		1st. April, 1967

1	2	3	1	2	3
49. Shri R.P. Jauhari, Offg. Dy. Manager	1st. April, 1967		93. Shri B.D. Biswas, Offg. Manager	12th June, 1967	
50. Shri C.R. Gupta, Offg. Sr. DADGOF	1st. April, 1967		94. Shri D.K. Bondyopadhyay, Offg. Manager	12th June, 1967	
51. Shri B.C. Paul, Offg. DADGOF	1st. April, 1967		95. Shri L.N. Sriraman, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
52. Shri D.P. Dam, Offg. Dy. Manager	1st. April, 1967		96. Shri S.N. Singh, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
53. Shri M.L. Khanna, Offg. Dy. Manager	1st. April, 1967		97. Shri I.P. Misra, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
54. Shri R.S. Sahni, Offg. Dy. Manager	1st. April, 1967		98. Shri M. Sarup, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
55. Shri M.M. Menon, Offg. Dy. Manager	1st. June, 1967		99. Shri M.B.G.G. Batch, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
56. Shri K.J. Singh, Offg. Manager (Retd.)	1st. June, 1967		100. Shri H.L. Sharma, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
57. Shri N.S. Theeng, Offg. Dy. Manager	1st. June, 1967		101. Shri T.S. Grewal, Ty., Asstt. Manager	12th June, 1967	
58. Shri P.K. Gue, Offg. Dy. Manager	1st. June, 1967		102. Shri G.N. Banerjee, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
59. Shri D.K. Das Gupta, Offg. Dy. Manager	1st. June, 1967		103. Shri J.N. Agarwal, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
60. Shri S.K. Roy, Offg. Manager	1st. June, 1967		104. Shri K.R. Padmanabhan, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
61. Shri U.K. Srivastava, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		105. Shri R.K. Agarwala, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
62. Shri K.C. Paul, Offg. Manager	12th June, 1967		106. Shri R. Govindrajan, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
63. Shri C.S. Rajan, Offg. Manager	12th June, 1967		107. Shri D.S. Prasad, Offg. DADGOF	12th June, 1967	
64. Shri K.N. Chatterjee, Offg. DADGOF	12th June, 1967		108. Shri A.K. Banerjee, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
65. Shri P.M. Deshpande, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		109. Shri C. Moidu, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
66. Shri D.P. Goel, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		110. Shri R. Sankaraman, Offg. DADGOF	12th June, 1967	
67. Shri B. Lal, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		111. Shri K.R. Chowdhury, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
68. Shri S.N. Tiwari, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		112. Shri S.K.P. Viswanathan, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
69. Shri M.P. Gupta, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		113. Shri A.K. Majumdar, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
70. Shri S.P. Mishra, Offg. DADGOF	12th June, 1967		114. Shri P. Ramaiah, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
71. Shri C.S. Ranpise, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		115. Shri P.N. Jhingram, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
72. Shri J.C. Dureja, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		116. Shri A.R. Basu, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967	
73. Shri K.M.L. Bhatnagar, Offg. Dy. Manager (Expired)	12th June, 1967		117. Shri D.A. Srinivasan, Offg. Dy. Manager	17th June, 1967	
74. Shri Daya Prakash, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		118. Shri R.S. Yadava, Offg. Dy. Manager	29th June, 1967	
75. Shri B.K. Sharma, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		119. Shri Y.P. Arora, Offg. Dy. Manager	5th Aug. 1967	
76. Shri O.P. Kalra, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		120. Shri G. Subramaniam, Offg. DADGOF	24th Sept. 1967	
77. Shri V.M. Jacob, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		121. Shri A.C. Pillay, Offg. Dy. Manager	1st. Oct. 1967	
78. Shri Sher Singh, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		122. Shri K.C. Srikande, Offg. Dy. Manager	1st. Oct. 1967	
79. Shri C.V. Venugopal, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		123. Shri S.B. Dutta, Offg. Dy. Manager	28th Oct. 1967	
80. Shri N.L.S. Murthy, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		124. Shri N.C. Sarkar, Offg. Dy. Manager	11th Nov. 1967	
81. Shri M.R. Kurrey, Tempy. Asstt. Manager	12th June, 1967		125. Shri G.I. Wellington, Offg. Dy. Manager	18th Jan. 1968	
82. Shri B. Parthasarthy, Offg. Manager	12th June, 1967		126. Shri S.D. Dwivedi, Ty., Asstt. Manager	18th Jan. 1968	
83. Shri B.G. Jadhav, Offg. Dy. Manager (Retd.)	12th June, 1967		127. Shri K.R. Sankaran, Offg. Dy. Manager	12th Jan. 1970	
84. Shri A.M. Chakraborty, Offg. Manager	12th June, 1967		128. Shri N.R. Mohanti, Offg. Dy. Manager	26th Dec. 1969	
85. Shri Ramji Rai, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967		129. Shri S.P. Agarwal, Offg. Dy. Manager	16th Jan. 1970	
86. Shri S.K. Suri, Offg. DADGOF	12th June, 1967		130. Shri S. Mukherjee, Offg. DADGOF	5th Jan. 1970	
87. Shri V.E. P. Nair, Offg. Manager	12th June, 1967				
88. Shri Pyare Lal, Offg. DADGOF	12th June, 1967				
89. Shri B.K. Sharma, Offg. Manager	12th June, 1967				
90. Shri S.H. Khan, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967				
91. Shri S. Banerjee, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967				
92. Shri S.B. Pal, Offg. Dy. Manager	12th June, 1967				

1	2	2	1	2	3
131. Shri R.K. Varadnaya, Offg. Dy. Manager		16th June, 1970	167. Shri H.L. Khanna, Offg. DADGOF		9th Feb. 1970
132. Shri A.K. Rajpal, Offg. Dy. Manager		24th Dec. 1969	168. Shri S.K. Sinha, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
133. Shri S. Balachandran, Offg. Dy. Manager		7th March, 1970	169. Shri A.K. Goswami, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
134. Shri S.N. Halder, Offg. Dy. Manager		9th Jan. 1970	170. Shri J.K. Pandey, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
135. Shri S. Jeyapaul, Offg. Dy. Manager		9th Feb. 1970	171. Shri B. L. Gogia, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
136. Shri B.S. Prithviraj, Offg. Dy. Manager		13th Feb. 1970	172. Shri O.P. Khurana, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
137. Shri S.P. Jain, Offg. Dy. Manager		10th May, 1970	173. Shri P. Bakthavatsalu, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
138. Shri G.S. Chahil, Offg. Dy. Manager		31st. Jan. 1970	174. Shri R. Santhanam, Ty. Asstt. Manager		9th Feb. 1970
139. Shri K. Shunmugam, Offg. Dy. Manager		2nd Jan. 1970	175. Shri V. Shankar, Asstt. Manager (OP)		5th Feb., 1971
140. Shri S.S. Gadgala, Offg. Dy. Manager		3rd. Dec. 1969	176. Shri K.V. Krishnamurthy, Asstt. Manager (OP)		16th Nov. 1970
141. Shri D. Pardasani, Asstt. Manager (OP)		5th Jan. 1970	177. Shri A.O. Abraham, Asstt. Manager (OP)		20th Nov. 1970
142. Shri B. Shahdadpuri, Offg. Dy. Manager		24th Dec. 1969	178. Shri N.K. Sahai Asstt. Manager (OP)		29th Dec. 1970
143. Shri K. K. Bhagati, Offg. Dy. Manager		25th Jan. 1970	179. Shri C.B. Singh, Asstt. Manager (OP)		20th Nov., 1970
144. Shri C.V.S. Rao, Offg. Dy. Manager		24th Jan. 1970	180. Shri S.S.R. Krishnamurthy, Asstt. Manager (OP)		15th Nov. 1970
145. Shri D.K. Bhagat, Offg. Dy. Manager		23rd. Dec. 1969	181. Shri A.K. Vinayak, Asstt. Manager (OP)		14th Nov. 1970
146. Shri K.L. Sapra, Offg. Dy. Manager		1st. May, 1970	182. Shri S.C. Agarwal, Asstt. Manager (OP)		25th Nov. 1970
147. Shri A. Nagpal, Offg. Dy. Manager		26th Dec. 1969	183. Shri V. Padmanabhan, Asstt. Manager (OP)		6th Feb. 1971
148. Shri G. Lakshminarayanan, Asstt. Manager (OP)		1st. Feb. 1970	184. Shri P.C. Khurana, Asstt. Manager (OP)		20th Nov. 1970
149. Shri M. Madappan, Asstt. Manager (OP)		25th Jan. 1970	185. Shri T.P. Gopalakrishnan, Asstt. Manager (OP)		18th Nov. 1970
150. Shri B.L. Sharma, Offg. Dy. Manager		4 Feb. 1970	186. Shri S.D. Pattekar, Asstt. Manager (OP)		6th Nov. 1970
151. Shri D. Sharma, Asstt. Manager (OP)		24th Dec. 1969	187. Shri L.M. Bhardwaj, Asstt. Manager (OP)		31st. Jan., 1971
152. Shri R.M.K. Pillai, Offg. Dy. Manager		26th Dec. 1969	188. Shri S. Rajasckharan, Asstt. Manager (OP)		22nd Nov. 1970
153. Shri S.M. Asmathulla, Offg. Dy. Manager		25th Jan. 1970	189. Shri B.K. Kar, Asstt. Manager (OP)		18th Dec. 1970
154. Shri G. P. Sinha, Asstt. Manager (OP)		26th Dec. 1969	190. Shri P.L. Sharma, Asstt. Manager (OP)		6th Nov. 1970
155. Shri A.K. Gohiliya, Asstt. Manager (OP)		16th Jan. 1970	191. Shri V.K. Bhalla, Asstt. Manager (OP)		3rd. Jan. 1971
156. Shri V.R. Rao, Offg. Dy. Manager		5th Jan. 1970	192. Shri R.S. Shah, Asstt. Manager (OP)		23rd. Jan. 1971
157. Shri J.S. Rastogi, Offg. Dy. Manager		26th Dec. 1969	193. Shri Sushil Gupta, Asstt. Manager (OP)		7th Dec. 1970
158. Shri Vir Singh Offg. Dy. Manager		9th Feb. 1970	194. Shri R.S. Makhija, Asstt. Manager (OP)		9th Feb. 1971
159. Shri G.S. Kashyap, Offg. Dy. Manager		9th Jan. 1970	195. Shri N. Padamanabhan, Asstt. Manager (OP)		27th Nov. 1970
160. Shri M. Chandran, Offg. Dy. Manager		4th Jan. 1970	196. Shri M.M. Gupta, Asstt. Manager (OP)		20th Nov. 1970
161. Shri L.C. Choudhury, Offg. Dy. Manager		27th Dec. 1969	197. Shri R.K. Singh, Asstt. Manager (OP)		20th Nov. 1970
162. Shri R.K. Sarnaik, Offg. Dy. Manager		15th July 1968	198. Shri K.M. Ganguly, Asstt. Manager (OP)		20th Nov. 1970
163. Shri B.B. Verma, Offg. Dy. Manager		18th Nov. 1968	199. Shri V.K. Sinha, Asstt. Manager (OP)		7th March, 1971
164. Shri V.P. Chandna, Offg. Dy. Manager		9th Feb. 1970	200. Shri R.K. Anand, Asstt. Manager (OP)		17th Nov. 1970
165. Shri H. Sengupta, Offg. Dy. Manager		9th Feb. 1970	201. Shri S.K. Roy, Asstt. Manager (OP)		8th Dec. 1970
166. Shri G.P. Bhargava, Offg. Dy. Manager		9th Feb. 1970	202. Shri S.B. More, Asstt. Manager (OP)		19th Dec. 1970

M. P. R. PILLAI
Asstt. Director General
Ordnance Fys.

Calcutta, the 11th September 1973

No. 45/73/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. General Manager, Gr. I with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri S. P. Sinha, Permt. Dy. General Manager—4th July, 1973.
- (2) Shri A. Soundararaj, Permt. Dy. General Manager—4th July, 1973.
- (3) Shri L. C. Kotwal, Permt. Dy. General Manager—4th July, 1973.

No. 46/73/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Dy. General Manager/ADGOF Gr. II with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri B. L. Khurana, Permt. Manager—4th July, 1973.
- (2) Shri A. N. Roy, Permt. Manager—4th July, 1973.
- (3) Shri A. B. Majumdar, Permt. Sr. DADGOF—4th July, 1973.
- (4) Shri G. S. Iyer, Permt. Manager—4th July, 1973.

No. 47/73/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri R. M. Tripathi, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (2) Shri G. K. Rao, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (3) Shri G. S. Narang, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (4) Shri P. N. Honap, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (5) Shri T. V. S. Rao, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (6) Shri F. E. Jolly, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (7) Shri B. D. Biswas, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (8) Shri D. K. Bandopadhyay, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (9) Shri K. K. Grover, Offg. Dy. Manager—4th July, 1973.
- (10) Shri C. R. Gupta, Offg. DADGOF—4th July, 1973.
- (11) Shri N. N. Sinha, Offg. DADGOF—4th July, 1973.
- (12) Shri S. Mukherjee, Offg. DADGOF—4th July, 1973.

M. P. R. PILIAI

Asstt. Dir. Genl., Ordnance Factories

ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES GROUP

Calcutta, the 17th September 1973

No. 8/73/G/OEF.—On attaining the age of superannuation, Shri S. M. L. Rohatgi, Offg. Asstt. Manager, retired from service with effect from the 4th July, 1973.

B. M. TANEJA

Asstt. Dir. Genl., Ordnance Factories

MINISTRY OF FINANCE

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

(Office of the Accountant General)

Srinagar, the 25th September 1973

No. Admn.I/60(54)73-74/2588-89.—The Accountant General, J&K, has appointed Shri Radha Krishen Sahni, a permanent Section officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the Forenoon of 19th September 1973 till further orders.

No. Admn.I/60(53)73-74/2597-98.—The Accountant General, J&K, has appointed Shri M. N. Raina, a permanent Section Officer of this office to Officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 19th September 1973, till further orders.

S. J. S. AHLUWALIA

Sr. Dy. Accountant General (A&E)

Department of Economic Affairs,
Bank Note Press
Dewas, the 27th September 1973

F. No. BNP/E/Spl./37.—Shri S. N. Kurdi officiating Control Officer in the Office of the Officer on Special Duty, Bank Note Press, Dewas (M.P.) w.e.f. 29-1-1973 is relieved of his duties w.e.f. the afternoon of 29-9-1973.

R. RAMASWAMY
Officer on Special Duty

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

Office of the Chief Mechanical Engineer
Rehabilitation Reclamation Organisation

Jeypore-764003, the 20th September 1973

No. P.3/1.—Shri S. D. Pathak, Supervisor, RRO is appointed to officiate as Assistant Engineer (Class II Gazetted) in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900 on *ad hoc* basis with effect from the F.N. of 20-9-1973 for a period not exceeding three months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier and posted as Assistant Engineer, FMU-11, RRO with Hqrs. at Jeypore, Dist. Koraput (Orissa).

D. P. SAXENA

Administrative Officer for Chief Mechanical Engineer

(Department of Labour & Employment)
Simla-171004, the 1973

No. 23/3/73-CPI.—The All-India Consumer Price Index for Industrial Workers on base 1960=100 advanced by four points to reach 247 (Two hundred and Forty Seven) during the month of August 1973, converted to base 1949=100 the index works out to 300 (Three hundred).

K. K. BHATIA
Director

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

Press Information Bureau

New Delhi-1, the 24th September 1973

No. A-12026/4/73-Est.—The Principal Information Officer hereby appoints Shri V. S. Sud, a permanent Grade IV officer of the Central Secretariat Service Cadre of the Ministry of Information and Broadcasting, as Administrative Officer in the office of Northern Region of the Press Information Bureau at New Delhi, on deputation basis with effect from the 15th September, 1973, until further orders.

RAGHBIR CHAND
Asstt. Principal Information Officer
for Principal Information Officer

New Delhi-1, the 25th September 1973

No. A12026/7/73-Admn.1.—The Nideshak, Prakashan Vibhag is pleased to appoint Shri C. B. Gupta, Business Executive to officiate as Assistant Business Manager on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 24th September, 1973 until further orders *vice* Shri R. N. Tyagi, a permanent Assistant Business Manager appointed to officiate as Business Manager (Sales Emporium, New Delhi) on *ad-hoc* basis, until further orders.

M. L. TANDON,
Dy. Director (Admn.).
for Director.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 26th September 1973

No. 5(36)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. N. Banerjee, Transmission Executive, All India Radio, Calcutta as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 30th August, 1973 until further orders.

No. 12/3/70-Vig.—Shri A. P. Sinha relinquished charge of the post of Farm Radio Officer at All India Radio, Bhagalpur on the afternoon of 3rd September, 1973 consequent on his resignation from the post.

No. 6(114)/63-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri A. Arulappan, Transmission Executive, All India Radio, Trivandrum as Programme Executive, at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 3rd September, 1973 until further orders.

No. 6(106)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. Arumugam, Transmission Executive, All India Radio, Madras as Programme Executive at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 7th September, 1973 until further orders.

No. 5(34)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. N. Das, Transmission Executive, All India Radio, Calcutta as Programme Executive, at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 7th September, 1973 until further orders.

No. 5(35)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. N. Chattopadhyay, Transmission Executive, All India Radio, Calcutta as Programme Executive, at the same Station on an *ad hoc* basis with effect from the 30th August, 1973 until further orders.

The 28th September 1973

No. 5(82)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Romesh Chander, Transmission Executive, Television Centre, All India Radio, New Delhi as Programme Executive, All India Radio, New Delhi on an *ad hoc* basis with effect from the 11th September, 1973 until further orders.

SHANTI LAJ,
Dy. Dir. of Admn. for Dir. Genl.

New Delhi-1, the 28th September 1973

No. 6(88)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. C. Majumdar, Transmission Executive, All India Radio, Calcutta as Programme Executive, All India Radio, Silchar on an officiating *ad hoc* basis with effect from the 19th September, 1973 until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Dy. Dir. of Admn.
for Dir. Genl.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th September 1973

No. 1-5/72-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. C. Johri, Audio Visual Officer, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta to the post of Assistant Professor of Health Education (Central Services Class I) in the same Institute on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of the 26th July, 1973 and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Assistant Professor of Health Education, Shri A. C. Johri relinquished charge of the post of Audio Visual Officer in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta on the afternoon of the 26th July, 1973.

No. 12-3/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Paul Beck, a permanent Grade IV Officer of the Central Secretariat Service, as Section Officer, in the Directorate General of Health Services in officiating capacity for a further period of 50 days with effect from 16th June, 1973 (F.N.).

R. N. SAXENA
Dy. Dir. Admn.

New Delhi-11, the 25th September 1973

No. 29-57/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. Jeevan Prakash as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Allahabad, with effect from the forenoon of the 12th September, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

No. 29-74/73-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. (Smt.) V. V. Waikar as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Nagpur, with effect from the forenoon of the 8th August, 1973 on an *ad hoc* basis until further orders.

The 27th September 1973

No. 13-5/73-CHSI.—On transfer, Dr. S. D. Vohra, an officer of G.D.O. Grade I of the Central Health Service relinquished charge of the post of DADG(HE), in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, New Delhi, on the forenoon of the 1st August, 1973 and assumed charge of the post of DAD(Lib.) in the Directorate General of Health Services, New Delhi, on the same day forenoon.

G. PANCHAPAKESAN
Dy. Dir. Admn. (CHS)

New Delhi, the 25th September 1973

No. 11-13/73-Admn.I.—On transfer from the Department of Family Planning, Shri V. S. Talwar, a permanent Officer of Grade I of the C.S.S. and officiating in the Selection Grade of the Service assumed charge of the post of Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services, New Delhi on the forenoon of the 15th September, 1973.

The 26th September 1973

No. 15-2/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. G. Stephen, Asstt. Matron, Hospital for Mental Diseases, Ranchi to the post of Matron at the same Hospital, on a purely *ad hoc* basis, with effect from the 26th December, 1972 (forenoon) to the 2nd March, 1973 (afternoon).

No. 26-22/70-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Dr. H. C. Gugnani, Research Officer, National Institute of Communicable Disease, Delhi from Government service with effect from the forenoon of the 5th July, 1973.

No. 1-23/69-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. C. Joseph, Public Health Nursing Supervisor, All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta to the post of Assistant Professor of Midwifery Nursing in the same Institute on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of the 20th August, 1973 and until further orders.

The 1st October 1973

No. 19-17/72-Admn.I.—On reversion to his parent department, Shri N. Thyagarajan, relinquished charge of the post of Administrative Officer, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry on the forenoon of the 1st September, 1973.

A. SURIN
Dy. Director Administration

CENTRAL GOVERNMENT HEALTH SCHEME

New Delhi, the 18th September 1973

No. 29-9/73.—CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. R. K. Jain relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the C.G.H. Scheme, New Delhi on the afternoon of the 30-4-1973.

K. VENUGOPAL
Dy. Director (Admn. II) (CGHS)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

New Delhi, the 21st September 1973

No. 6/405/56-Admn.(G)/4105.—The President is pleased to appoint Shri M. G. Gombar, Controller of Imports and Exports (Non-CSS) in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Central Licensing Area, New Delhi, as officiating Deputy Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) in that office with effect from the afternoon of 3rd September, 1973, until further orders.

No. 6/913/70-Admn.(G)/4117.—On attaining the age of superannuation, Shri Pradhan Singh, a permanent Grade IV officer of C.S.S. and officiating Controller, relinquished charge of the post of Controller, (CSS) in this office with effect from the afternoon of 31st August, 1973.

S. G. BOSE MULLICK
 Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF AGRICULTURE
 (Department of Agriculture)

New Delhi, the 10th September, 1973

No. F.3(9)/73-Estt.(I).—Shri K. L. Issar, Superintendent (Grade I) at present officiating as Business Manager on ad-hoc basis is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Class II (Gazetted) (Ministerial) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) on ad-hoc basis with effect from 10th September, 1973 up to 9th November, 1973 vice Shri R. K. Malhotra, Assistant Administrative Officer proceeding on leave.

The 13th September, 1973

No. F.2(3)/69-Estt.(I).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri John Nag is appointed to officiate as Business Manager, Class II (Gazetted) (Non-Ministerial) in the scale of Rs. 590-30-830-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture) with effect from forenoon of 10th September, 1973.

N. K. DUTTA
 Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
Heavy Water Projects

Bombay 400008, the 13th September 1973

No. 05000/N/25/7899.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gopal Narondranath Nair, a temporary Storekeeper of the Reactor Research Centre to officiate as Assistant Stores Officer in Heavy Water Project (Falcher), in a temporary capacity, w.e.f. July 30, 1973 (FN), until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY
 Senior Administrative Officer

Power Projects Engineering Division
 Bombay-5, the 13th September 1973

No. PPED/3(53)/73-Adm./11688.—In continuation of this Office Notification No. PPED/3(53)/65-Adm./42 dated January 1, 1972, Director, Power Projects Engineering Division, hereby appoints Shri T. P. Joseph as Asstt. Purchase Officer on a regular basis with effect from the forenoon of May 18, 1973, until further orders.

M. S. RAO
 Administrative Officer for Director

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT
 Kalpakkam 603102, the 17th September 1973

Ref. No. MAPP/3(828)/73-Rectt.P10712.—The Deputy Director, Power Projects Engineering Division is pleased to

appoint Shri K. Balakrishnan, a temporary Administrative Officer II of Tarapur Atomic Power Station, as Administrative Officer II in Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, in a temporary capacity on transfer from Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of August 25, 1973, until further orders.

S. V. RAGHAVAN
 Chief Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

DEHRA DUN, the 26th September 1973

No. C-4714/718-A.—Shri H. Banerjee, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, who was appointed to officiate as Registrar, Surveyor General's Office (GCS Class II), on an ad-hoc basis vide this office Notification No. C-4698/718-A dated the 17th August, 1973, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer, Map Record and Issue Office in G.C.S. Class II Service, on an ad-hoc basis on pay of Rs. 590 p.m. in the revised scale of pay of Rs. 590-30-800 with effect from the afternoon of 15th September, 1973, vice Shri H. L. Nanda, Establishment and Accounts Officer, Map Record and Issue Office proceeded on leave.

No. C-4715/718-A.—Shri M. M. Chakrabarti, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Class II), Indian Photo-interpretation Institute, Survey of India, Dehra Dun on an ad-hoc basis, on pay of Rs. 590 p.m. in the revised scale of pay of Rs. 590-30-800 with effect from the 20th August, 1973 vice Shri B. R. Pant, Establishment and Accounts Officer, Indian Photo-interpretation Institute on leave.

No. C-4716/718-A.—Shri K. C. Bhattacharjee, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Registrar (GCS Class II) in Survey Training Institute (CSI&MP) Survey of India, Hyderabad, on an ad-hoc basis, on pay of Rs. 590 p.m. in the revised scale of pay of Rs. 590-30-800 with effect from 13th August, 1973.

No. E1-4717/724-SOS.—Shri Narayan Puniakotti is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post on a pay of Rs. 350.00 per month in the scale of pay of Rs. 350-25-575 with effect from the forenoon of 1st August, 1973, until further orders.

The 26th September 1973

No. E1-4718/594-MANAGER.—Shri Dharendra Kumar is appointed to officiate as Assistant Manager, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a permanent post on a regular basis on a pay of Rs. 350.00 per month in the revised scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590 EB-30-800 with effect from the forenoon of 3rd September, 1973 until further orders.

The 27th September 1973

No. C-4724/718-A.—Shri M. P. Jain, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, who was appointed to officiate in the post of Registrar, Surveyor General's Office in General Central Service Class II on an ad-hoc basis vide this office Notification No. C-1690/718-A dated the 23rd April, 1973, is appointed to officiate as Registrar, Surveyor General's Office on a regular basis with effect from the 18th August, 1973, until further orders. The post will continue to remain under the administrative control of the Director, Northern Circle till further orders.

HARI NARAIN
 Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(Administration Branch A-6)

New Delhi, the 22nd September, 1973

No. A-6/247(402)/62-Vol.II.—Consequent on their selection for deputation with the Department of Atomic Energy, Bombay, S/Shri S. D. S. Rawat and S. S. Sharma, AIOs (Met) in the office of the Director of Inspection, Jamshedpur, posted at Rourkela were relieved from that office on the afternoon of 19th July 1973 and 31st July, 1973 respectively.

S. K. JOSHI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th September, 1973

No. A.32013/5/71-EC.—The President is pleased to approve extension of ad-hoc promotion of the undermentioned Technical Officers in the Civil Aviation Department as Senior Technical Officer upto the 31st December, 1973 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri O. C. Alexander
2. Shri C. V. Venkatesan
3. Shri S. V. Iyer
4. Shri R. C. Roychowdhury
5. Shri S. Ramachandran.

2. The ad-hoc promotion of the above mentioned officers was notified vide this office No. A. 3213/5/71-EV, dated the 11th and 12th October, 1972.

The 17th September 1973

No. A. 31014/1/72-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri O. P. Ahuja, in a substantive capacity in the post of Junior Instructor Link Trainer in the Civil Aviation Training Centre, Allahabad, with effect from the 1st January, 1964.

The 22nd September 1973

No. A.32013/5/73-EC.—The President is pleased to approve extension of ad-hoc promotion of the following Assistant Tech. Officer to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 31st December, 1973 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri R. K. Verma. 2. Shri V. Alagiri. 3. Shri P. C. Banerjee.

2. The ad-hoc promotion of the abovementioned officers was notified vide this office No. A. 32013/3/70-EC, dated the 12th April, 1973.

S. EKAMBARAM
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
India Meteorological Department

New Delhi, the 19th September 1973

No. E(1)03985.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. C. Menon, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th September 1973 and until further orders.

Shri M. C. Menon, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

C. G. BALASUBRAMANYAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 19th September 1973

No. E(1)04202.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri G. Appa Rao, Professional Assistant, H.Q. office of the D.G.O., New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th September, 1973 and until further orders.

Shri G. Appa Rao, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters' office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)04122.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. D. Tenpe, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th August, 1973 and until further orders.

Shri K. D. Tenpe, office Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

The 22nd September 1973

No. E(1)04194.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. L. Bhattacharya, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 20-8-1973 vide this Department Notification No. E(1)04194 dated 27th July, 1973, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 21st August, 1973 and until further orders.

Shri A. L. Bhattacharya, offg. Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.

The 25th September 1973

No. E(1)05830.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. P. Pandey, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th August, 1973 and until further orders.

Shri D. P. Pandey, offg. Assistant Meteorologist has been posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)04231.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. R. Sushil, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13th August, 1973 and until further orders.

Shri B. R. Sushil, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 26th September 1973

No. E(1)04228.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. N. Joarder, Professional Assistant, Meteorological Office, Patna under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th August, 1973 until further orders.

Shri H. N. Joarder, officiating Assistant Meteorologist remains posted in the Meteorological Office, Patna under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)06420.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. C. Basu, Professional Assistant, Meteorological Office, Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th August, 1973 and until further orders.

Shri A. C. Basu, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

No. E(1)06420.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Deka, Professional Assistant, Meteorological Office, Mohanbari, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th August, 1973 and until further orders.

Shri S. N. Deka, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Office, Mohanbari, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)06420.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. N. Kanaujia, Professional Assistant, Regional Meteorological Centre, Bombay, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 21st August, 1973 and until further orders.

Shri J. N. Kanaujia, officiating Assistant Meteorologist has been posted in the Meteorological Office, Mohanbari, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 27th September 1973

No. E(1)06420.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. D. Saddy, Office of the Director General of Observatories (Instruments), New Delhi as Assistant Meteorologist in Indian Meteorological Service, Class II (Central Service, Class II) in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st September, 1973 and until further orders.

Shri Saddy has been posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

NOOTAN DAS,
Meteorologist,
for Director General of Observatories.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 18th September 1973

No. 1/281/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri T. Ramamunda Rao, Officiating Technical Assistant, Bombay Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the Headquarters Office, Bombay for the period from the 2nd June, 1973 to the 13th July, 1973 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

The 26th September 1973

No. 1/265/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri Consuelina D'Souza, Permanent Assistant Supervisor, Calcutta Branch, as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 3-7-1973 to 13-9-73 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY,
Administrative Officer,
for Director General.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT TUTICORIN HARBOUR PROJECT

Tuticorin-4 the 24th August 1973

No. A22013-73/Ad/3246.—On the expiry of the term of deputation, Shri R. Chidambaraman, Assistant Engineer (Electrical), Tamilnadu Elec-

tricity Board on deputation to Tuticorin Harbour Project has been reverted to his parent Department with effect from the afternoon of 14th August, 1973.

The 28th August 1973

No. A.22013-73/Ad/3921.—Chief Engineer & Administrator, Tuticorin Harbour Project is pleased to appoint Dr. S. Radhakrishnan as Assistant Surgeon, Tuticorin Harbour Project Dispensary, in the scale of Rs. 325-25-500-30-590-EB-30-800, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 21st August, 1973.

D. I. PAUL,
Chief Engineer & Administrator.

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 3rd September 1973

No. 14/64/62-Adm.V.—Consequent upon the acceptance of the resignation tendered by him, Shri V. Sri-ramlu, relinquished charge of the office of Extra Assistant Director, Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from 1-1-1969 (AN).

K. P. B. MENON,
Under Secretary,
For Chairman, C.W.&P. Commission.

New Delhi-22, the 24th September 1973

No. A-32012/6/70-Adm.V.—On the recommendations of the DPC (Class-II), the Chairman, Central Water and Power Commission, is pleased to appoint Shri V. N. Diwanji to the grade of Assistant Research Officer (Eng) in the scale of pay of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 in the Central Water and Power Research Station, Poona, in an officiating capacity with effect from 21-5-73, until further orders.

Shri Diwanji will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Engg.) for a period of two years with effect from the above date.

K. P. B. MENON,
Under Secretary,
Central Water & Power Commission.

(POWER WING)

New Delhi-22, the 25th September 1973

No. 6/1/73-Adm.II(PW)-Vol.II.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints S/Shri V. Venkatesam, Technical Assistant and Ramesh Chander-II, Supervisor (Graduate Engineer) to the grade of Extra Asstt. Director of Central Power Engineering (Class II) Service with effect from the forenoon of the 17th July, 1973 and 11th September, 1973 respectively.

M. S. PATHAK,
Under Secretary

New Delhi, the 30th July 1973

No. 6/34/73-Adm.III(PW).—The Chairman, Central Water & Power Commission hereby appoints Shri B. P. Juyal, Assistant Security Officer as Security Officer in the Central Water & Power Commission (Power Wing) Badarpur Thermal Power Project, Badarpur, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21st July, 1973, until further orders.

M. S. PATHAK,
Under Secretary,
for Chairman.

**OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

New Delhi, the 15th September 1973

No. 30/10/73-ECI.—The President is pleased to confirm Shri J. K. Choudhury Assistant Executive Engineer (Elect.) recruited as a probationer to C.E.E.S. I in the C.P.W.D. on the basis of the combined Engineering Services Exam. 1967, in his appointment in the grade of A.E.E. (Elect.) with effect from 23-7-71 (A.N.).

New Delhi, the 22nd September 1973

No. 30-6-73 ECI (CPWD). The President is pleased to confirm the following officers in their appointment as Chief Engineers (Civil) in Central Engineering Service Class-I in the Central Public Works Department with effect from the dates noted against each:—

Sl. No.	Name	Date of confirmation	Details of vacancies
1.	2.	3.	4.
<i>S/Shri</i>			
1.	Shri Krishna	27-6-1971	Resultant vacancy on account of confirmation of Shri O. Muthachen as Engineer-in-Chief.
2.	O.P. Mittal	17-2-1973	Due to resignation of Shri V. Kandaswamy, confirmed Chief Engineer from Govt. services.

A. N. MALHOTRA,
Dy. Director of Administration.

**OFFICE OF THE COMMISSIONER
of Income-tax, Bombay City-I, II, III, IV, V & VI,
Aayakar Bhavan, Maharshi Karve Road,
Bombay-20**

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Bombay-20, the 17th September 1973

No. 876.—The following Officers are hereby appointed substitutively to the posts of Income-tax Officers, Class-II with effect from the dates shown against their names :—

S. No.	Name of the Officer	Date of substantive appointment
(1)	(2)	(3)
1.	Shri S. Gopalkrishnan	3-4-71
2.	„ A.A.B. Jamadar	26-2-71
3.	„ R.K. Mahajan	24-2-71
4.	„ R.C. Mehra	21-2-71
5.	„ P.S. Devrajan	21-2-71
6.	„ D.P. Sundaram	24-2-71
7.	„ K. Laxminarasimhan	14-2-71
8.	„ G.S. Tung	3-2-71
9.	„ S.S. Sachadeva	14-2-71
10.	„ C.L. Munshi	1-2-71
11.	„ R. Sambasiva Rao	3-4-71
12.	„ M.K. Venkatraman	14-9-71
13.	„ Behari Lal	19-3-71
14.	„ A.R. Vishwanathan	4-3-71

15.	Shri S. Thirugnanasambandan	21-2-71
16.	„ Goda Ramakrishna	26-2-71
17.	„ S.P. Srivastava	20-2-71
18.	„ G. Ramasubbiah	4-3-71
19.	„ K.V. Vishwanathan	3-2-71
20.	„ S. Narayanan	1-2-71
21.	„ S.W. Karunakaran	1-2-71
22.	„ K.R. Laxminarayanan	14-9-71
23.	„ P.L.M. Laxshmanan	1-2-71
24.	„ I.B. Bhasin	13-2-71
25.	„ S. Rangaswamy	20-2-71
26.	„ S. Venugopalan	5-3-71
27.	„ M.V. Subramanian	1-2-71
28.	„ Surinder Kumar	26-10-72
29.	„ S.D. Khanna	26-10-72

Sd/-

B.S. NADKARNI
*Commissioner of Income-tax,
Bombay City-II, Bombay.*

(O.V. KURUVILLA)
*Commissioner of Income-tax
Bombay City-I, Bombay.*

Sd/-

Sd/-

(T.Y.C. RAO)
*Commissioner of Income-tax,
Bombay City-IV
Bombay*

(S.N. SASTRI)
*Commissioner of Income-tax,
Bombay City-III, Bombay.*

Sd/-

Sd/-

(A.J. D'SOUZA)
*Commissioner of Income-tax,
Bombay City-VI, Bombay*

(V.P. GUPTA)
*Commissioner of Income-tax,
Bombay City-V
Bombay*

**INCOME TAX ESTABLISHMENT GAZETTED
OFFICE ORDER**

Bombay, the 19th September 1973

No. 884.—Under article 459 (i) of the C.S.R. Shri V. M. Patwardhan Income-tax Officer, Class-I, Bombay, is allowed to retire from Government Service, on expiry of the notice period, voluntarily, with effect from the forenoon of 20th September, 1973.

O. V. KURUVILLA,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-I.

Lucknow, the 6th September 1973

No. 185.—On transfer from the Central Public Works Department, Shri H. K. Sachdeva, assumed charge as Valuation Officer, Income-tax Department, Lucknow with effect from the forenoon of the 27th July 1973.

No. 186.—On transfer from the Central Public Works Department Shri R. C. Govil, assumed charge as Valuation Officer (Unit I) Income-tax Department Lucknow with effect from the forenoon of the 29th August 1973.

No. 187.—On transfer from the Central Public Works Department Shri D. C. Goel, assumed charge as Valuation Officer Income-tax Department, Allahabad with effect from the forenoon of the 12th June 1973.

No. 188.—On transfer from the Central Public Works Department Shri L. R. Gupta, assumed charge as Assistant Valuation Officer, Income-tax Department, Allahabad with effect from the forenoon of the 27th August 1973.

E. K. LYALL,
Commissioner of Income-tax,
Lucknow.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16th October 1973

F. No. 43(Acq.)(D. Dun)/73-74/1768.—Whereas, I Y.
KHOKHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Inder Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dehradun on 1-10-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh Thapar W/O Sri Radhamohan Thapar, R/O Phalahi Bazar, Ludhiana (Transferor)
- (2) Shri S. Rajender Singh Rajan S/O Jaswant Singh, 73, Gandhi Road, Dehradun (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as No. 4D/1 (New No. 4/6) Inder Road, Dehradun. Single storeyed house area one bigha, seventeen biswas and 138 Sq. Ft. covered area near about 2752 Sq. Ft.

Y. Khokhar

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range,

Kanpur.

Date: 16-10-73.

Seal:

FORM ITNS—

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMI-
SSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 16th October 1973

Ref. No. F. 46(Dehradun)/Acq/73-74/1767.—Whereas, I
Y. Khokhar

being the Competent Authority
under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of
1961), have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at 177-A, Rajpur Road, Dehradun
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Dehradun on 1-10-73

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
16—306GI/73

(1) Yonus Ali, 177-A, Rajpur Road, Dehradun. (Trans-
feror)

(2) Shri Sri Kishan Bahadur Singh Lohan, 60, E. C. Road,
Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and the
transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceeding paragraph
shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey building with servant quarter No. 177-A, Raj-
pur Road, Dehradun covering an area of 23160 Sq. Ft.

Y. Khokhar
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 16-10-73.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th October 1973

Ref. No. 47/Acq/(D. Dun)/73-74/1718.—Whereas, I Y. Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at 28-B, Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Dehradun on 3-10-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sri Shanti Sagar Sehgal, 79, Rajpur Road, Dehradun. (Transferor)
- (2) Shri Ram Prakash Bassi S/O Dr. C. L. Bassi R/O 11/9, Pusha Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property known as 28-B, Rajpur Road, Dehradun consisting of a cottage built on a freehold plot of land measuring 50' on each of South & North sides and 100' on each of East & West sides, boundary wall on East side and fencing and hedge on other three sides 3146 Sq. Ft. single storey building built in 1947.

Y. Khokhar
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 16-10-73.

Seal :

FORM ITNS.....

(1) Smt. Pushpa Rani W/O Sri B. D. Singh, R/O 27-A (new No. 55) Chakrata Road, Dehradun. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Trilok Nath S/O Sri Desraj, 57, Chakrata Road, Dehradun. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, KANPUR.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kanpur, the 15th October 1973

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. F. 63/(Acq)(D. Dun)/73-74/1719.—Whereas, I Y. Khokhar being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at 55, Chakrata Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-9-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property previously known as 27-A and now known as 55, Chakrata Road, Dehradun with all the constructions made thereon with water and electric connections fitted therein containing an area of 5225 Sq. Ft. (Covered area 1311 Sq. Ft.), 4 rooms with kitchen and baths and other constructions (single storey).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Y. Khokhar
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 16-10-73.

(Seal)

FORM ITNS

(1) Smt. Sarojini Devi Wd/O Bhai Ramdas, and Sri Ravindranath S/O Bhai Ram Das, R/O 41, Haridwan Road, Dehradun. (Transferor)

(2) Shri Prem Kumar S/O Gurmukhdas R/O 27, New Road, Dehradun. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 15th/16th October 1973

Ref. No. F. 64(Dehradun)Acq/73-74/1717.—Whereas, I Y. Khokhar being the competent authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at 46, New Canal Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 18-9-73

for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 46, about 25-30 years old having an area of 26186 Sq. Ft. situated on East Canal Road, Dehradun.

Y. Khokhar

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Kanpur.

Date : 16-10-73.

Seal :

FORM ITNS.—

(2) Shri Iqbal Singh s/o Shri Pritam Singh, r/o J-11, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. J-13/18 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. J-13/18, situated at Rajouri Garden New Delhi, measuring 347 sq. yards and bounded as under:—

North : Service Lane
South : Colony Boundry
East : Plot No. J-13/17
West : Company land.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Thakor Bhai Patel s/o Shri Manilal, 7, Mangal Buildings, Chandni Chowk, Delhi-110006.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-217 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 217, Block No. M measuring 482 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. M/215
South : Road

C. V. GUPTÉ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

(2) Smt. Anita Kanal daughter of Shri N. H. Kanal,
r/o 907, Civil Lines, Jhansi (U.P.) (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-505 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 10-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing No. 505 in Block No. 'S' measuring 550 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. S/507

West : Plot No. S/503

North : Road

South : S. Lane.

C. V. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq,II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. S-63 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 10-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Y. P. Mehta s/o Shri Mohar Chand Mehta r/o J-9/51, Rajouri Garden, New Delhi-27. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. 63 in Block No. S, measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. S/61
South : Plot No. S/65

C. V. GUPTÉ

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

(2) Shri H. C. Thukral s/o Shri Lal Chand and Mrs. Pushpa Thukral wife of Shri H. C. Thukral r/o B-1/366, Janakpuri, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-238 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

17—306GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land being plot No. 238 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S/236
South : Plot No. S/240

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-72 situated at Greater Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Rani Sumati Kaul w/o Shri Raju Upindra Kishan Kaul, r/o Partap villa., Srinagar, Kashmir.

- (2) (1) Parshotam Dass Dalmia s/o late Shri Basantilal Dalmia (2) Smt. Manju Devi Dalmia w/o Shri Natwar Lal Dalmia, r/o P-4, CIT Road, Phool Bazar, Calcutta-54. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 1000 sq. yards & bearing No. 72 in Block 'B' situated in a residential colony known as Greater Kailash New Delhi-48 within the limits of the Delhi Municipal Corporation, in the revenue state of village Yagutpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-145 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Lachhmi Narain Radhakishan 5755, Gandhi Market, Sadar Bazar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 400 sq. yards bearing No. W-145, in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-259 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vijoy Kumar Kapoor s/o Shri Raj Kumar Kapoor, 21, Double Storey Market, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 259 measuring 306 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : E. Lane
North : Road
South : Plot No. S/267

C. V. GUPTÉ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :—

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-326 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 11-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Didar Singh and Shri Sewa Singh sons of Shri Gurmukh Singh r/o D/3/12, Model Town, Delhi-110009. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. S-326 measuring 476 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : S. Lane

West : Road

North : Road

South : Plot No. S/328

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

FORM ITNS.—

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-9/53 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Kulbhushan Kumar Sahni s/o Late Dewan Mool Raj Sahni, r/o J-9/52, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. J-9/53 measuring 320 sq. yards situated at Rajouri Garden, New Delhi and bounded as under :—

North : J-9/54
South : J-9/52
East : J-9/17-C
West : Road

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-261 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Smt. Darshan Khanna wife of Shri P. K. Khanna, r/o E-339, Greater Kailash-II New Delhi-110048. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 261 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Road
West : Road
North : Plot No. M/259
South : Plot No. M/263

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I. C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-71 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 9-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and, have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely,—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt Renu Grover w/o Shri K. K. Grover, r/o 137, Double Storey, Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. S-71 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. S/69
South : Plot No. S/73

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Shital Parsad Jain s/o Shri Niranjana Lal Jain, r/o 368, Lajpat Rai Market, Delhi-6. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG., ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-509 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 9-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

18—306GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 550 sq. yards bearing No. S-509 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated in the village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)
Delhi on 3-5-1973,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virender Mohan Sahni s/o Col. Chandra
Mohan Sahni, i/o 593, Model Town Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-22 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 964 sq. yards bearing No. W-22 in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTÉ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date - 24th October, 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG.,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4781.—Whereas I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

No. M-187 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(2) Shri Sudesh Kumar Dawar s/o Shri A. R. Dawar, I.T.P. Bhagwan Das House, Chowk Gurdwara Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 187 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East: S. Lane.

West: Road

North: Plot No. M/185

South: Plot No. M/189

C. V. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

Date: 24th October, 1973

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd October 1973

Ref. No. RAC. NO. 87/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/866-B situated at Kurnool near Dr. Gupta's house (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 16-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Sri J. Mustafa Ali Khan S/o J. Abdul Mazid Khan, peta Kurnool, Kurnool Dist. (Transferor).
- (2) 1. Smt. Syed Munirunnisa Bi, Alias Bi pasha W/o Syed Mohd. peer, Kurnool Dist. 2. Syed Jeelani Bi, W/o M. A. Karcem, peta Kurnool, Kurnool Dist. A.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : H. No. 40/866-B near Dr. Gupta's house
Kurnool peta, Kurnool Dist. A.P.

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 22-10-1973.

Seal :

FORM ITNS.—

(1) The Principal Officer, Sayaji Mills Ltd., Kuthwada, 3rd Floor, Bank of Baroda Bldg., Fuvara, Ahmedabad-1. (Transferor)

(2) The Principal Officer, Shree Keshariya Investment Ltd., 31, Sardar Patel Marg, New Delhi-21. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 10th October 1973

Ref. No. Acq. 23-16/6-1/73-74.—Whereas, I. P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 586 and Survey No. 609 situated at Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 26-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land or ground together with the messurages, tenements, buildings and structure standing thereon situate lying and being at Mouje Jetalpur Baroda in the registration Distt. and Sub-Distt. of Baroda bearing Nos. Survey No. 586 and Survey No. 609 admeasuring 22 acres and 5 gunthas equivalent to 1070.5 Sq. Yards (i.e. equivalent to 98536.97 Sq. metres) and the machineries embeded and/or installed therein and known as block of Sayaji Mills Ltd. (No. 1) and more particularly described in the first and second schedules to the deed of conveyance.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 10th October 1973

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(2) AL. RM. Ramanathan Chettiar, No. 47, III Main Road, Gandhinagar, Adayar, Madras-20. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1973

Ref. No. F. 542/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 3901/1 (part), Arch Bishop Mathias Avenue, Adayar Club Road, Alwarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mylapore on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M. Murugesu Naicker, No. 1, First Link Street, C.I.T. Colony, Mylapore, Madras-4. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Grounds & 1770 Sq. ft. and bearing Plot No. 13, L.A. No. 200/60 and R.S. No. 3901/1 (part) situated at Archbishop Mathias Avenue, Adyar Club Road, Alwarpet, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-2,

Madras-6.

Date : 16-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1973

Ref. No. F. 693/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing door No. 26 situated at Dr. Hegde Road, Nungambakkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T. Nagar on 27-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Susheela B. Hegde and Kamini R. Hegde, 9A, Jeremiah Road, Madras-7. (Transferor).
- (2) Mrs. Rashmi H. Parekh and Shekhar H. Parekh 8, Club Road, Chetpet, Madras-31. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Door No. 26, Plot No. 26, Dr. Hegde Road, Nungambakkam, Madras (R.S. No. 539/2, 540/14 & 559/5) admeasuring 3 Grounds & 2112 Sq. ft.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 16-10-1973.
Seal :

FORM ITNS—

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1973

Ref. No. F. 712-A/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 9/1 situated at Vijayaraghavachari Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T. Nagar on 27-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Mrs. V. K. Vanjula, Shri V. K. Srinivasan; Dr. V. K. Vijayaraghavan, Shri V. K. Narasimhan. No. 12, Kuppuswami, Street, Madras-17. (Transferor)

(2) N. V. S. Manian, S/o V. Narayana Iyer, 16, Ramakrishna Road, T. Nagar, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

THE SCHEDULE

Ground floor of house property bearing Municipal Door No. 9/1 in Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras-17 along with 1/3rd undivided interest in site measuring 2 Grounds and 780 Sq. ft.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 16-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1973

Ref. No. F. 712-A/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/1 situated at Vijayaraghavachari Road, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at T. Nagar on 27-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

19—306GI/73

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. V. K. Vanjula, Shri V. K. Srinivasan; Dr. V. K. Vijayaraghavan and Shri V. K. Narasimhan, No. 12, Kuppuswami, Street, Madras-17. (Transferor)
- (2) Shri N. Radhakrishnan, S/o Shri V. Narayana Iyer, 16, Ramakrishna Road, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of house property bearing Municipal Door No. 9/1 in Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras-17 along with 1/3rd undivided interest in site measuring 2 Grounds & 780 Sq. ft.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 16-10-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1973

Ref. No. F. 712-A/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 9/1 situated at Vijayaraghavachari Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar on 27-8-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. V. K. Vanjula, Shri V. K. Srinivasan; Dr. V. K. Vijayaraghavan and Shri V. K. Narasimhan No. 12, Kuppaswami, Street, Madras-17. (Transferor)
- (2) Shri N. Venugopalan, S/o Shri V. Narayana Iyer, 16, Ramakrishna Road, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of house property bearing Municipal Door No. 9/1 in Vijayaraghavachari Road, T. Nagar, Madras-17 along with 1/3rd undivided interest in site measuring 2 Grounds & 780 Sq. ft.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 16-10-1973.

Seal :

(2) M/s. Refrigeration & Appliances through its partner, Shri Rameshbhai Himatlal Thakker, Satyanarayan Bungalow, Pratapnagar, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western side property situated on ground floor of Samir Building Fast West 75 north south 18 Total Sq. feet 1350, near Government Press Kothi Road, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

(1) Gopal Narayan Acharya, (2) Gururaj Laxminarayan Acharya partners of M/s. Cafe Karnatak Anandpara, Baroda. (Transferor)

Dated : 16-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Pandya Nagin Prasad, Prabhaskar C/o Pandya Bros & Co. New Zahripura Road, Baroda. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Soni Kantilal Jethalal, Soni Himatlal Jethalal, B/22, Santosh Society Tejpal Road, Bombay-57 A.S. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 16th October 1973

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq 23-II/3/6-1/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Revenue Survey No. 503 situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 17-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Revenue Survey No. 503, Open Plot No. 74, Land 4800 Sq. feet at Sampathrao Colony, Alkapuri Road, Baroda.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269D, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Dated : 16-10-1973

Seal :

FORM ITNS

(3) Shri C. M. Patel, 568/1 Race Course Road, 'Datta Villa', Baroda. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th October 1973

Ref. No. Acq.23-II/2/6-1/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 568/1, Race Course Rd., Baroda situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 28-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Hiraben Chatubhai Patel, 30, Alkapuri, Baroda. (Transferor)
- (2) Shri Dhirajlal Sukhlal Thurakhia, Amdavadi Pole, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 4356 Sq. feet with building bearing S. No. 568/1 and known as 'Datta Villa' built up area 2600 sq. feet at Race Course Road, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 16-10-1973

Seal :

FORM ITNS

section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th October 1973

Ref. No. Acq.23-11/5/6-1/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 27/5-B/Tika No. 12/2 situated at Raopura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 18-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Shri Narayan Dattarao Majmudar, Smt. Laxmibai Dattarao Majmudar, Majmudar Wada, Raopura, Baroda. (Transferor)

(2) Dr. Bhasker Kalidas Vyas, Smt. Rajniben Bhasker Vyas, Behind G.P.O. Raopura, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Open land bearing No. B/Tika 12/2, S. No. 27/5 2700 Sq. feet at Majmudar Wada, Raopura, Baroda.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 16-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 16th October 1973

Ref. No. Acq.23-II/4/6-1/73-74.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bungalow No. 59 Kunj Society, Alkapuri situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 17-5-1973

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Purshottam Bakorbhai Patel, (2) Smt. Dahiben Purshottam Patel, (3) Shri Nareshkumar Purshottam Patel, (4) Smt. Vrajangnadevi wife of Goswami Vithal Nathji Gopal Nathji, Bungalow No. 59, Kunj Society, Alkapuri, Baroda. (Transferor)

- (2) Smt. Savitaben Chandulal Shah, Premonand Kabir Pole, Wadi, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land of bungalow No. 59, Kunj Society Alkapuri Baroda 4000 Sq. feet.

P. N. MITTAL.

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 16-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) Dhulabhai Bhimbhai Veeras, Punambhai Bhimbhai Veeras. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2ND, FLOOR 2ND, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th October 1973

No. Acq.23-16/19-7/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1394 situated at Ring Road, Nanpura, Surat and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 5-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Parvatiben Kalyanji Desai Lalitaben Kalyanji Desai.
(Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 1/1394 East side-400 sq. yds. of land and construction upto foundation on Ring Road, Nanpura, Surat.

P. N. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 20-10-1973
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ajitkumar Ratanchand Zaveri. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pushpavati Shantichand Zaveri, Ratanchand Shantichand Zaveri, Rameshchandra Shantichand Zaveri, Prafulchandra Shantichand Zaveri. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-2ND, FLOOR-
2ND, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDA-
BAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th October 1973

No. Acq.23-17/19-8/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 8/1214 B to 1219 situated at Kaji Maidan, Gopipura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

20—306 GI/73

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in the property H. No. 8/1214 B to 1219 Kaji Maidan Gopipura, Surat 312 sq. yds. land & building.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 20-10-1973

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Usha Ajitkumar Zaveri. (Transferor)

(2) Pushpavati Shantichand Zaveri, Ratanchand Shantichand Zaveri, Rameshchandra Shantichand Zaveri, Pratulchandra Shantichand Zaveri. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2ND, FLOOR-
2ND, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDA-
BAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th October 1973

No. Acq.23-18/19-7/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 8/1214 B to 1219 situated at Kaji Maidan, Gopipura, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 8-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property H. No. 8/1214 B to 1219 Kaji Maidan Gopipura, Surat 312 sq. yds. land & building.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 20-10-1973

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th October 1973

No. Acq.23-19/19-8/73-74.—Whereas, J. P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 6/395 A situated at Kharadi Street, Manchhar-pura, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 28-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Naranbhai Chhaganbhai Patel, Maniben Naranbhai Patel. (Transferor)
- (2) Vihalbhai Naranbhai Laxmiben Vithalbhai. (Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property H. No. 6/395 A 89 sq. yds. land and building Kharadi Street, Manchhar-pura, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 20-10-1973
Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-2ND, FLOOR-2ND, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 20th October 1973

No. Acq. 23-20/19-1/73-74.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 384 East Side situated at Village-Ten, Ta : Bardoli, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Sub-Registrar's Office, Bombay, on 19-4-73 officer at Bardoli on 30-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Dhansukhlal Damodhardas Sonawala, Mukund Dhansukhlal Sonawala, Bharat Dhansukhlal Sonawala, Jayamangouri Dhansukhlal Sonawala, Sarala Atul Doulatjada. (Transferor).
- (2) Partners of Bardoli Agro Industries—Chunilal Bhikubhai Patel, Dabhyabhai Sitaram Bhakta, Manharbhai Zaverbhai Chhotala Dharamsi Joshi, Rajendraprasad Madanlal Singhal, Chimanlal Siddamal Singhal, Jayprakash Siddamal Singhal, Siddamal Zandamal Singhal Minors—Arthiben Kamalkant Joshi, Silpaben Kamalkant Joshi and Meenaxiben Kamalkant Joshi. (Transferee)
- (4) The Principal Officer, Bardoli Agro Industries, Pvt. Ltd. (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sur. No. 384 East side—Area 1 Acre, 30 Guntha (7836.75 sq. yds.) land, buildings, Electric motor, & fittings, Tubewell, Gate and barbed-wire fencing and all the trees thereon, at Vill. Ten Ta : Bardoli, Dist. Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated : 20-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 26th September 1973

Ref. No. A.R./III/37/73-74.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 905 of Malabar & Cumballa Hill Div. situated at Nepean Sea Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar's Office on 16th May 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pesi Adi Unwala. (Transferor)
- (2) Shri Mohamed Osman Miya Ahmed. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of land situate on the foreshore at Nepean Sea Road within the City and Registration Sub District of Bombay containing by admeasurement 340.3 sq. metres (i.e. 407.06 square yards) or thereabouts bearing Cadastral Survey No. 905 of Malabar and Cumballa Hill Division and bounded as follows:—that is to say on or towards the East by C.S. No. 2/591 of Malabar Hill Division on or towards the West by the Government foreshore land, on or towards the North by C.S. No. 904 and on or towards the South by C.S. No. 2/590 and which said piece of land is registered in the Books of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 8581.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date : 26-9-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

MADRAS-6, the 23rd October 1973

Ref. No. F. 566/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 523, situated at Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Purusawalkam on 5-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Prakasa, Mrs. P. S. Kamala Bai, No. 523, Poonamallee High Road, Madras-84. (Transferor)
- (2) Hotel Staylonger Private Limited, Bangalore-1 (Represented by its Managing Director, Kakaday Krishna, No. 15, Marshalls Road, Eemore, Madras.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Plot No. 'D') in Re-Survey No. 1/4 Poonamallee Division admeasuring 1 Ground & 1052 Sq. ft. and bearing Door No. 523, Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84.

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2
MADRAS-6.

Date : 23-10-1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-2 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd October 1973

Ref. No. F. 566/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 523 situated at Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Purusawalkam on 5-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. Prakasa, Mrs. P. S. Kamala Bai, No. 523, Poonamallee High Road, Madras-84. (Transferor)

21—306 GI/73

- (2) Hotel Staylonger Private Limited, Bangalore-1 (Represented by its Managing Director, Kakaday Krishna, No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Plot No. D-1) in Re-Survey No. 1/4 Poonamallee Division admeasuring 1 Ground & 817 Sq. ft. and bearing Door No. 523, Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84.

A. RAGHAVENDRA RAO.

Competent Authority.

Income-tax, Acquisition Range-8,

Acquisition Range-2

Madras-6.

Date : 23-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madrās-6, the 23rd October 1973

Ref. No. F. 566/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 523 situated at Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purusawalkam on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri S. Prakasa, Mrs. P. S. Kamala Bai, No. 523, Poonamallee High Road, Madras-84. (Transferor)

- (2) Hotel Staylonger Private Limited, Bangalore-1 (Represented by its Managing Director, Kakaday Krishna, No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Plot No. 'F') in Re-Survey No. 1/4 Poonamallee Division admeasuring 1 Ground & 2211 Sq. ft. and bearing Door No. 523, Poonamallee High Road, Purusawalkam, Madras-84.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-2,
Madrās-6.

Date : 23-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-2, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd October 1973

Ref. No. F. 566/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 523 situated at Poonamallee High Road, Purasawalkam, Madras-84

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam on 5-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri S. Prakasa, Mrs. P. S. Kamala Bai, No. 523, Poonamallee High Road, Madras-84. (Transferor)
- (2) Hotel Staylonger Private Limited, Bangalore-1 (Represented by its Managing Director, Kakaday Krishna, No. 15, Marshalls Road, Egmore, Madras.) (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Plot No. T) in Re-Survey No. 1/4 Poonamallee Division admeasuring 1 Ground & 1502 Sq. ft. and bearing Door No. 523, Poonamallee High Road, Purasawalkam, Madras-84.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-2,
Madras-6.

Date : 23-10-1973.
Seal :

FORM ITNS-----

(2) Smt. Chand Khanna w/o Shri H. P. Khanna, r/o
33/1, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. 3RD FLOOR,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 24th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.--Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-288 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on 3-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place,
New Delhi. (Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of land bearing plot No. 288 in Block No. S, measuring 350 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S/286
South : Plot No. S/290

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 24th October, 1973.

Sent :

FORM ITNS

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. 3RD FLOOR,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-228 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 10-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar Girdhar s/o Late Shri Ram Gopal r/o H-15/6 Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing Plot No. S-228 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at Village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S-226
South : Plot No. S-230.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.

4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. 3RD FLOOR,

ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq-II/73-74/4818.—Whereas, J. C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-349 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 10-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. D. L. F., United Ltd., 40-F, Connaught Place
New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Kohli s/o Shri Kundanlal Kohli
r/o 10/29, East Patel Nagar, New Delhi-110008.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. S-349 296 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. S/347
South : Plot No. S/351.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14-A, SAIIEB SINGH BLDG, 3RD FLOOR,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-89 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 9-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. D. T. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) S/Shri Jagdish Rai Goel (2) Vinod Goel and (3) Vijay Kumar Goel sons of Shri Charti Lal r/o 4/7, Rup Nagar, Delhi-11007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. S-89 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. S/87
South : Plot No. S/91

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II
4/14-A, SAHIB SINGH BLDG. 3RD FLOOR,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I, C. V. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-198 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-5-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Indira Seth w/o Shri B. S. Seth r/o-8/27, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. E-198 measuring 250 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. E/196
West : Plot No. E/200
North : Road
South : S. Lane

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal :

FORM ITNS ———

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. 3RD FLOOR,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I. C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. W-109 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 11-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. L. P. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Tirath Ram Jairath s/o Shri Kharabati Lal Jairath r/o 336, Lajpat Rai Nagar, Jullundur, Punjab. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. 109 in Block No. 'W' measuring 1136 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No W/107.
South : Plot No. W/111.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14-A, SAHER SINGH BLDG, 3RD FLOOR,
ASOF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I. C. V. GUPTE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing on

No. 87 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Delhi on 11-5-1973, for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Shri Madan Lal Gupta s/o Shri Nihal Chand r/o L-52, Greater Kailash-II, New Delhi-110078. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. M-87 measuring 300 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under:—

East : Road
West : Road
North : Plot No. M/85
South : Plot No. M/89

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.

4/14-A, SAHEB SINGH BLDG. 3RD FLOOR.

ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I. C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-101 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Pran Nath Soni s/o Shri Mohan Lal Soni r/o 81/3, Shivaji Park, P.O. Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing No. S-101 measuring 300 sq. yards in the residential area known as Greater Kailash-II situated at village Bahapur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Road
West : S. Lane
North : Plot No. S-99
South : Plot No. S/103

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October 1973.

Seal :

FORM 11NS-----
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4/14-A, SAHEB SINGH BLDG., 3RD FLOOR,

ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 26th October 1973

Ref. No. IAC/Acq.II/73-74/4818.—Whereas, I. C. V. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-360 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Smt. Shashi Gopal w/o Shri Gopal Krishna Gopal r/o S-412, Greater Kailash-II, New Delhi-110048. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. 360 measuring 310 sq. yards in Block No. 'S' in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S/358
South : Plot No. S/362.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date : 26th October, 1973

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th October 1973

Ref. No. Ac-54/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3 of 2D, situated at Judges Court Road, Alipur, Calcutta (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (i) Maharaja Dhiraja Udav Chand Mahatab, 10A, Diamond Harbour Road, Alipur,
- (ii) Maharaj Kumar Suday Chand Mahatab, 14/3, Burdwan Road, Calcutta-3.
- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225, Lower Circular Road, Calcutta,

- (iv) Maharaja Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.
- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6,
- (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutt 2/30 Turf View, 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab, 2 Judges Court Road, Calcutta.

Transferors

- (i) Shri Hari Ram Agarwala
- (ii) Smt. Gita Devi Agarwala
- (iii) Shri Vijay Kumar Agarwala
- (iv) Shri Sanjay Kumar Agarwala
- (v) Shri Ajay Kumar Agarwala
- (vi) Shri Dhananjay Kumar Agarwala

the last four being minors represented by Sri Hari Ram Agarwala, their father and natural guardian, all of 5B, Hari Save Street, Kidderpore, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land being plot No. 3, formed out of 2D Judges Court Road, measuring 5 cottahs 14 chatracks P.S. Alipore, Calcutta, Dist-24 Parganas.

M. N. TIWARY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 30-10-73

(Seal) :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th October 1973

Ref. No. AC-55/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4 of Premises No. 2D, situated at Judges Court Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 15-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (i) Maharaja Dhiraja Uday Chand Mahatab, 10A, Diamond Harbour Road, Alipur.
- (ii) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3, Burdwan Road, Calcutta-3.
- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (iv) Maharaja Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.
- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
- (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutt 2/30 Turf View, 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab, 2 Judges Court Road, Calcutta.

Transferors

- (i) Shri Kalicharan Agarwal
 - (ii) Shri Radheyshyam Agarwal
 - (iii) Shri Khyali Ram Agarwal
- all of 3/1, Diamond Harbour Road, Calcutta-23.

Transferees

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land being plot No. 4 formed out 2D Judges Court Road, measuring 5 cottabs 14 chatacks P.S. Alipore, Calcutta, Dist. 24-Parganas

M. N. TIWARY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date: 30-10-73

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECT-
ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th October 1973

Ref. No. Ac-56/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I. M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 of 2D, situated at Judge's Court Road, Alipur, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-1973

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (i) Maharaja Dhiraja Uday Chand Mahatab, 10A Diamond Harbour Road, Alipur.
- (ii) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3, Burdwan Road, Calcutta-3.
- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (iv) Maharaja Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.

- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
- (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutt, 2/30 Turf View, Lower Circular Road, Calcutta.
- (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab, 2 Judges Court Road, Calcutta.

Transferors

- (1) Shri Banwarilal Agarwal
- (2) Shri Madan Lal Agarwal
- (3) Shri Santosh Kumar Agarwal
- (4) Shri Murarilal Agarwal
- (5) Shri Mohanlal Agarwal, minor by his father and natural guardian Prabhudayal Agarwal, all of 39 Sambhu Nath Pandit Street, Calcutta.

Transferees

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land being plot No. 2 of 2D Judge's Court Road, Calcutta measuring 5 cottahs 14 chatacks P.S. Alipur, Calcutta Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 30-10-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECT-
ING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
P-13, CHOWRINGHEE SQUARE, CALCUTTA-1

Calcutta-1, the 30th October 1973

Ref. No. Ac.57/R-II/CL/73-74.—Whereas, I, M. N. Tiwary, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 of 2D, situated at Judge's Court Road, Alipur, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-5-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (i) Maharaja Dhiraja Uday Chand Mahatab, 10A, Diamond Harbour Road, Alipur.
- (ii) Maharaj Kumar Saday Chand Mahatab, 14/3, Burdwan Road, Calcutta-3.
- (iii) Maharaj Kumar Malay Chand Mahatab, Tivoli Garden, 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (iv) Maharaj Kumar Pranay Chand Mahatab, 2 Judges Court Road, Alipur, Calcutta.

- (v) Maharaj Kumari Varuna Rathore, 1st Floor, Nymph, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.
- (vi) Maharaj Kumari Jyotsna Dutt 2/30 Turf View, 225, Lower Circular Road, Calcutta.
- (vii) Maharaj Kumari Karuna Mahatab, 2 Judges Court Road, Calcutta.

Transferors

- (1) Shri Banwarilal Agarwal
- (2) Shri Madan Lal Agarwal
- (3) Shri Santosh Kumar Agarwal
- (4) Shri Murarilal Agarwal
- (5) Shri Mohanlal Agarwal, minor by his father and natural guardian Prabhudayal Agarwal, all of 39 Sambhunath Pandit Street, Calcutta.

Transferees

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 of 2D Judge's Court Road, Calcutta measuring 5 Cottahs 14 chatacks and 14 sq. ft. P.S. Alipur, Calcutta Dist. 24-Parganas.

M. N. TIWARY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1

Date : 30-10-73

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Kailash Kapoor w/o Shri K. K. Kapoor,
K-62, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BUILDING
3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/4860.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-615 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 31-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gajinder Singh S/o Shri Narain Singh, r/o 53/80, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. E/615 measuring 400 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 30-10-1973
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BUILDING
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/4856.—Whereas I, C. V. GUPTA, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-441 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 27-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1)

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Km. Manju Chadha d/p Shri J. D. Chadha, J-395, Shankar Road, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 294 sq. yards bearing No. S-441 in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 30-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION,
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BUILDING
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/4853.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-438 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on 26-5-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Major Balbir Singh Khurana, Headquarters, 15 Infantry Division, c/o S6, A.P.O. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land measuring 550 sq. yards bearing No. S-438 in a residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTE

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 30-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BUILDING
ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/4849.—Whereas I. C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-539 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

- (2) Shri Karamvir Mittal s/o late Suroj Bhan Mittal,
- (2) Shri Navin Mittal (minor) s/o Shri Karamvir Mittal, M-103, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. S-539 measuring 1140 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. S/541

West : Plot No. S/537

North : Road

South : Colony boundary.

C. V. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 30-10-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, 4/14-A, SAHEB SINGH BUILDING
ASAF-ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1973

No. IAC/Acq.II/73-74/4846.—Whereas I, C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-370 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s D.L.F. United Ltd., 40-F, Connaught Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Hem Raj Puri s/o Shri Dewan Chand Puri r/o F-80, Green Park (Main) New Delhi-110016.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land bearing plot No. 370 in Block No. 'S' measuring 303 sq. yards in the residential colony known as Greater Kailash-II situated at village Baharpur in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : S. Lane
West : Road
North : Plot No. S/368
South : Road.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 30-10-1973

Seal :

FORM ITNS

1. Shri Raghubar Dayal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Kedar Nath, Kalash Nath.

(Transferee)

Shri Ram Pyare, R. Prasad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st November 1973

Ref. No. 16 K/Acq-73-74.—Whereas, I, S. C. BAHL, I.A.C., Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 568, 252, ETC. situated at Parsa Gaurari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gonda on 2-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agricultural land measuring 63 Bighas along with an electrical Tube well located on it.

S. C. BAHL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 1-11-1973.

Seal:

FORM ITNS—

2. Shri Buland Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th October 1973

Ref. No. 22B/Acq. 73-74.—Where, I. S. C. BAHL, I.A.C., Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48 Situated at Kundena (Bulandshahr) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bulandshahr on 31-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Onkar Singh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring three bighas six biswas; five biswansi situated at vill. Kundena.

S. C. BAHL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 30-10-73.

Seal :

FORM ITNS -----

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st October 1973

Ref. No. 17G/Acq-73-74.—Whereas, I, S. C. Bahl, I.A.C. Acq., Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 93 situated at Balua kakra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gonda on 8-5-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

1. Shri Ram Chandra, Devi Kant, Manau, Tanau Etc.,
Shri Rama Kant, Parama Kant. (Transferor).

2. Shri Ganga Ram Mahatma, Shri Hazari Lal, Paras Nath. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 29 Acre 58 Disimal situated at Bulwa Kakara.

S. C. BAHL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 31-10-73.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th October 1973

Ref. No. CHD/226/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. House No. 142, Sector 15-A, situated at Chandigarh and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Mohan, 1064, Sector 18, Chandigarh (Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Lal, (ii) Smt. Swarn Kanta, 88-A, Mohalla Guru Nanak Nagri, Jullundur. (Transferee)
- (3) 1. Shri R. S. Garcha, 2. Shri Surinder Nigam, 3. Shri Gurbax Singh, c/o 142, Sector 15-A, Chandigarh. (Person(s) in occupation of the property)

(i) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 142, Sector 15-A, Chandigarh.

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Chandigarh,

Date : 30-10-1973.

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th October 1973

Ref. No. CHD/228/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 557, Sector 8-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri A. N. Taneja, Superintending Engineer, Haryana State Electricity Board, Katnal, (Transferor)
- (2) Shri Sewa Singh s/o Shri Dalel Singh, (ii) Shri Tirlak Singh s/o Shri Sewa Singh, House No. 1636, Sector 7-C, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 557, Sector 8-B, Chandigarh.

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 30-10-1973,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Ref No. CHD/229/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 8, Sector 27-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (2) Shri Tara Singh s/o Shri Natha Singh, through his father General Attorney S. Natha Singh, resident of Kothe Sher Jang, P.O. Sherpur Kalan, Tehsil Jagraon, District Ludhiana. (Transferee)
- (3) M/s Krishna Trading Company, (ii) Shri M. R. Joshi, (iii) Shri R. D. Pathak, (iv) Shri S. R. Sandhu, House No. 8, Sector 27-A, Chandigarh. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8, Sector 27-A, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

- (1) Shri Malkiat Singh, House No. 257, Sector 11-A, Chandigarh. (Transferor)

Date : 30-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Jagdish Chand, s/o Shri Bhagwan Dass, 1567, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th October 1973

Ref. No. CHD/271/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1195, Sector 18-C, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1195, Sector 18-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date, 30-10-1973.

Seal :

(1) Smt. Dhan Devi, wd/o Thakar Balwant Singh, 1195, Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. CHD/685/73-74.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. 2067, Sec. 21-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karamjit Singh, s/o Late Major Himmat Singh, House No. 2067, Sector 21-C, Chandigarh (Transferor)

- (2) Shri Mohinder Pal Sood, s/o Shri Durga Dass Sood, House No. 19, Sector 19-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of House No. 2067, Sector 21-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. CHD/686/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. 2067, Sec. 21-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Paramjit Singh, s/o Late Shri Major Himmat Singh, Hodsons Horse, care of 56 APO. (Transferor)
- (2) Shri Mohinderpal Sood, s/o Shri Durga Dass Sood, House No. 19, Sector 19-A, Chandigarh. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of House No. 2067, Sector 21-C, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. BGR/742/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building, Main Delhi Mathura Road, 19th K.M. Stone, situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Bhatia, s/o Thakar Dass Bhatia, 3-B/2, Ganga Ram Hospital Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) The Principal Officer, m/s Maharaja Printers Private Ltd., Katra Rathi, Nai Sarak, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and buildings situated on the main Delhi Mathura road on the 19th K.M. stone in Faridabad.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 686 of May, 1973 of the Registering Officer, Ballabgarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jatinder Nath, s/o Shri Kidar Nath, Chauri Sarak, Ludhiana. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/784/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 83, Mohalla Rakh, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) Shri Romesh Kumar Gupta, (ii) Shri Vinod Kumar, (iii) Shri Yash Pal, (iv) Shri Jatinder Kumar, (v) Shri Avineesh Kumar, sons of Shri Anand Sarup, B-V-312, Benzman Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 83, Mohalla Rakh Bagh, Ludhiana.

G. P. SINGH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973,

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/800/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot, Mohalla Rakh, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

25—306GI/73

(1) Shri Jatinder Nath, s/o Shri Kidar Nath, Chauri Sarak, Ludhiana. (Transferee)

(2) Shri Romesh Kumar Gupta, (ii) Shri Vinod Kumar, (iii) Shri Yash Pal, (iv) Shri Jatinder Kumar (v) Shri Avineesh Kumar, sons of Shri Anand Sarup, B-V-517, Benzman Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Mohalla Rakh, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1640 of May, 1973 of the Registering Officer, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS ———

- (2) M/s Lachhman Dass Dharam Vir, (ii) M/s Dharam Vir & Sons, (iii) M/s Benarsi Dass Romesh Kumar, (iv) M/s Romesh Kumar & Sons, Ludhiana. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/790/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35/100 share in Plot No. 20-C, Sorabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Updesh Kaur, w/o Shri Teja Singh, Mohalla Hargobind Pura, Jagraon. (Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

35/100 in Plot No. 20-C, Sorabha Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION

RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/791/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30/100 share in Plot No. 20-C, Sorabha Nagar, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harjit Kaur, w/o Shri Harnek Singh, (ii) Shri Jasvinder Singh, s/o Shri Harchand Singh, Mohalla Hargovindpura, Jagraon. (Transferor)
- (2) M/s Lachhman Dass Dharam Vir, (ii) M/s Dharam Vir & Sons, (iii) M/s Benarsi Dass Romesh Kumar, (iv) M/s Romesh Kumar & Sons, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30/100 share in Plot No. 20-C in Sorabha Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

- (2) M/s Lachhman Dass Dharam Vir, (ii) M/s Dharam Vir & Sons, (iii) M/s Benarsi Dass Romesh Kumar, (iv) M/s Romesh Kumar & Sons, Ludhiana. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/792/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35/100 share in Plot No. 20-C, Sorabha Nagar, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bachan Kaur, w/o Shri Harchand Singh, Mohalla Hargobindpura, Jagraon, District Ludhiana. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

35/100 share in Plot No. 20-C in Sorabha Nagar, Ludhiana.

G. P. SINGH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/807/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Kothi No. 489, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings or the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal Baldev Krishan, sons of Shri Girdhari Lal, 124-Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Harjeet Singh, s/o S. Teja Singh, 490-Model Town, Ludhiana. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Kothi No. 489, Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/808/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Kothi No. 489, Model Town, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal Baldev Krishan, sons of Shri Girdhari Lal, 124-Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Manmohan Singh, s/o S. Teja Singh, 490-Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Kothi No. 489, Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. LDH/811/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 41, Atam Nagar, Just opp. Model Town, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in May, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Balwant Singh, s/o Shri Mit Singh, 6-Shahjahan Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Gurdwaya Lal, s/o Shri Harbans Lal, 56-R, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 41, Atam Nagar, Just Opposite Model Town, Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
RANGE, CHANDIGARH, 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 31st October 1973

Ref. No. BGR/907/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, Sohna Road, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Ballabhgarh in May, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lekh Raj, s/o Shri Jay Ram, 163-A, New Colony, Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s Hindustan Structural, Sector No. 24, Plot No. 115, Faridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, Sohna Road, Faridabad, Tehsil Ballabhgarh, (Property as mentioned in the Registered Deed No. 671 of May, 1973 of the Registering Officer, Ballabhgarh).

G. P. SINGH,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 31-10-1973.

Seal :

OFFICE OF THE COLLECTOR OF GENERAL
EXCISE : MADRAS

Madras, the 28th August 1973

C. No. II/3/65/72-Estt.—The undermentioned officers lately working as Office Superintendents in Madras and Madurai Central Excise Collectorate have been appointed to officiate, until further orders, as Administrative Officer of Central Excise with effect from the date specified against each and posted in the formation noted against each.

S. No.	Name	Place where posted as Administrative Officer	Date of joining as Administrative Officer
1.	R. Thiagaraan	Administrative Officer, Vellore Division	12-3-73 F.N.
2.	T. S. Rajagopala Sastri	Administrative Officer, Salem, Division	23-4-73 A.N.
3.	J. Samson	Administrative Officer, Madras II Division	10-5-73 F.N.
4.	Md. Zainullabuddin	Administrative Officer, Coimbatore I Division.	11-6-73 F.N.
5.	G. Abdus Suban	Administrative Officer, Erode Division	28-5-73 A.N.
6.	A. Jayaraman	Administrative Officer, Hqrs. Office, Madras	7-6-73 F.N.
7.	V. Lakshminarasimhan	Administrative Officer, Pondicherry Division.	3-8-73 A.M.
8.	P. Balaraman	Administrative Officer, Coimbatore II Division	17-8-73 F.N.

C. CHIDAMBARAM,
Collector

BOMBAY CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Bombay, the 28th September 1973

No. V/73.—The following office Superintendents have on promotion assumed charge as Officiating Administrative Officers, Central Excise Class II, with effect from the dates shown against their names.

S.No.	Name	Date of assumption of charge
1.	Shri D. S. Shenolikar	2-8-1973 (A.N.)
2.	Shri N. Gonsalves	3-8-1973 (F.N.)
3.	Shri N.D. Patel	3-8-1973 (F.N.)
4.	Shri N.S. Sawant	4-8-1973 (F.N.)

B.S. CHAWLA,
Collector of Central Excise,
Bombay

MYSORE CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Bangalore, the 6th September 1973

No. 6/73.—In pursuance of Finance Ministry's order No. 78/73 (F. No. A. 32012/1/73-Ad. II dated 5.6.73), the undermentioned Superintendents of Central Excise Class I, have assumed charge as Assistant Collectors of Central Excise at the stations and dates noted against each :—

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge	Remarks
S/Shri				
1.	C. Ponnuswamy	Valuation Cell Hqrs. office Bangalore.	11-6-73 A.N.	
2.	B.S. Patil	I.D.O. Bellary	9-7-73	Vice Shri M.V. Reddy transferred to Bombay Custom House.
3.	V.V. Pandit	I.D.O.C. Ex.-Mangalore	16-7-73 A.N.	Vice Shri R.K. Tewari transferred to Gasipur

R.B. SINHA,
Collector

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras, the 19th September 1973

No. 6.—Shri Bartholomew Gabriel, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit (Expert) Appraiser in Madras Customs House, in a temporary capacity with effect from 15-9-73 forenoon, and until further orders. Shri Bartholomew Gabriel will be on probation for a period of two years.

C. CHIDAMBARAM,
Collector of Customs.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of M/s. Select Chit Funds Private Limited.

Bangalore, the 18th September 1973

No. Liq/1758/73.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up the above named company was made on the Hon'ble High Court of Mysore at Bangalore on 18-8-1972 and the Official Liquidator attached to the said High Court has been appointed as Official Liquidator of the Company.

K. K. DHAR,
Registrar of Companies,
Mysore, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Saraswathi Motor Transport Company Limited.

Tirunelveli, the 19th September 1973

No. 2754/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Saraswathi Motor Transport Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Salem Sri Kanaikaparameswari Bank Limited.

Salem, the 19th September 1973

No. 2793/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Salem Sri Kanaikaparameswari Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Y. SATYANARAYANA,
Assistant Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Chamundeswari Terrace Estates Limited.

Madras-34, the 24th September 1973

No. 5888/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Chamundeswari Terrace Estates Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Assistant Registrar of Companies.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Baidyanath Oil Mills Private Limited.

Patna, the 26th September 1973

No. 2(570)/73-74/4233.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Baidyanath Oil Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies,
Bihar, Patna.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

SHORT SERVICE COMMISSION (NON-TECHNICAL)
EXAMINATION MAY, 1974

New Delhi, the 3rd November 1973

No. F. 28/2/73-LI(B).—An examination for admission to the Officers Training School, Madras for 21st course commencing in May, 1975 for grant of Short Service Commission in the Regular Army will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PAUNA, SHILLONG, SRINAGAR and TRIVANDRUM on the 28th May, 1974 in accordance with the Notification No. 38, dated 15th October, 1973 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India, dated the 3rd November, 1973.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 200.

This number is liable to alteration.

3. A candidate must be a male and must have been born not earlier than 2nd May, 1952 and not later than 1st May, 1956. These age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Re. 1.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Re. 1.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below:—

- (i) Headquarters Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Haryana and Himachal Pradesh Area, Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area, Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area, Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area, Bombay/Tamil Nadu, Mysore and Kerala Area, St. Thomas Mount.
- (ii) Headquarters, Bombay Sub-Area, Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area, Meerut/Poona Sub-Area, Poona/Calcutta Sub-Area, Calcutta/Madhya Pradesh Sub-Area, Bhopal/Jullundur Sub-Area, Jullundur/Mysore Sub-Area, Bangalore/Andhra (Indep.) Sub-Area, Secunderabad/Bihar and Orissa Sub-Area, Dinapore/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamil Nadu and Kerala Sub-Area, Madras/North Bengal Sub-Area, 21, 31, 41 and 51 Comm. Sub-Area and 61 Indep. Comm. Z. Sub-Area, Allahabad Sub-Area Allahabad.
- (iii) ZONAL RECRUITING OFFICER: JULLUNDUR, AMBALA, LUCKNOW, CALCUTTA, SHILLONG, AJMER, POONA, BANGALORE and KUNRAGHAT.
- (iv) All National Cadet Corps Units.

NOTE.—CANDIDATE ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SHORT SERVICE

COMMISSION (NON-TECHNICAL) EXAMINATION, MAY 1974. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SHORT SERVICE COMMISSION (NON-TECHNICAL) EXAMINATION MAY, 1974 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 31st December, 1973 (14th January, 1974 in the case of candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands from a date prior to 31st December, 1973), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence Authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission, in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid*.

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

9. If any candidate taking the examination to be held in December, 1973 for entry to the Officers' Training School wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of admission to the Officers' Training School. If he is recommended for admission to OTS, Madras on the results of December, 1973 Examination, his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 3 of Annexure I.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India, on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes)

will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in accordance with para 4 of the notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-(110011), so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands, from a date prior to 31st December, 1973.

A candidate already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee must submit his application through the Head of the Department or office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of the application form) and forward it to the Commission.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'C' of the application form) and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application:—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Copy of Certificate of Age.
- (iii) Copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.

(v) Copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 5 below).

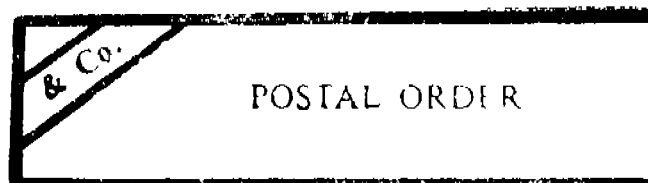
(vi) Copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (See para 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MARCH 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION ON DEMAND AT THAT TIME.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below:—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below:



and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

Note.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be in that country who should be asked to credit the amount to the account head "XXI—Miscellaneous Departments Examination fees—Receipts of the Union Public Service Commission." The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and

months. In such cases a candidate must send in addition to the copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, a copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

Note 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit a copy of only the page containing entries relating to age.

Note 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit a copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If a copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, or who intends to appear at such a qualifying examination may apply for admission to this examination but he must submit a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 1st April, 1975. Such candidates are required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above date whether they qualify or not at the written part of this examination. If they fail to comply with this instruction their candidature will be cancelled and they will not be entitled to know their results.

The form of certificate to be produced by the candidate.

This is to certify that Shri.....
son of Shri is expected to
appear/has appeared* at examination con-
ducted by in the month of
19.....

(Signature of Principal)
(Name of the College/Institution)*

Date.....

Place.....

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of Photograph*.—The candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the

submission of the application and in any case they must reach the Commission's office (except as provided for in Note under paragraph 3 (iii) above) within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. Candidates, may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the originals of any documents, copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim a copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer; as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri.....
son of Shri..... of village/town*
in District/Division* of the State/Union
Territory* of belongs to the Caste/
Tribe* under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes
List (Modification) Order 1956* read with the Bombay Re-
organisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act,
1966.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes
Order, 1956*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled
Tribes Order, 1959*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes
Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled
Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order,
1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order,
1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes
Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes
Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri and/or* his family
ordinarily reside(s) in village/town* of
District/Division* of the State/Union Territory* of
.....

Signature.....

**Designation.....

(with seal of office)

State*/Union Territory.....

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificate :

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/
Collector/Deputy Commissioner/Additional De-
puty Commissioner/Deputy Collector/1st Class Sti-
pendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divi-
sional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive
Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary
Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Laccadive and Minicoy Islands).

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce a copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

He should also produce a copy of a certificate, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce, a copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 2 of Annexure I should produce, a copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a copy of a certificate, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training at the Officers' Training School, Madras.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application.

It is not, however, possible, to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. The Ministry of Defence (Directorate of Psychological Research) have published two monographs as mentioned below. The purpose of publishing these monographs is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards :—

- (1) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW I and PRW II
- (2) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW 24 and ISP 45

The Monographs are priced publications and are on sale with the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi (110006) and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath, Barrack 'A', New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1.

112. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER (IF COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A candidate must see that communication sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 12 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG, 6(SP)(a), WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022 FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

14. Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG, 6(SP)(a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi 110022.

Candidates who have to appear for any university examination, should immediately after the announcement of the result of the written examination, intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible, take this into consideration before fixing the dates of interview.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

*Amendment to the Notice for the Indian Economic Service/
Indian Statistical Service (Released EC/SSC Officers)
Examination, 1974.*

New Delhi-110011, the 3rd November 1973

No. F.15/1/73-E.I(B).—In the Union Public Service Commission's Notice No. 15/1/73-E.I(B), dated 28th July, 1973 relating to the Indian Economic Service/Indian Statistical Service (Released EC/SSC Officers) Examination, 1974, published in the Gazette of India dated 28th July, 1973, the following amendments shall be made:—

- (i) In line 2 of Note under para 3(b) of the ANNEXURE the word 'AMC' shall be substituted for the word 'MMC'.
- (ii) In line 3 of para 8(viii) of ANNEXURE the words 'from one of the following authorities stating that he is a' shall be added after the word 'Certificate'.

R. R. SHIMRAY,
Under Secretary

Union Public Service Commission

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION ADVERTISEMENT NO. 44

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1973 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation or others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 3rd December, 1973 (17th December, 1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 12 and 15 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. No. 3 temporary but likely to become permanent. Posts at S. Nos. 1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 13 and 14 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 7 temporary but likely to continue.

Out of 6 firm vacancies at S. No. 1, one post reserved for Scheduled Castes and 2 for Scheduled Tribes candidates and out of 14 anticipated vacancies at S. No. 1, 2 posts reserved for Scheduled Castes candidates and one for Scheduled Tribes candidates. One post at S. No. 10 reserved for Scheduled Tribes candidates. Post at S. No. 11 reserved for Scheduled Castes candidates falling which reserved for Scheduled Tribes candidates and failing both to be treated as unreserved. 2 post at S. No. 3 reserved for Scheduled Castes candidates failing which reserved for Scheduled Tribes candidates. One post at S. No. 3 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates. Post at S. No. 2 reserved for Scheduled Tribes candidates who alone need apply.

One post out of 6 firm vacancies and 4 posts out of 14 anticipated vacancies at S. No. 1 reserved for Emergency Commissioned/Short Service Commissioned Officers who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-11-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military Service/due to be released, if available; otherwise to be treated as unreserved.

1. *Twenty (Including Fourteen Anticipated) Controllers of Imports & Exports, Office of the Chief Controller of Imports & Exports, Ministry of Commerce.* Pay.—Rs. 400—25—500—30—590—EB—30—800. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in responsible supervisory capacity in Government Service or business concern.

2. *One Senior Marketing Officer, Directorate of Marketing & Inspection, Ministry of Agriculture.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—40 years. Qualifications. Essential.—(i) A degree in Veterinary Science of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience in the field of Marketing of Livestock and Livestock Products including Cooperative Marketing.

3. *Eight Lecturers in Physics, National Defence Academy, Kharakvasla, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950— with special allowance of Rs. 150/- per month. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i) Good academic record with at least second class Master's degree in Physics from a recognised University or equivalent. (ii) About two years' teaching/Research experience.

4. *One Senior Scientific Officer, Grade II, Directorate General of Inspection, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's Degree in applied Physics of a recognised University or equivalent. (ii) Two years experience in the field of maintenance and testing of various instruments.

5. *One Senior Scientific Officer, Grade II, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. Qualifications.—Essential.—(i) Second Class Master's Degree in Applied Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in the field of production and inspection of plastic stores.

6. *Three Senior Scientific Officers, Grade II, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. *Qualifications.—Essential.—For all the posts :* (i) Second Class Master's Degree in Chemistry of a recognised University or equivalent. *For 1st posts* (ii) About 2 years' experience in a Paint Manufacturing Concern of repute. *For 2nd post :* (ii) About 2 years' experience in the field of production, testing and inspection of Petroleum, Oil and Lubricants products. *For 3rd post :* (ii) About 2 years' experience in a large unit engaged in the manufacture of rubber goods or 2 years' experience in testing and inspection of stores in the field of rubber.

7. *One Plant Protection Officer, Andaman & Nicobar Administration.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) B.Sc. in Agriculture or B.Sc. degree in Zoology or Agricultural Zoology as one of the subjects of recognised University or equivalent. (ii) About three years practical experience of Plant Protection work in the field. (iii) Working knowledge of pests of Agricultural importance including their identification and practical knowledge of pesticides, plant protection machines and their uses.

8. *One Senior Scientific Officer, Grade II, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Second Class Degree in Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years experience in Inspection/Production of Stores relating to Aeronautical Engineering.

9. *One Senior Scientific Officer, Grade II, Research & Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Preferably below 30 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Second Class Degree in Textile Technology of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience of working in a Woollen Mill in a responsible capacity in any of the Departments—Spinning, Weaving, Finishing or Knitting.

10. *Two Junior Design Officers (Engineering), Naval Headquarters, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. *Qualifications.—Essential.—*Degree in Mechanical or Marine Engineering from a recognised University or equivalent. OR Diploma in Mechanical or Marine Engineering from a recognised Institute or equivalent with about 2 years' experience in design work.

11. *One Assistant Engineer (Electrical), Electricity Department, Government of Goa, Daman and Diu.* Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—30 years. *Qualifications.—Essential.—*Degree in Electrical Engineering from a recognised University or equivalent.

12. *One Offset Production Officer, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture).* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit.—45 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) A degree of a recognised University or Diploma in Printing and allied Trades from any recognised technical Institution. (ii) About 5 years practical experience in Offset Printing including all the technical processes involved in a Government or private Press of standing.

13. *One Superintendent (Hollerith), Department of Personnel and Administrative Reforms (Institute of Secretariat Training and Management), Cabinet Secre-*

tariat. Pay.—Rs. 620—30—830—35—900. Age Limit.—35 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) A degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years experience of working in a Hollerith Organisation including about 3 years in a supervisory capacity.

14. *One Principal, Government School for Blind Boys, Directorate of Social Welfare, Delhi Administration.* Pay.—Rs. 425—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age Limit.—40 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Diploma from a recognised Training Institute for the Blind. (iii) About 7 years teaching experience in a Government or voluntary institution for the blind.

15. *One Junior Artist Engraver, Government Mint, Bombay, Ministry of Finance.* Pay.—Rs. 400—25—500—30—800. Age Limit.—35 years. *Qualifications.—Essential.—*(i) Matriculation or equivalent from a recognised University. (ii) Degree or Diploma in Commercial Art from a recognised University/Institution or equivalent. (iii) About 3 years experience in modelling of sculpture or metal craft.

CORRIGENDUM

Combined Recruitment of Doctors to 757 vacancies. Reference Part 'B' of Commission's Advertisement No. 39 published on 29-9-1973. It is notified for general information that those candidates who complete their compulsory rotating internship by 31st December, 1973 may also apply. The closing date for receipt of applications has been extended to 3-12-1973 (17-12-1973 for applicants from abroad and for those in the Andaman & Nicobar, Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands). Those who have already applied against Commission's advertisement No. 39, Part 'B' need not apply again.

SHORT SERVICE COMMISSION (NON-TECHNICAL) EXAMINATION, MAY, 1974

The Union Public Service Commission will hold an examination on 28th May, 1974 for entry into the Officers' Training School, Madras for grant of Short Service Commission (Non-Technical) in the Regular Army. **AGE LIMITS :** Candidates must have been born not earlier than 2nd May, 1952, and not later than 1st May, 1956. **THESE AGE LIMITS CAN IN NO CASE BE RELAXED.** **QUALIFICATION :** Degree from a recognised University or its equivalent. Applications from candidates who have appeared or intend to appear at degree or an equivalent examination acceptable provisionally. Full particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by remitting Re. 1.00 by money order or on cash payment at counter in the Commission's office. Candidates must clearly state on money order coupons "SHORT SERVICE COMMISSION (NON-TECHNICAL) EXAMINATION, MAY, 1974" and also give their names and full postal addresses in block letters. Postal orders or cheques or currency notes not acceptable in lieu of money orders. Full particulars and application forms also obtainable free from nearest recruiting office, Military Area/Sub-Area Headquarters or National Cadet Corps Units. Completed applications MUST reach Union Public Service Commission by 31st December, 1973 (14th January, 1974 for candidates residing abroad and in Andaman & Nicobar and Laccadive, Minicoy & Amindivi Islands).

A. C. BANDYOPADHYAY
Secretary
Union Public Service Commission

